ISSN 2349-6614

मार्च 2025

मूल्य 50 रु

प्रत्यूष

हिन्दी मासिक पत्रिका

आज बिरज में होली रे रसिया
होली रे रसिया
बरजोरी रे रसिया

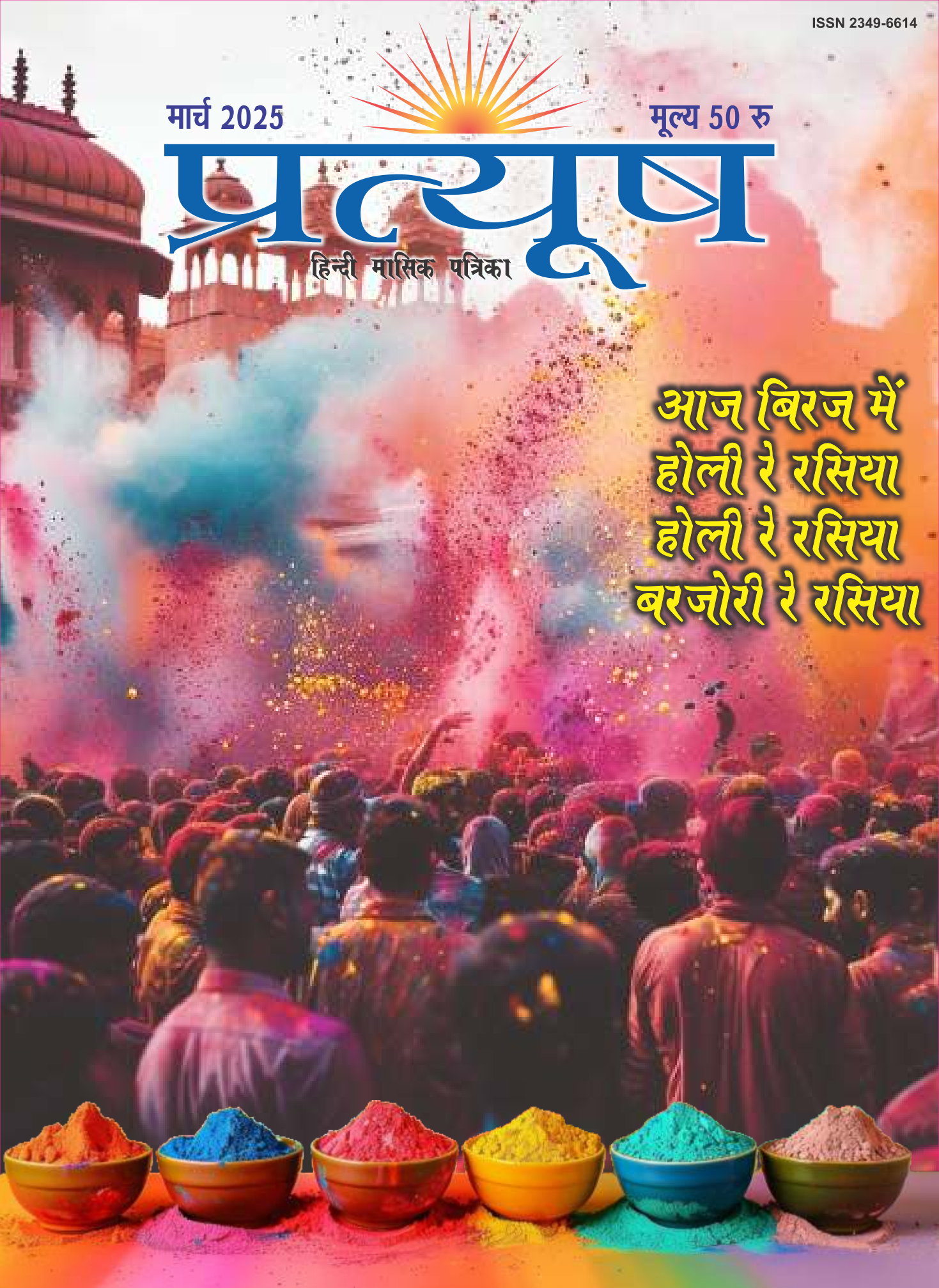

Rama
Building Trust Together

गिरनार

नई पीढ़ी के उर्वरक

50 सालों से किसानों का भरोसा

रामा फॉस्फेट्स लिमिटेड

इकाईयाँ : इन्दौर • उदयपुर • पुणे • निंबाहेड़ा

४८०७/११, उम्दा झामर खेटड़ा रोड, तहसील गिरवा, जिला उदयपुर – ३१३९०१ (राजस्थान)

हेल्पलाइन नंबर – 74608-36083 E-mail: customercare@ramagroup.co.in

मार्च 2025 वर्ष: 22 अंक: 11

प्रत्यूष

मूल्य 50 रू
वार्षिक 600 रू

पाठकों को होली पर्व की हार्दिक शुभकामनाएं

'प्रत्यूष' के प्रेरणा स्रोत मात श्रीमती प्रमिला देवी शर्मा एवं
तात श्री आनन्दी लाल जी शर्मा
प्रत्यूष परिवार का शत्-शत् नमन चरणों में पुष्प समर्पण

प्रधान सम्पादक विष्णु शर्मा हितैषी

सम्पादक रेणु शर्मा

विपणन प्रबंधक नितेश कुमार, नंदकिशोर मदन, भूमिका, उषा चन्द्रप्रभा, संगीता

टाइप सेटिंग जगदीश सालवी

सलाहकार मण्डल
गोपाल शर्मा (गोपजी), वैभव गहलोत
पवन खेड़ा, नीरज डांगी
कुलदीप इंदौरा, कृष्णकुमार हरितवाल
धीरज गुर्जर, अभय जैन
लालसिंह झाला, ओम शर्मा
अजय गुर्जर, आदित्य नाग
हेमंत भागवानी, डॉ. राव कल्याणसिंह
अशोक तम्बोली, सुंदरदेवी सालवी

चीफ रिपोर्टर : उमेश शर्मा

जिला संवाददाता
बांसवाड़ा - अनुराग चेलावत
चित्तौड़गढ़ - संदीप शर्मा
नाथद्वारा - लोकेश दवे
डूंगरपुर - सारिका राज
राजसमंद - कोमल पालीवाल
जयपुर - राव संजय सिंह
मोहसिन खान

प्रत्यूष में प्रकाशित सामग्री में व्यक्त विचार लेखकों के अपने हैं, इनसे संस्थापक-प्रकाशक का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

सर्व विवादों का न्याय क्षेत्र उदयपुर होगा।

प्रत्यूष हिन्दी मासिक पत्रिका
प्रकाशक - संस्थापक :
Pankaj Kumar Sharrma
''रक्षाबंधन'', धानमण्डी, उदयपुर-313 001

अंदर के पृष्ठों पर...

सुरक्षा

नौसेना बढ़ा रही हिंद महासागर में ताकत
पेज 08

त्रासदी

बेकाबू हुआ श्रद्धा का सैलाब 30 की मौत, 60 जख्मी
पेज 12

ज्वलंत प्रश्न

मणिपुर: कुकी समुदाय की संतुष्टी ही समस्या का समाधान
पेज 20

खेल-खिलाड़ी

खो-खो: विश्व कप के बाद लक्ष्य ओलंपिक मान्यता
पेज 30

आस्था

देवी के नव स्वरूपों की पूजा का उत्सव: नवरात्रि
पेज 36

कार्यालय पता : 2, 'रक्षाबन्धन' धानमण्डी, उदयपुर (राज)
दूरभाष एवं फैक्स: 0294-2427703 वाट्सएप 9414077697
मोबाइल : 94141-57703(विज्ञापन), वाट्सएप 75979-11992(समाचार-आलेख), 98290-42499(वाट्सएप), 94141-66737
Email:pankajkumarsharma2013@gmail.com, Visit us at: www.pratyushpatrika.com

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, संस्थापक, स्वामी पंकज शर्मा की ओर से मुद्रक आशीष बापना द्वारा मैसर्स पायोनाइट प्रिन्ट मीडिया प्रा. लि. एम.आई.ए., उदयपुर से मुद्रित तथा 'रक्षाबन्धन' धानमण्डी उदयपुर से प्रकाशित।

ST. MATTHEW'S
SR. SEC. SCHOOL

ADMISSION OPEN
NURSERY TO XII
(ARTS, SCIENCE, COMMERCE)

A LIGHT TO THE NATION

Affiliated to CBSE

OUR FEATURES
Academic Excellence
Expert Science & Commerce Faculty
Personalised Care
Enrichment Programmes
Scholarship for Meritorious Students

Required : Dance Teacher

OPP. SANJAY PARK, RANI ROAD, UDAIPUR, PHONE: +91-294-2433184 | www.stmatthews.in

उदयपुर संभाग का सर्वश्रेष्ठ शिक्षण संस्थान

अनुष्का एकेडमी

आज ही जुड़कर कीजिये अपनी सफलता सुनिश्चित

UNDER THE GUIDANCE OF

Dr. S.S.Surana
FOUNDER
Dr. Anushka Group of Institutes

Mr. Rajeev Surana
HON. SECRETARY
Dr. Anushka Group of Institutes

Dr. T.C Damor
IPS (RETD.)
EX-IG & EX-VC

Mr. S.L. Bohra
IAS (RETD.)

Mr. Vishrut Abhinna
FORMER CIVIL SERVANT

Smt. Kamla Surana
CHAIRPERSON
Dr. Anushka Group of Institutes

UPSC RAS BANK SSC CLAT

CET राज. पुलिस SI LDC राज. पुलिस कॉन्सटेबल 2nd & 3rd Grade शिक्षक

HIRAN MAGRI, SECTOR 3, NEAR SEWASHRAM BRIDGE,UDAIPUR

8233223322 | 8233033033 | 7340019191

दिल्ली में टूटा 'आप' का तिलिस्म

आखिरकार लम्बी जंग के बाद भारतीय जनता पार्टी ने देश का सबसे महत्वपूर्ण राजनैतिक दुर्ग जीत ही लिया। इस जीत ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को भी इसी जन्म में वह करिश्मा कर दिखाने की कुव्वत प्रदान कर दी जिसकी चुनाव प्रचार के दौरान आम आदमी पार्टी के सुप्रीमो और पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने उन्हे चुनौती दी थी। उन्होंने कहा था कि मोदी उन्हे इस जन्म तो हरा नहीं पाएंगे। भारतीय जनता पार्टी के लिए पिछले 27 वर्ष से दिल्ली 'प्रश्न प्रदेश' ही बना हुआ था। अन्ततः नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में उसने यहां भी 'उत्तर' खोज ही लिया और दो-तिहाई बहुमत से सरकार गठित कर ली। दिल्ली में इस बार सत्ता विरोधी लहर इतनी जबरदस्त थी कि अरविंद केजरीवाल और उनके निकटतम सहयोगी व पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया सहित 'आप' के सभी दिग्गज चुनाव हार गए। अन्ना हजारे के भ्रष्टाचार विरोधी आन्दोलन का खाद-पानी लेकर उभरे केजरीवाल व उनके साथियों ने समय की नब्ज को टटोलते हुए 'आम आदमी पार्टी' के नाम से एक ऐसा दल बनाया जिसने दो राज्यों- पहले दिल्ली और फिर पंजाब में सरकार बनाई और राष्ट्रीय राजनैतिक दल का दर्जा भी हासिल किया। दिल्ली में हार से पार्टी को करारा झटका जरूर लगा है, लेकिन कांग्रेस को शून्य पर ही कायम रहने को मजबूर करते हुए उसने 22 सीटें जीत कर यह तो जता ही दिया है कि वह अब भी एक राजनैतिक ताकत है। हांलाकि कुछ राजनैतिक विश्लेषकों का मानना है कि राजनैतिक दबावों के थपेड़े अब जो उस तक पहुंचेंगे, उनसे इसकी एकजुटता पर सवालिया निशान लग सकता है।

दिल्ली के चुनाव नतीजों में कांग्रेस के हाथ एक बार फिर शून्य ही लगा। हालांकि उसे पिछली बार की तुलना में दो प्रतिशत से कुछ ज्यादा वोट हासिल हुए हैं। इसमें कोई सन्देह नहीं कि कांग्रेस ने 'आप' से गठबंधन न करके भ्रष्टाचार विरोधी अपनी छवि को धूमिल नहीं किया किन्तु यह भी सही है कि उसके केजरीवाल विरोधी आक्रामक रूख ने अप्रत्यक्ष रूप से भारतीय जनता पार्टी की जीत को आसान भी कर दिया। इस तथ्य की भी अनदेखी नहीं की जा सकती कि अखिलेश यादव, ममता बनर्जी और शरद यादव जैसे बड़े राजनैतिक क्षत्रपों ने दिल्ली में कांग्रेस की बजाय 'आप' का साथ देना पसंद किया। जिससे 'आप' को 22 सीटों तक पहुंचने में मदद तो मिली ही, कांग्रेस भी पहले जहां थी, वहीं रूकने पर मज़बूर हो गई।

दरअसल आम आदमी पार्टी को उसके नेताओं के आचरण-व्यवहार ने पांच साल में 62 से 22 सीट पर लाकर खड़ा कर दिया। अधूरे वादे, अशुद्ध पानी, सीवर और खराब सड़कों की शिकायतें, शराब घोटाला, शीश महल की चकाचौंध और यमुना को लगातार नाले के रूप में तब्दील होते देख दिल्ली की जनता ने इस बार मुफ्त योजनाओं को दरकिनार कर केजरीवाल की विदाई का पक्का मन बना लिया था। शुरूआत में केजरीवाल, मनीष सिसोदिया और उनके ग्रुप की मुहिम शिक्षा, स्वास्थ्य, शुद्ध पानी और बिजली जैसी बुनियादी सुविधाओं पर केन्द्रित थी, बाद में बजाय उस पर काम करने के वे मुफ्त योजनाओं को ही सत्ता की चाबी मान बैठे। इन लोगों ने जिस ईमानदार और पारदर्शी राजनीति का वादा किया था, वह धीरे-धीरे लोभ-लालच के दलदल में धंसता गया। परिणाम यह हुआ कि केजरीवाल सहित एक-एक कर पार्टी के प्रमुख सत्ता वाहकों को जैल की सीखचो में जाना पड़ा।

भारतीय जनता पार्टी को 27 वर्ष से जो कांटा पीड़ा दे रहा था, उसने उसे निकाल तो फेंका है लेकिन सामने चुनौतियां बड़ी और बहुत हैं। चुनाव प्रचार के दौरान भाजपा ने भ्रष्टाचार को बड़ा मुद्दा बनाया था, अब उसे पिछली सरकार के कथित घोटालों की त्वरित जांच करके दोषियों को सजा दिलाना होगा। हालांकि इस संबंध में प्रधानमंत्री ने भाजपा कार्यालय में आयोजित जीत के जश्न में जनता को आश्वस्त किया है कि सरकार जो पहला काम हाथ में लेगी वह दिल्ली में हर भ्रष्टाचार की जांच का होगा। पूर्ववर्त्ती सरकार की मुफ्त योजनाएं झुग्गी वालों का पुनर्वास, सीलिंग में राहत, पेयजल और टूटी सड़कों की समस्या, यमुना की सफाई, बढ़ता प्रदूषण और खुद भाजपा द्वारा की गई घोषणाएं अब उसकी परीक्षा के प्रमुख आधार बन गए हैं, जिन पर उसे खरा तो उतरना ही होगा साथ अपने मंत्रियों के कार्य, व्यवहार और आचरण पर निगाहें भी गड़ाए रखनी होंगी, अन्यथा समय तो झपकियों में निकल जाएगा और अगले चुनाव में उसे भी निर्वासन का दंश भोगना पड़ेगा।

दिल्ली : 27 साल का वनवास भुगत लौट आई भाजपा

कुल सीटें 70

भाजपा 48 +40

आप 22 -40

कांग्रेस 00

10 प्रतिशत वोटों की वृद्धि के साथ 40 सीटें ज्यादा जीतीं

नवनिर्वाचित मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता। जिन्होंने शालीमार बाग सीट से 'आप' की वंदना कुमारी को 30 हजार वोटों से हराया।

अन्ततः दिल्ली के आसमान में विकास, विजन और विश्वास की डोर कमल-पतंग को बहुत ऊंचे तक ले ही गई। 'आप' के केजरीवाल 'अर्श से फर्श' पर आ गए। वे दिल्ली में आम आदमी के लिए सब कुछ साफ करने के लिए झाड़ू लेकर आए थे, वही झाड़ू उनसे छीनकर जनता ने उन्हे साफ कर दिया। चालीस सीटें खोकर सत्ता से बेदखल हो गए।

भगवान प्रसाद गौड़

भारतीय जनता पार्टी ने दिल्ली में ऐतिहासिक जीत के साथ सत्तारूढ़ आम आदमी पार्टी को बाहर का रास्ता दिखते हुए 27 साल बाद दिल्ली की सत्ता में दो तिहाई बहुमत के साथ वापसी की है। विधानसभा की 70 सीटों में से भाजपा को 48 सीटों पर जीत हासिल हुई जबकि 'आप' 22 सीटों पर सिमट गई। कांग्रेस इस विधानसभा चुनाव में शून्य की हैट्रिक लगाते हुए एक बार फिर खाता तक नहीं खोल सकी। दिल्ली में सत्ता विरोधी लहर इतनी जबरदस्त थी कि आप के शीर्ष नेता एवं पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और उनके निकटतम सहयोगी तथा पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया तो चुनाव हारे ही, उनके मंत्रिमंडल के दो मंत्री भी हार गये। नयी दिल्ली सीट पर केजरीवाल को भाजपा के प्रवेश वर्मा ने 4089 मतों से हराया। पटपड़गंज सीट बदलकर जंगपुरा क्षेत्र से चुनाव मैदान में उतरे मनीष सिसोदिया को भी हार का सामना करना पड़ा। हालांकि कड़े मुकाबले में निर्वतमान मुख्यमंत्री आतिशी कालकाजी सीट से जीत गई। इन दोनों सीटों पर कांग्रेस तीसरे स्थान पर रही। आप ने 2015 के चुनाव में 70 में से 69 सीटें जीतकर सबको चौंका दिया था और फिर 2020 में 62 सीटें जीतकर सत्ता में वापसी की थी। केजरीवाल को इस बार भी उसी प्रदर्शन की उम्मीद थी, लेकिन मतदाताओं ने उसे 22 सीटों पर समेट दिया। भाजपा ने दिल्ली में 2024 के लोकसभा चुनाव का अपना प्रदर्शन जारी रखते हुए राष्ट्रीय राजधानी के सभी इलाकों में अच्छा प्रदर्शन किया है और वोट हिस्सा लगभग 10 प्रतिशत बढ़ाया है। भाजपा ने दिल्ली के नतीजों को 'मोदी की गारंटीपर दिल्ली की जनता का भरोसा' बताया है। भाजपा अंतिम बार दिल्ली में तत्कालीन मुख्यमंत्री सुषमा स्वराज के नेतृत्व में सत्ता में थी। वर्ष 1998 के चुनाव में कांग्रेस ने भाजपा को सत्ता से लंबे समय के लिए बाहर कर दिया। कांग्रेस ने मुख्यमंत्री शीला दीक्षित के नेतृत्व में दिल्ली में लगातार तीन कार्यकाल तक सरकार चलायी। वर्ष दिसंबर 2013 में आप ने मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व में दिल्ली में सरकार का गठन किया।

भाजपा ने अलग-अलग वर्गों को साधा

राजधानी दिल्ली की सियासत में भाजपा ने अलग–अलग वर्गों को साधकर बड़ी जीत हासिल की। भाजपा ने झुग्गी–बस्तियों वाली 18 सीटों में से दस पर जीत हासिल की है। इसी तरह पूर्वांचली मतदाताओं के बाहुल्य वाली 27 में से भाजपा ने 19 सीटें जीती हैं। दिल्ली देहात में भाजपा पर जमकर मत वर्षा हुई है। महिला मतदाताओं को भी लुभाने में वह सफल रही। चालीस सीटों पर महिलाओं ने पुरुषों से ज्यादा मतदान किया था। भाजपा ने इनमे से 29 पर जीत हासिल की है जबकि आप केवल 11 सीटें ही जीत पाई।

दिग्गज हारे

सीट : नई दिल्ली
अरविंद केजरीवाल, आप
25,999 (–4089)
प्रवेश वर्मा, भाजपा
30,088 (+4089)
संदीप दीक्षित, कांग्रेस
4,568 (–25520)

जंगपुरा
मनीष सिसोदिया
(आम आदमी पार्टी)
38,184 वोट
हार का अंतर 675

कालकाजी
रमेश बिधूड़ी (भाजपा)
48,633 वोट
हार का अंतर 3251

शकूर बस्ती
सत्येंद्र जैन (आम आदमी पार्टी)
35,871 वोट
हार का अंतर 20,998

दिग्गज जीते

प्रवेश वर्मा (भाजपा)
नई दिल्ली
30,088 वोट
जीत का अंतर 4089

आतिशी (आम आदमी पार्टी)
कालकाजी
52,154 वोट
जीत का अंतर 3251

विजेंदर गुप्ता (भाजपा)
रोहिणी
70,365 वोट
जीत का अंतर 37,816

दिल्ली के लोगों में उत्साह भी है और सुकून भी। उत्साह विजय का है, सुकून दिल्ली को आप–दा से मुक्ति का है। दिल्ली के लोगों का ये प्यार, ये विश्वास हम सभी पर एक कर्ज है। दिल्ली की डबल इंजन सरकार दिल्ली का डबल तेजी के विकास करके यह कर्ज चुकाएगी। हम यमुना को दिल्ली की पहचान बनाएंगे। पहले विधानसभा सत्र में ही सीएजी की रिपोर्ट सदन में रखी जाएगी और घोटालों की जांच होगी। दिल्ली में विकास, विजन और विश्वास की जीत हुई है।

–नरेंद्र मोदी, *प्रधानमंत्री*

दिल्ली का जनादेश हम विनम्रता से स्वीकार करते हैं। प्रदूषण, महंगाई और भ्रष्टाचार के विरूद्ध, दिल्ली की प्रगति और दिल्लीवासियों के अधिकारों की लड़ाई जारी रहेगी।

–राहुल गांधी, *कांग्रेस सांसद*

आम आदमी पार्टी शराब नीति और पैसे पर ध्यान केंद्रित करने के कारण हारी। वह लोगों की निस्वार्थ सेवा करने के अपने कर्तव्य को समझने में विफल रही।

–अन्ना हजारे,
सामाजिक कार्यकर्ता

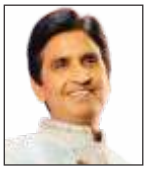

भाजपा को जीत की बधाई। ऐसे व्यक्ति से कोई सहानुभूति नहीं है, जिसने आप पार्टी कार्यकर्ताओं के सपनों को कुचल दिया। आज न्याय हुआ है।

–कुमार विश्वास,
कवि और पूर्व आप नेता

Dharmendra
Director,
+91 94141 58708

श्री JL Distributors

श्री Jagat Leela Distributors

Tarun
Director,
+91 810 444 1444

Tarun Electricals

Stockist

USHA · Symphony · Crompton · Kunstocom (Giving shape to ideas) · Racold · HAVELLS · PHILIPS · OSRAM

Off.: 30/31, Link Road, Opp. Town Hall, Udaipur 313 001 (Raj.)
Ph.: 0294-2423965 (O), E-mail: jagatleela@gmail.com, tarunelectric@yahoo.in

नौसेना बढ़ा रही हिंद महासागर में ताकत

पंकजकुमार शर्मा

भारत ने पिछले दिनों तीन युद्धपोत का जलावतरण किया। इस मौके पर रक्षामंत्री राजनाथ सिंह की मौजूदगी भी रही। भारतीय नौ सेना ने हाल के दिनों में अपने ऑपरेशन का दायरा बढ़ाया है और उत्तरी अरब सागर तक कुछ कार्रवाइयां भी की हैं।

भारत ने हाल में एक साथ तीन युद्धपोतों का जलावतरण किया, जिनमें पनडुब्बी आइएनएस वागषीर, डिस्ट्रायर आइएनएस सूरत और स्टील्थ फ्रिगेट आइएनएस नीलगिरी पी17ए हैं। इसे हिंद महासागर में चीन की मजबूत मौजूदगी की काट के रूप में देखा जा रहा है। भारत का 95 फीसद व्यापार हिंद महासागर क्षेत्र से होकर गुजरता है और यहां चीनी नौ सेना की बढ़ती मौजूदगी ने भारत के लिए चुनौतियां बढ़ा दी हैं। हिंद महासागर से लेकर बंगाल की खाड़ी में समुद्री सुरक्षा में भारत की क्षमता बढ़ी है। लेकिन रक्षा विशेषज्ञों का कहना है कि भारत की प्रमुख प्रतिद्वंद्वी चीनी नौ सेना के तेजी से ताकतवर होने की वजह से हिंद महासागर क्षेत्र में हालत चुनौतीपूर्ण होते जो रहे हैं। नए युद्धपोतों को उतारने का मकसद पानी के अंदर पुराने हो रहे भारतीय बेड़े को बदलना और क्षमताओं में अंतर को कम करना है। आइएनएस वागषीर पनडुब्बी फ्रांस के लाइसेंस पर बनाई जाने वाली कालवारी (स्कार्पियन) श्रेणी की छठी पारंपरिक डीजल इलेक्ट्रिक पनडुब्बी है। हिंद महासागर में चीन के तेजी से बढ़ते बेड़े की ताकत को संतुलित करने के लिए भारत ने देश में निर्मित अपने पहले विमान वाहक पोत का 2022 में जलावतरण किया था। आइएनएस विक्रांत भारत का दूसरा एयरक्राफ्ट कैरियर (विमोन वाहक पोत) है, जो अभी सक्रिय है। पहला एअरक्राफ्ट कैरियर सोवियत युग का आइएनएस विक्रमादित्य है जिसे हिंद महासागर और बंगाल की खाड़ी की सुरक्षा के लिए 2004 में रूस से खरीदा गया था।

पनडुब्बी की क्षमता

भारत के पास अब कुल 16 पनडुब्बियां हो गई हैं, जिनमें छह आधुनिक हैं जबकि 10 पनडुब्बियां 29 से 34 साल पुरानी हैं। इनमें दो या तीन सेवानिवृत्ति के कगार पर हैं। छह और पनडुब्बियों पर पिछले कुछ वर्षों से बात हो रही है। अगले दो तीन महीने में तीन और कन्वेंशनल पनडुब्बी का सौदा हो सकता है, लेकिन भारतीय नौसेना की राह इतनी आसान भी नहीं है। नई कमिशन हुई आइएनएस वागषीर सबमरीन में इंडिपेंडेंट प्रोपल्शन सिस्टम नहीं है जिसकी वहज से उसे दो तीन दिन बाद ही सतह पर आना होगा। इस प्रणाली की वजह से कंवेंशनल पनडुब्बी 15 से 20 दिन पानी के अंदर रह सकती है। भारत की छह पनडुब्बियों में यह प्रणाली नहीं हैं, जिससे इन्हें आम तौर पर दो से तीन दिन में पानी के बाहर आना पड़ता है। इसके अलावा आइएनएस वागषीर में टारपीडो जैसे हथियार अभी नहीं लगे हैं।

बढ़ाया ऑपरेशन का दायरा

रक्षा क्षेत्र को लेकर होने वाले फैसलों में देरी भारतीय नौसेना के विकास की सबसे बड़ी बाधा रही है। भारतीय नौसेना ने हाल के दिनों में अपने ऑपरेशन का दायरा बढ़ाया है और उत्तरी अरब सागर तक कुछ कार्रवाईयां की है। आमतौर पर भारत का ध्यान लंबी थल सीमा पर अधिक रहता है, क्योंकि पाकिस्तान और चीन जैसे प्रतिद्वंद्वी देशों से उसकी सीमा जुड़ी है। अधिकांश ध्यान जमीनी सीमाओं को लेकर है, जैसे लद्दाख या पाकिस्तान के साथ लगती वास्तविक नियंत्रण रेखा। समुद्री सीमा पर उस

तरह से ध्यान नहीं दिया गया। इसके अलावा रक्षा विनिर्माण में भी भारत चीन से अभी भी बहुत पीछे है।

चीन की रणनीति

पिछले एक दशक में चीन ने हिंद महासागर में अपनी उपस्थिति को आक्रामक ढंग से बढ़ाया है। चीन जिस रणनीति को विकसित करता दिख रहा है उसे स्ट्रिंग ऑफ पर्ल्स के नाम से जाना जाता है। इसमें हिंद महासागर के आसपास के देशों में रणनीतिक रूप से अहम बंदरगाहों और बुनियादी ढांचे का निर्माण और सुरक्षा शामिल है जिसकी जरूरत पड़ने पर सैन्य उद्देश्यों के लिए इस्तेमाल किया जा सकता है। माना जाता है कि ये पर्ल्स चीन की ऊर्जा हितों और सुरक्षा उद्देश्यों की रक्षा के लिए मध्य पूर्व से दक्षिण चीन सागर तक समुद्री मार्गों पर कई देशों के साथ रणनीतिक संबंध बनाने में मदद करने के लिए बनाए जा रहे हैं।

अहम क्षेत्र है हिंद महासागर

भारत का 95 फीसद समुद्री व्यापार हिंद महासागर के रास्ते होता है। जबकि पूरब से पश्चिम और पश्चिम से पूरब को होने वाला दुनिया का 70 फीसद समुद्री व्यापार भी इस क्षेत्र से होकर गुजरता है। ऐसी स्थिति में कोई इलाका स्वत: प्रतिद्वंद्विता का क्षेत्र बन जाता है। चीन नहीं चाहता कि इस क्षेत्र में अमेरिकी दबदबा हो। फिलहाल अमेरिकी नौसेना के पास 12 विमान वाहक पोत हैं, जो समुद्री ताकत के लिहाज से काफी अहम हैं। चीन ने इसकी काट के तौर पर एक मिसाइल सिस्टम विकसित किया है जिसे एयर डिनायल मिसाइल कहते हैं।

अटलांटिक महासागर का महत्व हिंद महासागर की ओर हो गया है, जो कि अंतरराष्ट्रीय महाशक्तियों की प्रतिद्वंद्विता का केंद्र बनता जा रहा है। भारत अपने हितों की रक्षा के लिए अपनी नौसेना को ताकतवर बनाने पर सबसे अधिक ध्यान दे रहा है। आने वाले समय में भारत की नौसेना और भी ताकतवर होगी।

राजनाथ सिंह, रक्षामंत्री

हिंद महासागर से लेकर बंगाल की खाड़ी में समुद्री सुरक्षा में भारत के प्रमुख प्रतिद्वंद्वी चीनी नौसेना के तेजी से ताकतवर होने की वजह से हिंद महासागर क्षेत्र में हालात चुनौतीपूर्ण होते जा रहे हैं। रक्षा क्षेत्र को लेकर होने वाले फैसलों में देरी भारतीय नौसेना के विकास की सबसे बड़ी बाधा है। हाल के दिनों में नौसेना ने अपने ऑपरेशन का दायरा बढ़ाया है।

राहुल बेदी, रक्षा विश्लेषक

Harshit Joshi
9992220895

N.D. Joshi

shi
SYMBOL OF QUALITY

SHEETAL HOSE INDUSTRIES

Manufacturers of

All type of High & Medium Pressure Hose Assemblies

E-90-B, Mewar Industrial Area, Near Pllution Control Board, Office, Madri,
Udaipur - 313 003 (RAJ.) Tel.: 0294-2494056, Mob.: 94141 63056
E-mail: sheetalhose@gmail.com, Website: www.sheetalhose.com

नया साल : नए संकल्प

बाबूलाल नागा

भारतीय नववर्ष एक ऐसा समय है जब हम अपने जीवन में नई उमंग और उत्साह के साथ आगे बढ़ने का संकल्प लेते हैं। यह समय हमें अपने पिछले वर्ष की गलतियों से सीखने और नए साल में सुधार का अवसर प्रदान करता है।आइए, हम नए साल पर अपने से कुछ वादे, कुछ संकल्प लें। नववर्ष पर बेहतर समाज निर्माण का संकल्प लेना एक महत्वपूर्ण कदम है जो हमें एक सकारात्मक और समृद्ध समाज की दिशा में ले जा सकता है। हमें समाज में योगदान देने का संकल्प लेना चाहिए। यह योगदान हम अपने समुदाय में काम करके, जरूरतमंद लोगों की मदद करके दे सकते हैं। एकता और सहयोग का संकल्प लेना चाहिए। यह संकल्प हमें समाज में एकता और सहयोग को बढ़ावा देने में मदद कर सकता है, जिससे हम एक मजबूत और समृद्ध समाज का निर्माण कर सकते हैं। आशावाद और साहस का संकल्प लेना चाहिए। जो हमें नए चुनौतियों का सामना करने और अपने सपनों को पूरा करने के लिए प्रेरित कर सकता है। नववर्ष पर हम समाज के लिए कुछ नया और रचनात्मक सोचें। अपनी प्रतिभा का सामाजिक विकास के लिए उपयोग करें। यदि हमारा समाज विकसित होगा तो इससे देश विकसित होगा। हमें देश में राष्ट्रीय एकता, शांति, सद्भाव एवं न्याय के लिए संकल्प लेना होगा। देश में आपसी मेलजोल व प्रेम रहेगा तो राष्ट्रीय एकता को बढ़ावा मिलेगा। भारत हजारों साल से विविध धर्म-संस्कृतियों का देश रहा है। सदियों से लोग बेहतर तरीके से एक दूसरे के साथ भाईचारा रखते आए हैं। हमारे ऋषि-मुनियों व महापुरूषों की भी यह परिकल्पना थी जिसमें स्वतंत्रता, समता, बंधुता और न्याय हो। इन्हीं परिकल्पनाओं को साकार करना है। ऐसे ही वातावरण का निर्माण करना है। इस तरह के आयोजन करें हम एक दूसरे को समझ सकें। सभी धर्म-संस्कृति का सम्मान कर सकें। हमें यह भी संकल्प लेना होगा कि अपने संविधान को जानेंगे और संवैधानिक मूल्यों को व्यवहार में लाएंगे। हमारा संविधान मानवतावादी है और बराबरी के लिए है। हमें सुनिश्चित करना है कि हम संविधान को मानने वाले और संविधान पर चलने वाले लोग हैं। हम पर न्याय, समता, बंधुता और शांति का वातावरण स्थापित करने का संवैधानिक दायित्व है। समाज में व्याप्त भेदभाव, जातिवाद व असमानता को दूर कर समाज के सभी लोगों को एक साथ लेकर चलने के संकल्प को पूरा करने के लिए हमें पूरी तरह तैयार रहना होगा। किसी भी परिस्थिति में समाज में उत्पन्न असंतोष को मिलजुल कर दूर करना मुख्य लक्ष्य होना चाहिए। नववर्ष का सही संदेश यही है कि केवल अपना ही भला न सोचें, बल्कि समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारियों को समझें। छोटे-छोटे संकल्प भी बड़े बदलाव ला सकते हैं। अत: आइए हम एकजुट होकर समतामूलक समाज निर्माण की मुहिम में आगे ले जाने की शपथ लें।

(लेखक स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं)

राजस्थान सरकार

श्री नरेन्द्र मोदी
माननीय प्रधानमंत्री

श्री भजनलाल शर्मा
माननीय मुख्यमंत्री

76 वें
गणतंत्र दिवस

26 जनवरी

के पावन पर्व पर समस्त प्रदेशवासियों को

हार्दिक शुभकामनाएं

भारतीय संविधान देश की वैविध्यपूर्ण संस्कृतियों को एक सूत्र में मजबूती से जोड़ते हुए नागरिकों के अधिकारों को संरक्षित करता है।

आइए, इस गणतंत्र दिवस पर कर्तव्य पालन का संकल्प लेकर लोकतांत्रिक मूल्यों की नींव को और सुदृढ़ बनाएं। साथ ही देश और प्रदेश की विकास यात्रा के पथगामी बनें।

भजनलाल शर्मा
मुख्यमंत्री, राजस्थान

राजस्थान संवाद

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, राजस्थान

प्रयागराज महाकुंभ में मौनी अमावस्या के स्नान से पूर्व मची भगदड़ ने पुराने जख्मों को फिर कुरेद दिया। आजादी के बाद से लेकर अब तक के कुंभ मेलों में कई बार भगदड़ मची है। लेकिन उन हादसों से सबक लेकर इन्तजाम सुनिश्चित करने की जरूरत नहीं समझी गई। कोई न कोई लापरवाही-खामी सामने आती ही रही। ज्यादातर मामलों में प्रशासन भीड़ को काबू करने में नाकाम रहा।

बेकाबू हुआ श्रद्धा का सैलाब 30 की मौत, 60 जख्मी

अमित शर्मा

सामाजिक जीवन में उत्सव जरूरी है, इसलिए यह स्वाभाविक है कि महाकुंभ में संगम तट पर आस्था की अभिव्यक्ति के फलस्वरूप मौनी अमावस्या को भी करोड़ों लोग जमा हुए मगर ऐसे आयोजनों में जिस तरह हादसे होने लगे हैं, वे अपने आप में सवाल खड़े करते हैं कि क्या अब इस तरह की भीड़ का जुटना जानलेवा बन गया है ? महाकुंभ में जनसैलाब का उमड़ना तय था, फिर भी 28-29 जनवरी की रात वहां भगदड़ मच गई। यह संकेत है कि आयोजन स्थल पर संख्या को सीमित रखने या वहां लोगों को पहुंचाने को लेकर लापरवाही बरती गई, जिसकी कीमत कई लोगों ने चुकाई। इस घटना से एक बार फिर यही साफ होता है कि धार्मिक आयोजनों में पूर्व में हुए हादसों से सबक नहीं लिया जाता। यह देखा जाना चाहिए कि आयोजन में यदि तय संख्या से अधिक लोग पहुंच रहे हैं, तो उनको पूर्व में ही रोक लिया जाए या फिर भीड़ का उचित प्रबंधन हो। मगर प्रयागराज में ऐसा नहीं हो सका। जहां भी ज्यादा संख्या में लोगों के जमा होने की संभावना हो, वहां प्रशासन सभी स्तरों पर सुरक्षा व बचाव के इंतजाम सुनिश्चित करे। ऐसे हादसों में उंगली प्रशासन पर ही उठती है, क्योंकि आयोजन का सफल प्रबंधन उसी की जिम्मेदारी है। इस हादसे ने एक बार फिर 1954 की याद दिलादी जब प्रयागराज में ही सैकडों श्रद्धालु काल के गाल में समा गए थे। 1954 के कुंभ के समय देश की आबादी 40 करोड़ भी नहीं थी जब कि आज 140 के पार जा चुकी है।

मौनी अमावस्या पर मची भगदड़ में तीस श्रद्धालुओं की मौत होना और साठ से अधिक के लागों का घायल होना बताया गया है। निश्चित रूप से यह दुखद और विचारणीय विषय है। मौनी अमावस्या से ठीक दो दिन पहले राज्य के बागपत जिले की बड़ौत तहसील में जैन समुदाय के आदिनाथ निर्वाण महोत्सव में भी 65 फीट ऊंचे मंच की सीढ़ियां टूटने के बाद मची भगदड़ में सात श्रद्धालुओं की मौत हो गई और 80 से अधिक लोग घायल हो गए। यह भी लापरवाही का ही नतीजा था।

हर तीन साल के बाद प्रयागराज, हरिद्वार, नासिक और उज्जैन में कुंभ पर्व आयोजित होते रहते हैं। पिछले सत्तर वर्षों में सभी स्थलों को मिलाकर भगदड़ की यह छठी घटना है। हालांकि हर भगदड़ के पीछे कारण भी अलग-अलग रहे हैं। कहीं-अग्नि सुरक्षा में कमी, कहीं- भीड़ के कुप्रबंधन और कहीं- वीआईपी व्यवस्था तो कहीं- चरमराता बुनियादी ढांचा। ऐसे में अब भीड़ को नियंत्रित करने के लिए एक प्रभावी प्रबंधन व्यवस्था के साथ राष्ट्रीय व्यवहार संहिता की जरूरत है।

महाकुंभ मेला क्षेत्र में आग लगने की भी कुछ घटनाएं हुई। गोरखपुर के एक प्रसिद्ध प्रकाशन संस्थान के सेक्टर 19 स्थित शिविर में 19 जनवरी को आग लगी, जिससे डेढ़ सौ से ज्यादा कॉटेज जलकर राख हो गए जब कि दूसरी घटना 30 जनवरी की दोपहर में हुई। आग छतनाग घाट-नागेश्वर घाट सेक्टर-22 के समीप टेंट सिटी में लगी। इसी दिन एक डोम भी स्वाहा हो गया।

प्रयागराज महाकुम्भ को लेकर जो शिकायतें सामने आई हैं, उन पर गौर करने की जरूरत है। क्या विशिष्ट अतिथियों और उनके सगे-संबंधियों की वजह से मेला प्रशासन किसी तरह के दबाव में था? क्या आम लोगों या यात्रियों के लिए सहज उपलब्ध सुविधाओं की कमी रही? ये ऐसे सामान्य सवाल हैं, जिन पर प्रशासन विचार अवश्य कर रहा होगा। दुनिया में सबसे ज्यादा आबादी वाले देश भारत में कदम-कदम पर अनुशासन और संयम की जरूरत है, पर क्या हम ऐसा कर पा रहे हैं?

कुंभ : भगदड़ की घटनाएं

प्रयागराज में ही कुंभ मेले में 3 फरवरी 1954 को मौनी अमावस्या के दिन भगदड़ मची थी। इस हादसे में 800 लोगों की मौत हुई थी। वहीं, 1992 में उज्जैन के सिंहस्थ कुंभ मेले के दौरान मची भगदड़ के दौरान 50 से अधिक श्रद्धालुओं की मौत हो गई थी। महाराष्ट्र के नासिक में 2003 के कुंभ मेले के दौरान 27 अगस्त को भगदड़ मच गई थी। इसमें 39 लोगों की मौत हो गई थी। उत्तराखंड के हरिद्वार में 2010 में कुंभ मेले के दौरान 14 अप्रैल को भगदड़ मच गई थी। इसमें 7 लोगों की मौत हो गई थी। इसी तरह प्रयागराज में 2013 में भी कुंभ मेले का आयोजन हुआ था। यह घटना मौनी अमावस्या पर 10 फरवरी को अमृत स्नान के दौरान घटी थी। प्रयागराज रेल्वे स्टेशन पर मची भगदड़ में 36 लोगों की मौत हो गई थी।

हाल के वर्षों में हुई प्रमुख त्रासदियां

2 जुलाई 2024 : उत्तर प्रदेश के हाथरस में स्वयंभू भोले बाबा उर्फ नारायण साकार हरि द्वारा आयोजित सत्संग में भगदड़ मचने से महिलाओं और बच्चों सहित 100 से अधिक लोग मारे गए।

31 मार्च 2023 : इंदौर शहर के एक मंदिर में रामनवमी के अवसर पर आयोजित हवन कार्यक्रम के दौरान एक प्राचीन बावड़ी या कुएं के ऊपर बने स्लैब के ढह जाने से कम से कम 36 लोगों की मौत हो गई।

1 जनवरी 2022 : जम्मू-कश्मीर में प्रसिद्ध माता वैष्णो देवी मंदिर में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ के कारण मची भगदड़ में कम से कम 12 लोगों की मौत हो गई और एक दर्जन से अधिक घायल हो गए।

14 जुलाई 2015 : आंध्र प्रदेश के राजमुंदरी में पुष्करम उत्सव के पहले दिन गोदावरी नदी के तट पर एक प्रमुख स्नान स्थल पर भगदड़ मचने से 27 तीर्थयात्रियों की मौत हो गई और 20 अन्य घायल हो गए।

3 अक्टूबर 2014 : दशहरा समारोह समाप्त होने के तुरंत बाद पटना के गांधी मैदान में भगदड़ मचने से 32 लोग मारे गए और 26 जख्मी हो गए।

13 अक्टूबर 2013 : मध्य प्रदेश के दतिया जिले में रतनगढ़ मंदिर के पास नवरात्रि उत्सव के दौरान मची भगदड़ में 115 लोग मारे गए और 100 से ज्यादा घायल हो गए। भगदड़ की शुरूआत इस अफवाह के कारण हुई कि श्रद्धालु जिस नदी के पुल को पार कर रहे थे, वह टूटने वाला है।

19 नवंबर 2012 : पटना में गंगा नदी के तट पर अदालत घाट पर छठ पूजा के दौरान एक अस्थायी पुल के ढह जाने से मची भगदड़ में लगभग 20 लोग मारे गए और कई अन्य घायल हो गए।

08 नवंबर 2011 : हरिद्वार में गंगा नदी के तट पर हर-की-पौड़ी घाट पर भगदड़ में कम से कम 20 लोग मारे गए।

14 जनवरी 2011 : केरल के इडुक्की जिले के पुलमेडु में एक जीप के तीर्थयात्रियों को टक्कर मार देने के कारण मची भगदड़ में सबरीमाला के कम से कम 104 श्रद्धालु मारे गए और 40 से अधिक घायल हो गए।

4 मार्च 2010 : उत्तर प्रदेश के प्रतापगढ़ जिले में कृपालु महाराज के राम-जानकी मंदिर में भगदड़ में लगभग 63 लोग मारे गए। लोग मुफ्त कपड़े और भोजन लेने के लिए एकत्र हुए थे।

30 सितंबर 2008 : राजस्थान के जोधपुर शहर में चामुंडा देवी मंदिर में बम विस्फोट की अफवाह के कारण मची भगदड़ में लगभग 250 श्रद्धालु मारे गए और 60 से अधिक घायल हो गए।

3 अगस्त 2008 : हिमाचल प्रदेश के बिलासपुर जिले में नैना देवी मंदिर में चट्टान खिसकने की अफवाह के कारण मची भगदड़ में 162 लोग मारे गए, 47 घायल हुए।

25 जनवरी 2005 : महाराष्ट्र के सतारा जिले के मंधारदेवी मंदिर में वार्षिक तीर्थयात्रा के दौरान 340 से अधिक श्रद्धालुओं की कुचल जाने की वजह से मौत हो गई और सैकड़ों घायल हो गए। यह दुर्घटना उस समय घटित हुई जब कुछ श्रद्धालुओं द्वारा नारियल तोड़ने के कारण सीढ़ियों पर फिसलन हो गई और लोग गिर गए।

27 अगस्त 2003 : महाराष्ट्र के नासिक जिले में कुंभ मेले में पवित्र स्नान के दौरान भगदड़ में 39 लोग मारे गए और लगभग 140 घायल हुए।

प्रत्यूष

त्याग और संयम की प्रेरणा है, माहे रमजान

रोजा गुनाहों से मुक्त होने, उनसे तौबा करने, डरने और मन को शांत एवं पवित्र रखता है। रमजान माह में रोजा रखने से मनुष्य में संयम विकसित होता है। समाज के कमजोर वर्ग की मदद करने से समरसता और सद्भावना बढ़ती है। कुल मिलाकर यह रहमतों और बरकतों वाला माह है।

अल्फेज खान

रमजान का महीना बेहद पाक और रहमतों वाला होता है। रमजान में एक नेकी का सवाब सत्तर गुना बढ़ा दिया जाता है। नफिल इबादत का सवाब फर्ज के बराबर मिलता है। रमजान में शयातीनों को अल्लाह कैद कर देता है ताकि लोग आसानी के साथ रोजा रख सकें, तरावीह अदा कर सकें। रमजान का महीना 29 या 30 दिन का होता है, जो चांद दिखने के साथ शुरू होता है अगला चांद दिखने के बाद दूसरे दिन ईद मनाई जाती है। रात के आखरी पहर सुबह सादिक से पहले सेहरई (हल्का खाना खाना) करके रोजे की नीयत करके रोजा रखा जाता है। रोजा सिर्फ भूखे प्यासे रहने का नाम नहीं है।

रोजा आंख, हाथ, पैर, दिल, मुंह सभी का होता है ताकि रोजा रखने वाला इंसान हमेशा बुराई से तौबा करता रहे। रोजा सूरज निकलने से लेकर सूरज डूबने तक का होता है। इस दौरान वह कुछ खा पी नहीं सकता । रोजे की शुरुआत में फजिर की नमाज होती है। रोजा खोलने के वक्त मगरिब की नमाज होती है।

रमजान की इबादतें: रमजान में रोजा अहम इबादत है। रमजान अल्लाह तआला का महीना है। अल्लाह कहता है कि रोजेदार को उसके रोजे का बदला हम स्वयं देंगे। इसे कुरआन का महीना भी कहा जाता है। रमजान में पोंचों वक्त की नमाज के अलावा इशा की नमाज के बाद रात्रि में बीस रकात तरावीह में कुरआन का पूरे माह सुनना जरूरी है। तरावीह के लिए हाफिज मौखिक रूप से कुरआन नमाज के दौरान पढ़ता है और बाकी नमाजी उसे सुनते हैं। तरावीह के दौर, तीन, पन्द्रह, इक्कीस, पच्चीस, सत्ताईस और उन्तीस दिन के होते हैं। एक रात में पूरा कुरआन पढने और सुनने को सवीना कहते हैं जो कम ही स्थानों पर कराया जाता है। रमजान में कुरआन की तिलावत भी अहम इबादत है। वहीं रोजा अफतार करवाने में भी बड़ा सवाब है। लोग अफतार पार्टियां भी आयोजित करते हैं। रमजान में दिखावे को अल्लाह पसंद नहीं करता।

रमजान माह सिखाता है

- *सुबह चार बजे उठना और रात्रि में लम्बी नमाज से अनुशासन की भावना पैदा होती है। ब्रह्मचर्य के पालन से शरीर में नवजीवन का संचार होता है। बुरा न देखना, न कहना और न करना। लड़ाई–झगड़े से तौबा। गरीबों की मदद करना।*
- *छोटे–बड़े सभी लोग जब समान रूप से रोजा रखते हैं उनके बीच समरसता और मानवता के भाव पैदा होते हैं। एक दूसरे के नजदीक आने से सकारात्मक सोच विकसित होती है।*
- *भूख क्या होती है, इसका अहसास जब होता है तो गरीबों की सहायता के प्रति हाथ स्वत: बढ़ने लगते हैं।*
- *व्यक्ति को अपनी कमाई का एक निर्धारित अंश समाज के कमजोर वर्ग की मदद में देना अनिवार्य है। इससे परस्पर सद्भाव व सामाजिक विकास को बढ़ावा मिलता है।*

कशिश क्लिनिक

वैवाहिक जीवन में फिर से आ सकती है खुशियां

वैधराज एम राजपूत

B.A.M.S. रजि. नं. 27528
आयुर्वेदाचार्य यौन रोग चिकित्सक
www.kashishclinic.com
www.kashishclinic.online

दूरियाँ हैं ?तो मिटेंगी

जर्मन लीनियर शॉकवेव थेरेपी व आयुर्वेदिक दवाइयों द्वारा

बिना किसी साईड ईफेक्ट | दर्द | सर्जरी

पुरूषत्व में कमी | अंग की विकृति | यौन समस्याओं का उपचार

स्वप्नदोष, शुक्राणु की कमी,
दिमागी दुर्बलता, धातु विकार, शीघ्रपतन

शराबी को बिना बताये शराब छुडाए

19, दूसरी मंजिल, सिटी स्टेशन रोड़, सूरजपोल, उदयपुर (राज.)
0294-2425522, +919460277 035

प्रत्यूष

निजी क्षेत्र पर दांव, अर्थव्यवस्था को रफ्तार देने की कोशिश

मध्यम वर्ग को बड़ी राहत

डॉ. सुनील दाधीच

केन्द्रीय वित्तमंत्री निर्मल सीतारमण द्वारा 1 फरवरी को संसद में 2025-26 के बजट से जो संकेत मिल रहा है, उससे साफ दिखाई देता है कि मोदी सरकार आर्थिक सुधारों की सुस्ती दूर करने के लिए प्रयत्नशील है। वह इसमें सफल भी हो सकती है, क्योंकि आयकर में छूट देने के साथ ही उसने आठवें वेतन आयोग की घोषणा की है। हालांकि चुनौतियां भी कम नहीं है, विशेषकर चीन की ओर से लगातार आती आर्थिक चुनौतियों से पार पाना सरकार के लिए बड़ी परीक्षा होगी।

बजट के पांच आधार

- महंगाई पर नियंत्रण
- राजकोषीय अनुशासन
- रोजगार सृजन
- पूंजीगत व्यय में वृद्धि
- विनायमक सुधार

कोविड महामारी के बाद अर्थव्यवस्था को आगे बढ़ाने में इंजन की भूमिका में रही सरकार ने अब यह जिम्मा निजी क्षेत्र को सौंपने के संकेत दिए है। कोविड काल के बाद निजी निवेश के स्तर पर कुछ सीमाओं को देखते हुए कमान संभालने वाली सरकार अब यह चाहती है कि निजी क्षेत्र यह मशाल थामकर आगे बढ़े।

इंफ्रास्ट्रक्चर पर खर्च इसका एक बड़ा उदाहरण है। पिछले कुछ वर्षों के दौरान सरकार ने पूंजीगत खर्च में 10 प्रतिशत की बढ़ोतरी की है, जो नोमिनल जीडीपी वृद्धि दर के अनुरुप ही है। यह ठीकठाक बढ़ोतरी इस कारण कम लग सकती है कि बीते कुछ वर्षों से इस मोर्चे पर खर्च में बढ़ोतरी नोमिनल जीडीपी से भी अधिक रही। सरकार का यह कदम इस कारण भी उचित है कि पिछले अवसरों पर हुई बढ़ोतरी के अनुसार आवंटित धनराशि पूरी तरह खर्च नहीं हो पाई थी।

विगत वर्षों में जहां सरकारी पूंजीगत खर्च बढ़ता रहा तो उसे लेकर निजी क्षेत्र के कदम ठिठके रहे। अब सरकार की अपेक्षा है कि निजी क्षेत्र निवेश की राह पर सरपट दौड़ लगाए। इसके लिए बजट में कई घोषणाएं भी हुई हैं। जैसे ईज ऑफ डूइंग बिजनेस यानी कारोबारी सुगमता को बढ़ावा देने के लिए उच्च स्तरीय समिति के गठन की पहल हो रही है। इसके माध्यम से नियामकीय प्रावधानों को सुसंगत किया जाएगा, जिससे निजी क्षेत्र को एक सही संदेश मिलेगा। सरकार का निजी क्षेत्र पर दांव लगाने का कदम न केवल तार्किक, बल्कि समयानुकूल भी है, क्योंकि अर्थव्यवस्था को गति देने के लिहाज से सरकार के पास सीमित संभावनाएं हैं जबकि निजी क्षेत्र की संभावनाएं असीम हैं। यदि निजी क्षेत्र को अपेक्षित प्रोत्साहन दिया जाता है तो अर्थव्यवस्था की क्षमताओं को पूरी तरह भुनाने में बहुत मदद मिलेगी।

कोविड महामारी के बाद अर्थव्यवस्था को आगे बढ़ाने में इंजन की भूमिका में रही सरकार ने अब यह जिम्मा निजी क्षेत्र को सौंपने के संकेत दिए हैं। कोविड काल के बाद निजी निवेश के स्तर पर कुछ सीमाओं को देखते हुए कमान संभालने वाली सरकार अब यह चाहती है कि निजी क्षेत्र यह मशाल थामकर आगे बढ़े। बहुत लंबे समय के बाद मध्यवर्ग को बड़ी राहत दी गई है। इसके अलावा टीडीएस की सीमा दस लाख रुपए और आयकर रिटर्न भरने में चार वर्ष तक का समय जैसे कुछ अन्य उपायों से उम्मीद जगी है कि ये भारतीय बाजारों में छाई सुस्ती को दूर करने में मददगार साबित होंगे।

बजट मध्यम वर्ग को समर्पित कहा जा सकता है। मध्यम वर्ग काफी लम्बे समय से आयकर छूट की उम्मीद कर रहा था अब आयकर में 12 लाख तक की आय पर कोई कर नहीं देना होगा। पहले सात लाख तक आय पर कोई कर नहीं देना होता था एवं मध्यम वर्ग को 80 हजार रुपए तक की सालाना छूट मिलेगी। 15 लाख तक की आय वालों को 70000 और 25 लाख तक की आय वालों को 1,10,000 की छूट मिलेगी। इस कदम के दूरगामी परिणाम होंगे।

मध्यम वर्ग के लोगों के हाथ में ज्यादा पैसा आने से बाजार में पैसा ज्यादा आएगा व आम आदमी ज्यादा खर्च करेगा, इससे उपयोग व उत्पादन दोनों बढ़ेंगे, जिससे जीडीपी बढ़ेगी एवं उद्योगों को उत्पादन बढ़ाने से उद्योगों को बढ़ावा मिलेगा।

आयकर में अनेक कटौतियों को मिला लें तो इससे साफ जाहिर है कि इससे बाजार में आर्थिक सुधार होगा।

वित्त मंत्री ने वरिष्ठ नागरिकों को ब्याज पर कर कटौती की सीमा 50 हजार से बढ़ाकर एक लाख कर बड़ी राहत दी है। किराए पर 2.40 लाख पर कर कटौती की सीमा बढ़ाकर छह लाख कर दी है। उपरोक्त समस्त कदम एक मध्यम एवं आम आदमी को राहत देने वाले हैं।

बहुत लंबे समय बाद मध्यवर्ग को बड़ी राहत दी गई है। इसके अलावा टीडीएस की सीमा दस लाख रुपए और आयकर रिटर्न भरने में चार वर्ष तक का समय जैसे कुछ अन्य उपायों से उम्मीद जगी है कि ये भारतीय बाजारों में छाई सुस्ती को दूर करने में मददगार साबित होंगे। मोबाइल सहित कुछ इलेक्ट्रोनिक्स सामान, इलेक्ट्रिक कारें और टीवी आदि का सस्ता होना मध्य वर्ग को राहत देने में सहायक तत्व का काम कर सकता है। दरअसल पिछले कुछ समय से लगातार बढ़ती महंगाई के बीच आर्थिक मोर्चे पर आय और खर्च में संतुलन मुश्किल

हो रहा था। वही आर्थिक वृद्धि में गिरावट चिंता की एक बड़ी वजह बन रही है। अब अगर बचत की वजह से क्रयशक्ति में इजाफा होता है तो इसका सीधा असर लोगों की खरीदारी और बाजार पर पड़ेगा।

पहली बार उद्यमी बनने वाली महिलाओं के अलावा अनुसूचित जाति-जनजाति की महिलाओं के लिए भी विशेष कस्टम ड्यूटी हटाने, मेडिकल सीटें बढ़ाने और जिला अस्पतालों में कैंसर केंद्र खोलने की योजनाओं से स्वास्थ्य क्षेत्र में सुधार की उम्मीद की जा रही है। इसी तरह, शिक्षा क्षेत्र में पिछले साल के मुकाबले 6.65 की बढ़ोतरी भी अहम है। मगर रेलवे के लिए कोई बड़ी घोषणा नहीं हुई। यह देखने की बात होगी कि इन सब उपायों का असर रोजगार क्षेत्र पर क्या पड़ता है, क्योंकि बीते कुछ सालों में युवा आबादी के सामने बेरोजगारी की बढ़ती समस्या एक बड़ी

चुनौती बनती कुप्रथाएं और समाज

महिलाओं के पास अपने जीवन के विषय में निर्णय लेने का अधिकार और सम्मानपूर्ण जीवन जीने का अधिकार संरक्षित है। फिर भी खुले आम उनके मानवाधिकारों का उल्लंघन होता है। महिलाओं द्वारा उठाई गई विरोध की भावना को संस्कारों और परम्पराओं की दुहाई देकर दबा दिया जाता है। महिला दिवस (8 मार्च) के परिप्रेक्ष्य में प्रस्तुत है- *ज्योति सिडाना* का विशेष आलेख।

भारत आध्यात्मवाद की संस्कृति का प्रतिनिधित्व करने वाला देश रहा है। अनेक परम्पराएं और प्रथाएं यहां की संस्कृति का हिस्सा रही हैं। समाज के विकास के शुरुआती दौर में विवाह और परिवार संस्थाएं अस्तित्व में नहीं थी। मानव सभ्यता के प्रारंभ के बाद स्थायी निवास और निजी संपत्ति की अवधारणा ने ही विवाह संस्था को जन्म दिया। इसलिए विवाह संस्था को मानव समाज की सार्वभौमिक व आधारभूत सामाजिक संस्था माना जाता है। आदिम समाज में विवाह के अनेक रूप प्रचलित थे, लेकिन मानव सभ्यता के विकास के साथ-साथ उनमें भी व्यापक बदलाव आते गए। पर आज इक्कीसवीं सदी में भी ऐसी वैवाहिक परम्पराए विद्यमान हैं जो महिलाओं की स्थिति में किसी भी प्रकार के बदलाव की संभावना को नकारती हैं। जैसे राजस्थान में आटा-साटा विवाह प्रथा (जिसे विनिमय विवाह कहा जाता है) या फिर नाता प्रथा (जिसे चादर डालना भी कहा जाता है) आटा-साटा चलन के तहत जिस घर से एक लड़की बहू बनाकर लाई जाती है, उसे घर में अपनी लड़की बहू बनाकर भेजनी पड़ती है। यानी लड़की के बदले लड़की का विनिमय किया जाता है। दूसरी तरफ नाता प्रथा में एक महिला को उसके पति की मृत्यु के उपरांत अथवा तलाक होने पर या वैवाहिक संबंधों में तनाव के कारण अथवा पति के बीमार होने पर किसी अन्य पुरुष को बेच दिया जाता है। इस प्रथा में परिवार के पुरुष सदस्यों और जाति पंचायतों की अहम भूमिका होती है। भारतीय संविधान में लैंगिंक समानता के मूल्य को स्थापित किया गया है। लेकिन विडंबना यह है कि भारतीय समाज में व्यावहारिक जीवन में यह समानता कभी मूर्त रूप ले ही नहीं पाई। ऐसे में यह सवाल उठना लाजिमी है कि यह कैसा सभ्य समाज है जहां आज भी ऐसी कुप्रथाएं और परम्पराएं प्रचलित हैं जिनमें महिलाओं की इच्छाओं और अधिकारों का कोई मतलब नहीं रह जाता। समाज के धार्मिक आदर्शों और संस्कारों की दुहाई तब कहां चली जाती है जब समाज के पुरुष और पंच-सरपंच ही महिला को महज खरीद-फरोख्त की वस्तु बना देते हैं। हकीकत तो यह है कि इक्कीसवीं सदी में भी महिलाओं की स्थिति में कोई बहुत ज्यादा अंतर नहीं आया है। आज भी समाज की सोच महिला को वस्तु से अधिक कुछ नहीं मानने वाली ही है। जबकि इसके विपरित विचार रखने वालों का तर्क होता है कि आज महिला स्वतंत्र है, शिक्षित है, कामकाजी है, आत्मनिर्भर है (कुछ हद तक) इसलिए यह कहना कि महिलाओं की स्थिति में कोई खासन अंतर नहीं आया, गलत है। परंतु इस बात से भी इंकार नहीं किया जा सकता कि महिलाओं की स्वतंत्रता, शिक्षा-नौकरी में उनकी कितनी और कैसी मर्जी शामिल होती है। विवाह संबंधी मामालों में आज भी लड़कियों की इच्छा, पसंद या फैसले कोई मायने नहीं रखते। न ही उनकी शिक्षा मायने रखती है, न ही उम्र। इसलिए अनपढ़ या उम्रदराज पुरुष के साथ उनका विवाह कर देना भी सामान्य सी बात है। फिर भी अगर समाज कहता है कि महिला और पुरुष में अब गैर बराबरी नहीं है तो फिर लैंगिंक भेदभाव की अवधारणा को पुन: परिभाषित करने की आवश्यकता है। कुछ प्रबुद्धजन तर्क दते हैं कि लड़कियों की स्वतंत्रता और शिक्षा का ही परिणाम है कि आज समाज में तलाक की दर बढ़ी है, लड़कियां परिवार की मर्जी के विरुद्ध जाकर अंतरजातीय और अंतरधार्मिक विवाह करने लगी हैं, जिससे समाज में असंतुलन और अव्यवस्था पैदा हुई है। इसलिए इनका घर की चार दीवारी तक सिमट कर रहना ही सही था और संभवत: इस सोच को मूर्त देने के लिए ही आटा-साटा और नाता जैसी प्रथाएं आज भी जीवित हैं जिनके दुष्परिणामों पर न तो यह पुरुष समाज चर्चा करना पसंद करता है और न ही इस पर कोई प्रश्न उठाया जाता है। महिलाओं के पास अपने जीवन के विषय में निर्णय लेने का अधिकार और सम्मानपूर्ण जीवन जीने का अधिकार संरक्षित है। फिर भी खुलेआम उनके मानवाधिकारों का उल्लंघन होता है। महिलाओं द्वारा उठाई गई विरोध की आवाज को संस्कारों और परम्पराओं की दुहाई देकर दबा दिया जाता है। इसलिए यहां कुछ महत्वपूर्ण सवालों की चर्चा करना आवश्यक हो जाता है। जैसे पुरुष तो अपने आप में पूर्ण है, पर महिला अपूर्ण क्यों? आखिर इस तरह

की सोच का तार्किक आधार क्या है? महिला के भविष्य को पवित्रता के साथ संबद्ध किया जाता है और उसके भविष्य को विवाह से सुनिश्चित कर दिया जाता है। आखिर क्यों? पवित्रता का मूल्य केवल महिलाओं के साथ ही जोड़ कर क्यों देखा जाता है? समाज विज्ञानी जॉर्ज सीमेल तर्क देते हैं कि पुरुष व स्त्रियों की समानता की चर्चा करना ही आधुनिकता नहीं है, अपितु आधुनिकता को यौन-संबंधों, घरेलू गतिविधियों, मनो भावनात्मक क्षेत्रों, श्रम विभाजन, संस्कृति भाषा, पोशाक इत्यादि क्षेत्रों में तार्किक ढंग से प्रयुक्त करके ही प्राप्त किया जा सकता है। ऐसे अनेक पुरुष हैं जो समानता की चर्चा तो करते हैं परंतु व्यवहार में पुरुष होने का भाव नहीं छोड़ना चाहते। अत: आधुनिक होना पुरुषों व महिलाओं दोनों के लिए आसान नहीं हैं। इसे संस्कृति की त्रासदी की संज्ञा दी जा सकती है। नारीवादी लेखिका ऑड्रे लॉर्ड तर्क देती हैं कि जब हम बोलते हैं तो हमें डर रहता है कि हमारी आवाज को दबा दिया जाएगा। मगर हम चुप रहते हैं, तब भी हम डरते हैं। इसलिए बोलना ही बेहतर है। उनके इस तर्क की प्रासंगिकता को जानकर ही संभवत: कुछ महिलाओं ने आवाज उठाना शुरु किया, जिसके कारण 'मी-टू' जैसे आंदोलन अस्तित्व में आए। भारत में अनेक संवैधानिक प्रावधान हैं जो महिलाओं को विभिन्न अधिकार प्रदान करते हैं। परंतु आटा-साटा और नाता जैसे कुप्रथाएं दर्शाती हैं कि संकीर्णतावादी और परम्परागत सोच पुरुष एवं महिलाओं को आज भी क्रमश: स्वामी एवं दास के रूप में ही देखती हैं। ये कुप्रथाएं घटनाएं हमें बार-बार प्रशासन, कानून, मीडिया, राज्य शिक्षा एवं परिवार की भूमिकाओं के मूल्यांकन के लिए बाध्य करती हैं। होना तो यह चाहिए कि इन घटनाओं में लिप्त दोषियों को कठोर दंड दिए जाएं। शिक्षित युवाओं को अपने जातीय और धार्मिक संगठनों को बाध्य करना होगा कि वे इस कुप्रथाओं के नाम पर महिलाओं की खरीद-फरोख्त को प्रतिबंधित करें ताकि लैंगिंक न्याय एवं लैंगिंक समानता के मूल्य स्थापित हो सकें।

(ये लेखिका के अपने विचार हैं)

पृथ्वी से 32 गुना बड़ी आकाशगंगा

केपटाउन। शायद आपको पता न हो, लेकिन इस समय हमारे सौरमंडल से बहुत दूर विशाल ब्रह्मांडीय घटनाएं घट रही हैं। इन ब्रह्मांडीय घटनाओं में अति विशाल ब्लैक होल प्रमुख रूप से शामिल है। दक्षिण अफ्रीका में शोधकर्ताओं ने पृथ्वी के आकार से 32 गुना बड़ी आकाशगंगा की खोज की है। यहां की मीरकेट सहित रेडियो दूरबीनों की एक नयी पीढ़ी ने पिछले पांच वर्षों में लगभग ग्यारह हजार विशालकाय तारामंडल खोजे हैं, लेकिन नयी विशाल रेडियो आकाशगंगा की खोज असाधारण है।

मणिपुर : कुकी समुदाय की संतुष्टी ही समस्या का समाधान

उमेश शर्मा

मणिपुर में मुख्यमंत्री बीरेन सिंह के इस्तीफे की मांग पिछले डेढ साल से ही उठ रही थी पर वे और भाजपा का केन्द्रीय नेतृत्व इसे दरकिनार करता रहा, शायद ये स्थानीय लोगों की भावनाओं को समझने में नाकाम रहे। लेकिन देर आयद, दुरस्त आयद। आखिर उन्हे 9 फरवरी को इस्तीफा देना पड़ा और चार दिन तक उत्तराधिकारी की माथापच्ची के बावजूद विकल्प भी न मिल सका। परिणामत: चार दिन बाद राज्यपाल अजय कुमार भल्ला की सिफारिश पर राज्य में राष्ट्रपति शासन लगाना पड़ा। इसके साथ ही राज्य के संवेदनशील इलाकों में केन्द्रीय सुरक्षा बल की टुकड़ियां तैनात कर दी गई हैं। बीरेन सिंह ने इस्तीफा तब दिया जब उन्हें लगने लगा कि वे अविश्वास प्रस्ताव का सामना नहीं कर पाएंगे। राज्य में फैली हिंसा से हालात इतने खराब थे कि भाजपा को भी समझ में आ गया कि उन्हें बचाने की कोशिश अब बेकार होगी। विपक्ष तो उनसे लगातार इस्तीफा मांग ही रहा था।

मणिपुर में 3 मई, 2023 को मैतेई और कुकी समुदाय के बीच शुरू हुई हिंसा के बाद से ही मैतेई समुदाय से आने वाले मुख्यमंत्री बीरेन सिंह पर आग में घी डालने के आरोप लगते रहे थे, आंकड़ों की मानें, तो मणिपुर में अब तक की

हिंसा में 250 से अधिक लोगों की मौत और करोड़ों की संपत्ति स्वाहा हो चुकी है। अब भी हिंसा के कारण विस्थापित हजारों लोग राहत शिविरों में दिन गुजारने पर मजबूर हैं।

एक मामूली गलतफहमी की वजह से मणिपुर में हिंसा भड़क उठी थी। वहां के उच्च न्यायालय ने सलाह दी थी कि मैतेई लोगों को भी आदिवासी समुदाय का दर्जा दिया जा सकता है। इस पर कुकी समुदाय के लोग आक्रोशित हो उठे थे। सरकार से अपेक्षा थी कि वह लोगों को यह समझाए कि वह उच्च न्यायालय की सलाह पर कोई ऐसा कदम नहीं उठाने जा रही, जिससे कुकी और दूसरे आदिवासी समुदायों के हितों को चोट पहुंचे। मगर बीरेन सिंह सरकार ने शुरू में दमन के जरिए हिंसा को रोकने का प्रयास किया, फिर मैतेई समुदाय के प्रति नरम रुख अख्तियार करती नज़र आई। प्रशासनिक शिथिलता का आलम यह था कि उपद्रवी, शस्त्रागारों में घुस कर हथियार और गोली-बारूद लूट ले गए। ऐसा कई बार हुआ। पुलिस के सामने कुछ महिलाओं से बदसलूकी की गई और उनके साथ बलात्कार के मामले भी उजागर हुए। मगर पुलिस ने ऐसा कुछ नहीं किया, जिससे लगे कि प्रशासन वहां हिंसा रोकने को लेकर गंभीर था। इसी का नतीजा था कि उपद्रवियों और वहां के आतंकी संगठनों ने अत्याधुनिक हथियार और ड्रोन आदि के जरिए पूरी रणनीति बना कर हमले किए।

कुकी समुदाय की संस्था आइटीएलएफ का कहना है कि बीरेन सिंह के जाने या रहने से उनकी मांगों पर कोईअसर नहीं पड़ेगा। वे अलग प्रशासन की मांग उठाते रहेंगे। बीरेन सिंह के इस्तीफे से जरूर उन लागों ने कुछ राहत अनुभव की होगी, जो उनके ढीलेढाले और पक्षपातपूर्ण रवैए से नाखुश थे, पर मणिपुर की स्थिति में इससे सुधार होगा, फिलहाल कहना मुश्किल है।

दरअसल, बीरेन सिंह के खिलाफ कुकी संगठनों में इतनी नाराजगी है कि उनके इस्तीफे

से भी कोई खास फर्क नहीं पड़ेगा। सबसे बड़ा सवाल है कि बीरेन सिंह से उस वक्त इस्तीफा क्यों नहीं लिया गया, जब राज्य में बड़े पैमाने पर हिंसा भड़की थी और उनके इस्तीफे की मांग लगातार तेज हो रही थी ? दरअसल, बीरेन सिंह या पार्टी के केंद्रीय नेतृत्व को अनुमान नहीं था कि मामला इतना बिगड़ जाएगा कि सत्ता हाथ से निकलने तक की नौबत आ जाएगी। विपक्ष ने 10 फरवरी से शुरू होने वाले विधानसभा के बजट अधिवेशन के दौरान सरकार के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव पेश करने का नोटिस दिया था। कहा तो यह भी जा रहा था कि भाजपा के कम से कम एक दर्जन विधायक, जो कई महीनों से नेतृत्व परिवर्तन की मांग कर रहे थे, इस अविश्वास प्रस्ताव का समर्थन करने का मन बना चुके थे। यही वजह है कि बजट अधिवेशन से ठीक पहले बीरेन सिंह अपने कुछ भरोसेमंद लोगों के साथ अचानक दिल्ली पहुंचे और पार्टी अध्यक्ष जे पी नड्डा और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह समेत शीर्ष नेताओं के साथ मुलाकात की। भाजपा का केंद्रीय नेतृत्व सदन में बहुमत हासिल करने में नाकाम रहने जैसी अप्रिय स्थिति पैदा नहीं होने देना चाहता था। इससे पार्टी के पक्ष में बना वह सकारात्मक माहौल खत्म हो जाता, जो दिल्ली विधानसभा चुनाव में जीत के बाद बना है। ऐसी स्थिति में बीरेन सिंह से इस्तीफा लेना ही पार्टी के लिए श्रेयस्कर समझा गया। अब आगे की राह भी आसान नहीं है, कुकी समुदाय को आश्वस्त करना ही होगा।

2025 में चार ग्रहण: भारत में दिखेगा एक

14 मार्च को पूर्ण चंद्र ग्रहण से शुरू होगा यह सिलसिला

डॉ. राजेन्द्र प्रकाश गुप्ता

इस साल सूर्य, पृथ्वी और चंद्रमा की चाल दुनिया को दो सूर्यग्रहण और दो चंद्रग्रहण के रोमांचक दृश्य दिखाएगी। हालांकि, मध्य प्रदेश के उज्जैन की एक प्रतिष्ठित वेधशाला का यह पूर्वानुमान भारत के खगोलप्रेमियों को थोड़ा निराश कर सकता है कि देश में इनमें से केवल एक ग्रहण ही निहारा जा सकेगा। ग्रहणों का सिलसिला 14 मार्च को लगने वाले पूर्ण चंद्रग्रहण से शुरू होगा। 'नववर्ष का यह पहला ग्रहण भारत में नहीं देखा जा सकेगा क्योंकि इस खगोलीय घटना के वक्त देश में दिन का समय होगा। यह खगोलीय घटना अमेरिका, पश्चिमी यूरोप, पश्चिमी अफ्रीका और उत्तरी व दक्षिणी अटलांटिक महासागर में दिखाई देगी।' आगामी 29 मार्च को लगने वाले आंशिक सूर्यग्रहण भी भारत में नहीं देखा जा सकेगा। यह ग्रहण उत्तरी अमेरिका, ग्रीनलैंड, आइसलैंड, उत्तरी अटलांटिक महासागर, संपूर्ण यूरोप और उत्तर-पश्चिमी रूस में देखा जा सकेगा। भारतीय खगोलप्रेमियों को यह बात उत्साहित कर सकती है कि 2025 में सात और आठ सितंबर के बीच लगने वाला पूर्ण चंद्रग्रहण देश में देखा जा सकेगा। यह ग्रहण एशिया के अन्य देशों के साथ ही यूरोप, अंटार्कटिका, पश्चिमी प्रशांत महासागर, आस्ट्रेलिया और हिंद महासागर क्षेत्र में भी दिखाई देगा। वर्ष 2025 का अंतिम ग्रहण आंशिक सूर्यग्रहण के रूप में 21 और 22 सितंबर के बीच लगेगा और यह खगोलीय घटना भारत में नहीं देखी जा सकेगी। 'यह आंशिक सूर्यग्रहण न्यूजीलैंड, पूर्वी मेलानेशिया, दक्षिणी पोलिनेशिया और पश्चिम अंटार्कटिका में नजर आएगा।' उल्लेखनीय है कि बीता वर्ष 2024 उपच्छाया चंद्रग्रहाण, पूर्ण सूर्यग्रहण, आंशिक चंद्रग्रहण और वलयाकार सूर्यग्रहण की चार खगोलीय घटनाओं का गवाह बना था।

अधीक्षक, शासकीय जीवाजी वेधशाला ग्वालियर

देवीलाल डांगी
डायरेक्टर
9414164094
9001229362

चन्दनवाड़ी फार्म

मांगलिक कार्यों हेतु 35000 वर्गफीट का हरा-भरा लॉन, मनमोहक फव्वारे, आकर्षक विद्युत साज-सज्जा, पार्किंग की पूरी व्यवस्था, अत्याधुनिक केटरिंग व्यवस्था, बर्तन व पुष्प सज्जित स्टेज, दिन भर पानी, बंगाली साज-सज्जा व ठहरने की उचित व्यवस्था।

प्रेम नगर, रूप सागर रोड, युनिवरसिटी, उदयपुर (राज.)

करन फार्म

मांगलिक कार्यों हेतु 32000 वर्गफीट का हरा-भरा लॉन, 80 व 60 फीट मेन रोड, आकर्षक विद्युत साज-सज्जा, पार्किंग की पूरी व्यवस्था, अत्याधुनिक केटरिंग, बर्तन व पुष्प सज्जित स्टेज, खाना बनाने हेतु पानी एवं अन्य सुविधाएं उपलब्ध

महावीर नगर, न्यू भूपालपुरा, उदयपुर (राज.)

प्रत्यूष

यूसीसी के दायरे में उत्तराखंड

- बहु विवाह पर प्रतिबंध
- बेटियों का पैतृक संपत्ति में अधिकार
- तलाक के कारण और आधार समान
- अनुसूचित जनजातियां दायरे से बाहर, विवाह पंजीयन अनिवार्य

सनत जोशी

उत्तराखंड में 27 जनवरी से समान नागरिक संहिता (यूसीसी) लागू कर दी गई है। इसके साथ ही उत्तराखंड स्वतंत्र भारत में यूसीसी लागू करने वाला पहला राज्य बन गया है। आजादी से पहले यह गोवा में लागू था। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने यूसीसी लागू होने का ऐलान किया। उन्होंने कहा कि यह दिन सिर्फ उत्तराखंड के लिए ही नहीं, बल्कि पूरे भारत के लिए ऐतिहासिक है। राज्य में अब सभी धर्मों के लिए बहुविवाह पर प्रतिबंध लगा दिया गया है और बेटियों को पैतृक संपत्तियों में समान अधिकार भी दिया गया है। जाहिर है, इस संहिता से देश के बाकी राज्यों को भी सीखने और विचार करने की प्रेरणा मिलेगी। देश में अभी आधा दर्जन राज्य ऐसे हैं, जहां किसी न किसी चरण में समान नागरिक संहिता बनाने की कवायद चल रही है। इस संहिता की समर्थक सरकारें फूंक-फूंककर कदम रख रही हैं, तो अचरज नहीं। दुनिया में कई देश हैं, जो अल्पसंख्यकों की आवाज को दबाकर तत्काल प्रभाव और कड़ाई से ऐसी संहिता या नियमों को लागू कर देते हैं, पर भारतीय राज्य उत्तराखंड में सोच-विचार की लोकतांत्रिक प्रक्रिया के बाद संहिता को लागू किया गया है। संविधान निर्माताओं ने यह सपना देखा था कि एक दिन देश में समान नागरिक संहिता पर सहमति बनेगी और उत्तराखंड ने यह शुरुआत कर दी है। संहिता में सभी धर्मों के विवाह, विरासत, भरण-पोषण के लिए समान नियमों की परिकल्पना की गई है। अब किसी भी धर्म के व्यक्ति को अपने जीवनसाथी के जीवित रहने तक दूसरी शादी की अनुमति नहीं दी जाएगी। वैसे तो हिंदुओं में भी एकाधिक शादी करने वाले मिल जाते हैं, पर इस्लामी कानून के हिसाब से चल रहे कुछ लोगों को यह संहिता नागवार लग सकती है। वैसे अल्पसंख्यक समाज में भी अधिकतर लागों ने एकल विवाह ही किए हैं और उन्हें इस संहिता से कोई फर्क नहीं पड़ेगा। वास्तव में इस संहिता से महिलाओं को न्याय देने में सुविधा मिलेगी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इसे सेक्यूलर सिविल कोड बताया है। इसमें किसी के साथ कोई भेदभाव नहीं रखा गया है, बल्कि सबको समान माना गया है। यह कानून बेटियों, माताओं और बहिनों के गरिमामय जीवन का आधार बनेगा। इसके साथ संविधान की भावना भी मजबूत होगी। इसमें कोई दो राय नहीं कि इस कानून के जरिए एक महत्वपूर्ण परिवर्तन लाने की कोशिश की गई है। यह कदम सिर्फ भाजपा या आरएसएस के एजेंडे को पूरा करने तक सीमित नहीं है। बल्कि यह अच्छी मंशा और राजनीतिक इच्छा शक्ति का प्रमाण भी है। इसमें संविधान की मूल भावना भी अंतर्निहित है। समय-समय पर न्यायपालिका की ओर से भी इसे अमल में लाने का तकाजा किया जाता रहा है। इस कानून को लेकर समाज में मिश्रित प्रतिक्रियाओं का आना स्वाभाविक है।

यूसीसी जाति, धर्म, लिंग के आधार पर कानूनी भेदभाव समाप्त करने का संवैधानिक उपाय है। इसके जरिये सभी नागरिकों को समान अधिकार देने का प्रयास किया गया है। इसके द्वारा महिला सुरक्षा और सशक्तिकरण सुनिश्चित हो सकेगा। साथ ही हलाला, तीन तलाक जैसी प्रथाओं पर रोक लगेगी।

पुष्करसिंह धामी, मुख्यमंत्री उत्तराखंड

यूसीसी संविधान प्रदत्त धार्मिक स्वतंत्रता के विरुद्ध है। मुसलमानों को यह किसी भी हालत में स्वीकार्य नहीं है। मुस्लिम अल्पसंख्यकों की आपत्तियों को नजर अंदाज कर इस कानून का क्रियान्वयन न्याय विरोधी है।

मौलाना महमूद असद मदनी, अध्यक्ष जमीयत उलेमा-ए-हिंद

यूसीसी न तो व्यवहारिक है और न ही संवैधानिक। ये लिव इन संबंधों को संरक्षण देकर देवभूमि की संस्कृति के खिलाफ है।

करन माहरा, अध्यक्ष उत्तराखंड कांग्रेस

कई मुस्लिम देशों में लागू

अमेरिका, आयरलैंड, पाकिस्तान, बांग्लादेश, मलेशिया, तुर्किये, इंडोनेशिया, सूडान, इराक, संयुक्त अरब अमीरात, कुवैत, मिस्र में यूसीसी लागू है। यूसीसी लागू करने के दौरान मुख्यमंत्री धामी ने इन देशों का जिक्र भी किया।

यह है प्रावधान

1. मुस्लिम देशों में जहां कई शादियों पर रोक है, उनमें तुर्किए प्रमुख है। इराक, सीरिया, मिस्र, मोरक्को, पाकिस्तान और बांग्लादेश में दूसरी शादी अदालत के अधीन है।
2. ईरान और पाकिस्तान जैसे देश में यदि कोई दूसरी शादी करना चाहता है तो उसे अपनी पहली पत्नी से इजाजत लेनी होती है।
3. मलेशिया में दूसरे निकाह के लिए पत्नी के साथ सरकारी एजेंसी की भी मंजूरी होनी चाहिए।

वीरेंद्र कुमार डांगी
सीएमडी

होली की हार्दिक शुभकामनाएं

रजनी डांगी

डांगी इण्डस्ट्रीज

सोप स्टोन पाउडर

डोलोमाइट

चाइना क्ले

केल्साइट पाउडर के निर्माता एवं माइनिंग

- पर्ल मिनरल्स एंड केमिकल्स
- डांगी माइनिंग प्राईवेट लिमिटेड
- नेनो क्ले एंड मिनरल्स प्राइवेट लिमिटेड
- देवपुष्प माइनिंग इण्डस्ट्रीज, किच्छा (उत्तराखंड)

एफ-39 (ए) आई. टी. पार्क, रोड नं. 12, मादडी इण्डस्ट्रीयल एरिया, उदयपुर 313 003
फोन : 9649203061/9672203061, ईमेल: pearlmin@rediffmail.com, dangiindustries@rediffmail.com

एन. सीतारमण ने रचा इतिहास

पंकज कुमार शर्मा

वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण ने 1 फरवरी को संसद में लगातार 8वां बजट पेश कर प्रणव मुखर्जी के रिकार्ड की बराबरी कर ली है। वे पूर्व प्रधानमंत्री मोरारजी देसाई द्वारा अलग-अलग समयावधि में पेश 10 बजटों के रिकार्ड के करीब पहुंच गई हैं। देसाई ने 1959-1964 के दौरान वित्तमंत्री के रूप में कुल 6 बजट और 1967-69 के बीच 4 बजट पेश किए थे। लेकिन एक ही दल की सरकार में लगातार आठ बजट पेश करके निर्मला सीतारमण ने इतिहास रच दिया है।

वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण ने 1 फरवरी को लगातार 8वां बजट पेश कर रिकॉर्ड बनाया। इसमें कमजोर पड़ती आर्थिक वृद्धि को सहारा देने तथा महंगाई व स्थिर वेतन वृद्धि से जूझ रहे मध्यम वर्ग को राहत देने के उपाय किए गए हैं।

इसके साथ ही सीतारमण पूर्व प्रधानमंत्री मोरारजी देसाई द्वारा अलग-अलग समायवधि में पेश किए गए 10 बजटों के रिकॉर्ड के करीब पहुंच गई। देसाई ने 1959-1964 के दौरान वित्त मंत्री के रूप में कुल 6 बजट और 1967-1969 के बीच 4 बजट पेश किए थे।

भारत की पहली पूर्णकालिक महिला वित्त मंत्री: सीतारमण को 2019 में भारत की पहली पूर्णकालिक महिला वित्त मंत्री बनाया गया था। इसी साल प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने केंद्र में लगातार दूसरी बार सरकार बनाई थी। तब से सीतारमण ने 7 बजट पेश किए। स्वतंत्र भारत का पहला आम बजट 26 नवंबर, 1947 को देश के पहले वित्त मंत्री आर.के.शणमुखम चेट्टी ने पेश किया था। पूर्व प्रधानमंत्री मोरारजी देसाई ने प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू और बाद में प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री के कार्यकाल में वित्त मंत्री के तौर पर कुल 10 बजट पेश किए पूर्व वित्त मंत्री पी.चिदंबरम ने 9 मौकों पर बजट पेश किया। प्रणब मुखर्जी ने वित्त मंत्री के रूप में अपने कार्यकाल के दौरान 8 बजट पेश किए। पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह ने 1991 से 1995 के बीच लगातार 5 बार बजट पेश किए, जब वह पी.वी.नरसिम्हा राव सरकार में वित्त मंत्री थे।

सबसे लंबा बजट भाषण

सबसे लंबा बजट भाषण सीतारमण ने 1 फरवरी, 2020 को 2 घंटे 40 मिनट का दिया। वर्ष 1977 में हीरूभाई मुलजीभाई पटेल का अंतरिम बजट भाषण अब तक का सबसे छोटा भाषण है, जिसमें केवल 800 शब्द थे।

बजट पारंपरिक रूप से फरवरी के आखिरी दिन शाम 5 बजे पेश किया जाता था। वर्ष 1999 में समय बदला गया और अटल बिहारी वाजपेयी सरकार में तत्कालीन वित्त मंत्री यशवंत सिन्हा ने सुबह 11 बजे बजट पेश किया। तब से बजट सुबह 11 बजे पेश किया जाता है।

इसके बाद 2017 में बजट पेश करने की तिथि बदलकर 1 फरवरी कर दी गई, ताकि सरकार मार्च के अंत तक संसदीय मंजूरी की प्रक्रिया पूरी कर सके।

कैसा लगा यह अंक

प्रत्यूष

इस अंक में कौन सा आलेख आपको ज्यादा पसंद आया। आप किन विषयों पर आलेख पढ़ना ज्यादा पसंद करेंगे? किस विषय पर आप हमें अपना मौलिक आलेख, शोध, कविता, कहानी भेजना चाहेंगे। कृपया हमें लिखें। आपके रचनात्मक सुझावों का सदैव स्वागत होगा।

ARAVALI
INSTITUTE OF TECHNICAL STUDIES
Approved by AICTE & Affiliated to RTU, BTER
An ISO 9001 : 2015 Certified Engineering College

7th Rank AMONG ALL ENGINEERING COLLEGES IN RAJASTHAN (2023-24)

NAAC A GRADE

18 YEARS OF EXCELLENCE

WE OFFER MORE THAN DEGREES
WE SHAPE
ENGINEERING CAREERS

B.TECH. | M.TECH. | M.C.A.
POLYTECHNIC | DIPLOMA

Aravali Knowledge Campus, Umarda, Udaipur - 313003 (Rajasthan)
9414164115, 9001895904
www.aravalieducation.org
SVA GROUP

THE LUXURY NEST
3 & 4 BHK PREMIUM FLATS

Amenities:
- Two Elevators
- Reception Area
- Gym
- Club House
- Swimming Pool
- Gazebo
- Smart Door Lock
- Video Door Phone
- Play Area for kids
- Solar & DG Power Backup
- Water Softner
- Water Recycling
- Control Access Entry
- AC Pipeline
- Fire & Safety
- CCTV
- GAS Pipeline
- Parking
- Security Guard

Possession: Ready

CONTACT US : 97827 95383
SITE ADDRESS : MEERA NAGAR, BLOCK-B, SHOBHAGPURA

Builder :
Mogra Group
Office Address :
"A-Square', 3rd Floor, 1 Shobhagpura, 100 Feet Main Road, Udaipur

गरम को भी प्रिय होली का उत्सव

भक्त प्रहलाद से जुड़ना ही होली नहीं है। यदि यह भक्त प्रहलाद से ही जुड़ी होती तो महादेव क्यों खेले? राघव और माधव क्यों खेले? दरअसल होली आनंद का पर्याय है और आनंद ही परमानंद है।

सूर्यकांत द्विवेदी

फाल्गुन का महीना। होली। रास रंग की होली। भंग व तरंग की होली। हर युग की होली। हर देवता की होली। हर पुराण में होली। होली में कुछ तो बात है, जो वह सारे पर्वों से ऊपर है। होली में कुछ तो है... जिसे महादेव ने भी खेला, कृष्ण ने भी खेला, विष्णु ने भी खेला, राम ने भी खेला। सूफियों ने भी खेला। आखिर यह रंग है क्या? यह आनंद है क्या? भक्त प्रह्लाद से जुड़ना ही होली नहीं है। यदि भक्त प्रह्लाद से ही यह जुड़ी होती तो महादेव क्यों खेले? माधव और राघव क्यों खेले। युगों का अंतर है। होली का दूसरा नाम आनंद है। आनंद ही परमानंद है। आनंद ही घनश्याम हैं। आनंद ही राम हैं। आनंद ही शिव है। आनंद ही जीवन है। आनंद ईश्वर को प्रिय है। आनंद को ही पर्व कहा गया। आनंद को ही रस कहा गया। आनंद को ही रास कहा गया। आनंद को ही प्रकृति कहा गया। आनंद का संबंध हृदय से है। आनंद का संबंध सृष्टि और समष्टि है। गुलाल, रंग और अबीर लगाकर जब हम मस्त हो जाएं तो वह होली है। इसी आनंद की तलाश में हम प्रभु को खोजते हैं। इसी आनंद की चाह में हम ईश्वर को भी नाम देते हैं... परमानंद।

हरि की गोद में भक्त प्रह्लाद

होली के आनंद को हम पांच रूपों में बांट सकते हैं। पहला होली आध्यात्मिक है। धार्मिक है। भक्त प्रह्लाद के रूप में। प्रह्लाद के पिता हिरण्यकशिपु और मां थी कयाधू। चार पुत्रों में प्रह्लाद सबसे छोटे थे। हिरण्यकशिपु ने तप करके अमरता जैसा वरदान मांग लिया। एक दिन प्रह्लाद को गोद में बिठाकर हिरण्यकशिपु ने पूछा बताओ तुमने गुरूकुल में क्या सीखा। प्रह्लाद ने कहा- हरि का नाम। मैं और मेरा का अंत। कथा का सार इतना है कि हिरण्यकशिपु के लाख समझाने पर भी प्रह्लाद ने पिता के आधिपत्य व पूजा को स्वीकार नहीं किया। वह हरि का नाम ही रटते रहे। पिता ने उनको गोद से उतार दिया और उन्हें मारने के कई प्रयास किए। हरि उनको बचाते रहे। हरि ने उनको अपनी गोद में बैठा लिया। यह परम और श्रेष्ठ गोद है। इन्हीं प्रह्लाद को होलिका अपनी गोद में लेकर प्रज्जवलित होलिका में बैठती है। यह स्वार्थ व आसुरी संस्कृति की गोद थी। भगवान के प्रताप से भक्त प्रह्लाद बच जाते हैं। होलिका भस्म हो जाती है। एक बालक के लिए यही गोद आनंद है। एक मां के लिए यही गोद ममत्व है। गोद का स्थान कोई नहीं ले सका। हिरण्यकशिपु के वध के लिए भगवान ने नृसिंह अवतार लिया। होली का दूसरा आनंद है- प्रकृति का। ऋतु परिवर्तन का आनंद। इसको प्रकृति का कामोत्सव कहा गया। तीसरा आनंद है- रंग और तरंग का। जीवन रंगीला है। इसमें तमाम रंग भरे हुए हैं। होली का चौथा आनंद है स्वास्थ्य पहले टेसू के फूलों से होली खेली जाती थी। इसको स्वास्थ्य वर्धक माना जाता था। पांचवां आनंद है मित्रता का। बुरा न मानो होली है... का शोर यूं ही नहीं गूंजता। मैं और मेरा को मारने की सीख ही तो भक्त प्रह्लाद को मिली थी। हिरण्यकशिपु इसलिए मरा क्यों कि उसमें मैं था। भक्त प्रह्लाद इसलिए भगवान विष्णु के प्रिय हुए, क्योंकि उन्होंने कहा, 'जो है, सब हरि हैं।' बैर-भाव भुलाकर गले लगना ही होली है। होली का प्रारम्भ प्रकृति से माना गया। वैदिक काल में इसको नवान्नेष्टि कहा गया। इस दिन अधपके अन्न को बांटा जाता था। नवान्न यज्ञ किया जाता था। इस अन्न को होला कहा जाता था। भगवान शंकर ने उनको भस्म कर दिया। तभी से होली अस्तित्व में आई। मनु का अवतरण भी इसी दिन का माना जाता है। नारद पुराण और भविष्य पुराण में भी इसका उल्लेख मिलता है।

प्रभु राम भी भीगे होली के रंग में

भगवान राम ने भी अयोध्या में सीता संग खूब फाग खेला। झांझ, मृदंग, ढपली से चारों और उमंग है।
'खेलत रघुपति होरी हो, संगे जनक किसोरी...।'

ख्वाजा मोइनुद्दीन चिश्ती सहित तमाम दरगाहों में कुल शरीफ अमीर खुसरो के एक रंग से होता है '... आज रंग है... ए मां रंग है री...।'

रात्रि में करें दान-अनुष्ठान

पुराणों व धर्मग्रंथों का मत है कि होली की रात्रि अत्यंत फलदायी होती है। इस रात्रि में किए गए जप, दान व अनुष्ठान कई गुना ज्यादा लाभ देते हैं। अतः इच्छित कार्य की सिद्धि के लिए व्यक्ति को रात्रि के प्रारंभ में अर्थात प्रदोष काल में घी का दीपक मंदिर, तुलसीजी के पास प्रज्वलित करना चाहिए। सायंकाल से लेकर मध्यरात्रि तक वैदिक ब्राह्मणों से पुरुषसूक्त, श्रीसूक्त, लक्ष्मीस्तवन व आचार्य वेदांतदेशिक द्वारा विरचित कनकधारास्तोत्र के पाठ करवाने चाहिए। कमलगट्टा, बेलफल, सुपारी व पंचमेवा से 'ॐ ह्रीं श्रीं दारिद्र्यनाशिन्यै नारायणप्रियवल्लभायै भगवत्यै महालक्ष्म्यै स्वाहा' इस मंत्र से 108 आहुतियों का हवन करना चाहिए। दूसरे दिन प्रातः काल ब्राह्मणों को घी-शक्कर मिश्रित खीर का भोजन कराकर वस्त्रादि व दक्षिणा और हवन सामग्री का दान करना चाहिए। रात्रि में इस मंत्र का 1008 बार जप करना भी श्रेयस्कर है-

ॐ नमस्तेऽस्तु महामाये, श्रीपीठे सुरपूजिते।
शङ्खचक्रगदाहस्ते महालक्ष्मि!
नमोऽस्तुते।।

'श्रीदुर्गासप्तशती' का पाठ रात्रि में करना भी लाभकारी माना गया है।

विधि और भस्म

होलिका दहन के समय पूर्व या उत्तर दिशा की ओर मुख करके बैठें। पूजा में एक लोटा जल, माला, रोली, चावल, गंध, पुष्प, कच्चा सूत, गुड़, साबुत हल्दी, मूंग, बताशे, गुलाल, नारियल आदि का इस्तेमाल करें। नई फसल के अनाज जैसे पके चने और गेहूं की बालियां लें। फिर गोबर से बनी ढाल और अन्य खिलौने भी लें। कच्चे सूत को होलिका के चारों ओर तीन या सात परिक्रमा करते हुए लपेटकर लोटे का शुद्ध जल और अन्य सामग्री को समर्पित करते हुए होलिका पूजन करें। इसके बाद जल से अर्घ्य दें। सूर्यास्त के बाद प्रदोष काल में होलिका में अग्नि प्रज्वलित करें। आखिर में सभी पुरुष रोली का टीका लगाएं और महिलाएं गीत गाएं। इस अवसर पर बड़ों और बुजुर्गों से आशीर्वाद भी लें। होली की भस्म को दहन के बाद घी या दूध से भी बुझाएं। माना जाता है कि ऐसा करने से घर में लक्ष्मी का आगमन होता है।

होली की भस्म को घर लाकर शुद्ध गाय के घी से धूप देने पर पितृ शांति में उचित माना जाता है। होली की भस्म को व्यापार स्थल में रखने से व्यापार में वृद्धि होती है। नई फसल में भी होली की भस्म में डालने से घर-परिवार धन-धान्य से पूर्ण रहता है।

प्राकृतिक महत्ता

पुराणों में होली के दिन नवान्नेष्टि यज्ञ का उल्लेख मिलता है। इस समय तक रबी की फसल लगभग पक कर तैयार हो जाती है। इसके प्रमुख उत्पाद गेहूं व चने से यज्ञ में अहुति देकर ही नई फसल का प्रयोग करने की आज्ञा दी गई है, इसी कारण हम होलिका दहन के समय चने और गेहूं की बालियों को होली की अग्नि में जलाकर प्रसाद-स्वरूप घर लाते हैं व इसके बाद ही नई फसल का प्रयोग करते हैं। होली के दिन नई फसल को होलिका की आंच दिखाना भी शुभ माना जाता है।

होली है दिलवालों की

वेदव्यास

चाहे कोई रंग उड़ाये, चाहे कोई रास रचाये
चाहे कैसा भी गुलाल हो, होली है दिलवालों की।

ये होली है कलमकार की, जीवित बातें लिखती है
ये होली है सूत्रधार की, आसमान सी दिखती है।

ये होली है चित्रकार की, धुंधले रंग नहीं भरती
ये होली है शिल्पकार की, युग का अभिवादन करती।

ये होली किसान भाई की, अधुनातन से जो डरती
ये होली सैनिक वीरों की, मर कर जो जीवित रहती।

ये होली है मजदूरों की, जिसका गर्म पसीना है
ये होली है उन फूलों की, जिनको जीवन जीना है।

चाहे कोई रंग उड़ाये, चाहे कोई रास रचाये
चाहे कैसा भी गुलाल हो, होली है दिलवालों की।

प्रत्यूष

टोयोटा ने लॉन्च की नई कैमरी

उदयपुर। जापानी कार निर्माता कंपनी टोयोटा किर्लोस्कर मोटर से उदयपुर में लग्जरी सेडान कार टोयोटा कैमरी के नए मॉडल को लॉन्च किया है। मादड़ी स्थित राजेन्द्र टोयोटा पर टोयोटा कैमरी को उदयपुर के लिए अरावली अस्पताल उदयपुर के डायरेक्टर डॉ. आनंद गुप्ता, हिम्मतसिंह चौहान, खूबीलाल मेनारिया, राजेन्द्र टोयोटा के निदेशक तनय गोयनका एवं विनयदीप सिंह ने लॉन्च किया। निदेशक तनय गोयनका ने बताया कि टोयोटा ऑल न्यू कैमरी हाइब्रिड इलेक्ट्रिक वाहन अब उदयपुर में भी उपलब्ध है और कार की डिलीवरी प्रारंभ कर दी गई है। इसमें कंपनी ने पहले की तरह 2.5 लीटर का पेट्रोल इंजन रखा है। इस बार इसके हाइब्रिड सिस्टम को अपडेट किया गया है। इसमें टोयोटा का 53 जेनरेशन हाईब्रिड सिस्टम होगा। कार को नए डिजाइन, नया इंटीरियर लेआउट, नए कंफर्ट फीचर्स, अपडेटेड पावरट्रेन और नवीनतम टोयोटा सेफ्टी सेंस 3.0 फीचर्स के साथ पेश किया गया है।

कार लॉचिंग करते अतिथि।

उदयपुर में नए कलेक्टर ने संभाला कार्यभार

उदयपुर। पिछले दिनों राज्य सरकार ने 53 आइएएस 24 आइपीएस व 34 आइएफएस व 113 आरएएस के तबादला आदेश जारी किए। उदयपुर कलक्टर अरविंद पोसवाल को सीएमओ में संयुक्त सचिव बनाया गया है। उनके स्थान पर भीलवाड़ा से उदयपुर में नमित मेहता ने 3 नवम्बर को कार्यभार संभाला। सलूम्बर कलक्टर जसमीत सिंह संधू को भीलवाड़ा कलक्टर नियुक्त किया गया है। उनके स्थान पर अवधेश मीणा को भेजा गया है। जिला परिषद उदयपुर के सीइओ हेमेन्द्र नागर को यूडीए में सचिव बनाया गया है। नागर की जगह जिला परिषद में रिया डबी को भेजा गया है। मेहता ने कार्यभार संभालने के बाद विभागीय अधिकारियों की बैठक ली।

प्रबंध निदेशक का अभिनंदन

प्रबंध निदेशक भगवती प्रसाद कलाल का अभिनंदन करते कर्मचारी।

उदयपुर। आरएसएमएम कर्मचारी संघ की ओर से खान व खनिज विभाग के प्रबंध निदेशक भगवती प्रसाद कलाल का अभिनंदन किया गया। संघ के प्रदेश मंत्री सत्यनारायण गुप्ता ने बताया कि यूनियन की मांग पर 28 वर्ष से लम्बित कर्मचारी कल्याण के विभिन्न एलाउंसेज की परिवर्धन करने पर प्रबंध निदेशक कलाल तथा वित्त सलाहकार सुरेश जैन का सम्मान किया गया। इस मौके पर कर्मचारी संघ के प्रदेशाध्यक्ष राकेश ओझा, कार्यकारी प्रदेशाध्यक्ष देवेन्द्र सारस्वत, दीपक कलासुआ, सोहेल खान, देवेन्द्रसिंह हाड़ा, दीपक मेहता अदि मौजदू थे।

गजपाल शहर, पुष्कर देहात अध्यक्ष

गजपालसिंह

पुष्कर तेली

उदयपुर। पिछले दिनों उदयपुर में भाजपा शहर व देहात के जिलाध्यक्षों के चुनाव निर्विरोध संपन्न हो गए। शहर में मंत्री का दायित्व वहन कर रहे गजपालसिंह राठौड़ को शहर जिलाध्यक्ष बनाया गया है। पेशे से अधिवक्ता राठौड़ छात्र जीवन से ही भाजपा में सक्रिय रहे हैं और अनेक आंदोलनों में भाग लिया। रवीन्द्र श्रीमाली ने पूर्व में अध्यक्ष रहते पद और पार्टी को मरिमा प्रदान की। देहात जिलाध्यक्ष पद पर चन्द्रगुप्त सिंह चौहान के स्थान पर उपजिला प्रमुख पुष्कर तेली को चुना गया है। वे गोगुंदा पंचायत समिति में प्रधान भी रह चुके हैं। दोनों पदों पर इनके निर्वाचन की घोषणा भाजपा के वरिष्ठ नेता राजेन्द्रसिंह राठौड़ ने की।

डॉ. मित्तल को डॉ. भूटानी ऑरेशन अवार्ड

उदयपुर। आरएनटी मेडिकल कॉलेज के चर्म रोग विभागाध्यक्ष डॉ. असित मित्तल को ऑल इंडिया इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (एम्स), दिल्ली ने उत्कृष्ट चिकित्सकीय सेवाएं देने पर देश का प्रतिष्ठित डॉ. एल.के. भूटानी ऑरेशन अवार्ड दिया है। यह अवार्ड दिल्ली एम्स के जवाहरलाल नेहरू सभागार में एम्स के डायरेक्टर व डीन ने दिया।

अर्थ डायग्नोस्टिक सेंटर की सिल्वर जुबली

उदयपुर। अर्थ डायग्नोस्टिक सेंटर की सिल्वर जुबली गत दिनों धूमधाम से मनाई गई। सीईओ डॉ. अरविंदर सिंह ने बताया कि 1999 में डॉक्टर राजेन्द्र कच्छावा के साथ उदयपुर में डायग्नोस्टिक सेंटर की स्थापना की गई। निरंतर उत्कृष्ट क्वालिटी, आधुनिक तकनीक तथा उच्च कस्टमर केयर द्वारा यह सेंटर जल्द ही उदयपुर का नंबर वन डायग्नोस्टिक सेंटर बन गया। मात्र 8 लोगों से शुरुआत कर अभी लगभग 200 के स्टाफ के साथ इसने सबसे तेजी से बढ़ने वाले सेंटर के रूप में पहचान बनाई है। अभी तक एक करोड़ से ज्यादा सफलतापूर्वक डायग्नोस्टिक टेस्ट लगाए जा चुके हैं। अर्थ की गुणवत्ता को भारतीय क्वालिटी काउंसिल से मान्यता प्राप्त होने के साथ विभिन्न राज्य व राष्ट्रीय पुरस्कार भी प्राप्त हुए हैं।

डॉ. दीपा को लेजर आइकॉन अवार्ड

उदयपुर। अर्थ डायग्नोस्टिक्स की डॉ. दीपा सिंह को गत दिनों तेलंगाना के राज्यपाल ने मेडिकल एस्थेटिक्स में लेजर आइकॉन के खिताब से सम्मानित किया। यह सम्मान उनकी अत्याधुनिक लेजर तकनीकों और मेडिकल एस्थेटिक्स में उनके अद्वितीय योगदान को मान्यता देता है। उन्होंने लेजर उपचारों को सुरक्षित, प्रभावी और व्यापक रूप से उपलब्ध बनाकर इस क्षेत्र में नई ऊंचाइयां हासिल की हैं। डॉ. सिंह ने विभिन्न उपचारों जैसे एंटीएजिंग, रीजुवनेशन और ग्लो प्रोटोकॉल्स, मेडिकल फेशल्स, पिग्मेंटेशन आदि से हजारों मरीजों का इलाज किया है।

लोढ़ा अध्यक्ष मनोनीत

राजकुमार लोढ़ा

कपिल लोढ़ा

उदयपुर। श्री जैन श्वेताम्बर मूर्ति वासूपूज्य महाराज का मंदिर ट्रस्ट के चुनाव में सर्वसम्मति से अध्यक्ष राजकुमार लोढ़ा एवं सचिव दलपत दोशी चुने गए। उपाध्यक्ष शैलेन्द्र कुमार लोढ़ा, सह सचिव राजीव दलाल, कोषाध्यक्ष भूपालसिंह दलाल, सदस्य गोवर्धनसिंह दोशी, कपिल लोढ़ा, डॉ. बसंतीलाल दलाल, इन्द्रसिंह सुराणा, भंवरलाल दोशी व हेमंत लोढ़ा चुने गए।

कैलेंडर का विमोचन

उदयपुर। महावीर जैन जागृति परिषद की ओर से हिरणमगरी सेक्टर 4 स्थित परिसर में वर्ष 2025 के कैलेंडर का विमोचन समारोह हुआ। संस्थापक अध्यक्ष हिम्मतलाल वया ने बताया कि कार्यक्रम का शुभारंभ महावीर स्वामी की तस्वीर पर माल्यार्पण से आनंदीलाल बंबोरिया ने किया। इस अवसर पर सचिव अरुण बया का अखिल भारतवर्षीय श्वेताम्बर स्थानकवासी जैन कॉन्फ्रेंस नई दिल्ली के कार्यकारिणी सदस्य बनने पर स्वागत किया गया।

Happy Holi

Ajay Agarwal
Director
98290 40088

Hindustan

Ceramic Distributors

UltraTech CEMENT THE ENGINEERS CHOICE

SOMANY Tiles & Sanitaryware

Kajaria

Simpolo CERAMICS Stay ahead

JOHNSON Not just tiles, Lifestyles

EVEREST LIFEGUARD

Bell CERAMICS LIMITED

Outside Delhigate, Udaipur Ph. : 2414258, Mob. : 98290 90929
E-mail : hcd.udaipur@gmail.com

खो-खो : विश्व कप के बाद लक्ष्य ओलम्पिक मान्यता

मनीष जोशी

नई दिल्ली के इन्दिरा गांधी स्टेडियम में 13 से 19 जनवरी तक आयोजित भारत के परम्परागत खेल खो-खो वर्ल्ड कप 2025 का पहली बार आयोजन होना महत्वपूर्ण उपलब्धि तो है ही, साथ ही इस ऐतिहासिक आयोजन में भारत की पुरुष व महिला टीमों द्वारा खिताब जीत कर इतिहास रचना भी उतना ही महत्वपूर्ण है। इस खेल को अब ओलम्पिक मान्यता दिलाने के लिए भारत सहित इसमें शामिल देशों की सरकारों, खेल-प्रबंधकों व खिलाड़ियों के लिए बड़ी चुनौती है। भारत की टीमें जहां चैम्पियन बनीं वहीं पड़ौसी राष्ट्र नेपाल की टीमों ने बेहतर खेल का प्रदर्शन करते हुए उप विजेता का गौरव हासिल किया।

इस रोमांचक खेल में दुनिया के 20 से अधिक देशों ने भाग लिया। इसमें पुरुषों में 23 देशों और महिलाओं में 19 देशों की टीमों ने भाग लिया। खो-खो खेल में विश्वकप आयोजित होना और उसमें पांच महाद्वीप के देशों की टीमों के भाग लेने से खो-खो की एक अंतरराष्ट्रीय पहचान बनी है। अब सवाल उठता है कि जब ब्रेक डांस को एक खेल के रूप में ओलंपिक में मान्यता मिल जाती है तो कबड्डी, मलखंब और खो-खो जैसे खेलों में क्या कमी है उन्हें ओलंपिक मान्यता नहीं मिलती है। वैसे तो एक खेल को विकसित करने के कोई निर्धारित नियम नहीं हैं, फिर भी एक खेल को विकास की उंचाइयों पर ले जाने के लिए संगठन और खिलाड़ियों की

महत्वपूर्ण भूमिका होती है।

खो-खो एक पूर्णरूप से शारीरिक खेल है और यह दर्शकों के बीच लोकप्रिय है व रोमांच से भरा है। दर्शक अपनी पसंद की टीम का खेल देखने के लिए अंत तक अपनी सीट पर जमा रहता है। यह हमने पहले विश्वकप के दौरान देखा है। फिर भी इसकी अंतरराष्ट्रीय पहचान बनाने के लिए संगठन और इसके प्रशिक्षकों ने जी तोड़ मेहनत की है। इसके संगठन की मेहनत का परिणाम है कि आज यह 25 से ज्यादा देशों में खेला जाने लगा है और लोग इसे समझने लगे हैं। किसी खेल को अंतराष्ट्रीय पहचान बनाने के लिए आवश्यक है कि ओलंपिक समिति द्वारा तय किये गए मानदंडों के अनुरूप खेल हो। यह जरूरी नहीं कि एक खेल की अंतरराष्ट्रीय पहचान के लिए ओलंपिक मान्यता जरूरी है। बिना ओलंपिक मान्यता के ही खेल करोड़ों दर्शकों के बीच लोकप्रिय है।

क्रिकेट, शतरंज और पावर लिफ्टिंग जैसे खेल अपने देशों में बेहद लोकप्रिय होते हुए भी ओलंपिक में शामिल नहीं हैं परंतु एक खेल को अंतरराष्ट्रीय पहचान बनाने के लिए ओलंपिक समिति द्वारा तय किए गए मानदंडों के अनुरूप तो होना ही चाहिए। ओलंपिक समिति हर बार आयोजन से पूर्व मेजबान देश की ओलंपिक समिति के सुझावों के मद्देनजर नए खेलों को मान्यता और पुराने खेलों को बाहर करने का फैसला लेती है। ओलंपिक समिति यह देखती है कि एक खेल का पुरूष वर्ग में 75 देशों और महिला वर्ग में 40 देशों में अभ्यास होना चाहिए। यह भी देखा जाता है कि खेल में मूल्य और आकर्षण होना चाहिए। इसके अलावा खेल मांइड गेम नहीं होना चाहिए। ओलंपिक समिति इन दायरों में आने वाले खेल को मान्यता देने का विचार करता है। इसके अलावा अन्य कारणों से भी किसी खेल को ओलंपिक समिति बाहर कर देती है। ओलंपिक समिति खेलों को प्रदर्शन खेल के तौर भी शामिल करती है। 1936 में

मलखंब, कबड्डी और खो-खो को प्रदर्शन खेल के तौर पर शामिल किया गया था। उसके बाद से ये खेल फिर ओलंपिक में नहीं लौटे। एक खेल को केवल ओलंपिक मान्यता के तौर पर ही नहीं लिया जाना चाहिए। खेल के लिए जरूरी है कि पूरी दुनिया उसके मूल आधारों को समझे। इसके लिए संगठन को चाहिए कि वह उसके प्रशिक्षक दुनिया भर में भेजे और खेल में रोमांच का तत्व होना चाहिए। दूसरे देशों में भी इस खेल के संगठन बनाए और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी उसका एक संगठन होना चाहिए।

खेल को लोकप्रिय बनाने और दर्शकों को आकर्षित करने के लिए उसमें आयोजन के प्रयोग भी होने चाहिए। कबड्डी में लीग शुरू की गई, जिससे हजारों दर्शक जुड़े और कबड्डी लोकप्रियता की सीढ़ियां चढ़ गया। लीग जैसे आयोजन होने से खेल का अभ्यास भी निरंतर रहता है और युवा भी इस ओर आकर्षित होते हैं। इसके अतिरिक्त यदि कोई खेल आधुनिक सुविधाओं और नियमों के अनुरूप नहीं है तो उसे इस तरह का बनाना चाहिए। खो-खो और कबड्डी पहले मिट्टी पर खेले जाते थे और अब मैटस पर खेले जाते हैं। खेल को निर्धारित समय में बांधा जाना चाहिए। गांवों में आज भी ये खेल हार जीत तक खेले जाते हैं जबकि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खेल निर्धारित समय तक ही चलना चाहिए।

कृत्रिम सूर्य ने दी छह गुना ज्यादा गर्मी

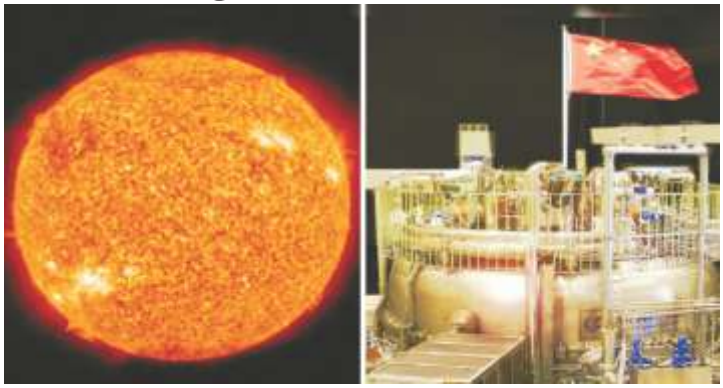

बीजिंग। चीन के वैज्ञानिकों ने कृत्रिम सूर्य से 100 मिलियन डिग्री तापमान पैदा करके एक नया रिकॉर्ड बनाया है। इसका तापमान ब्रह्मांड में मौजूद सूर्य से छह गुना अधिक था। असली सूर्य के केंद्र में तापमान 15 मिलियन डिग्री सेल्सियस माना जाता है। हेफेई में बने प्लाज्मा भौतिकी संस्थान में शोधकर्ताओं ने तापमान को परमाणु संलयन रिएक्टर में हासिल किया। इस दौरान 100 मिलियन डिग्री सेल्सियस (180 मिलियन फारेनहाइट) से अधिक प्लाज्मा तापमान 1066 सैकंड (लगभग 18 मिनट) तक चला। इससे भविष्य में स्वच्छ ऊर्जा समाधानों का मार्ग खुलने की संभावना बढ़ गई है। चीन 2006 से इस परियोजना से जुड़ा है।

महावीर लाल जैन
डायरेक्टर

विनोद जैन
डायरेक्टर

परस्परोपग्रहो जीवानाम्

नवकार

नवकार स्टील
6, चौखला बाजार,
चित्तौड़ा मन्दिर के नीचे
भोपालवाड़ी, उदयपुर,
फोन : 0294 2420579

नवकार मेटल
7, भांग गली,
सूरजपोल अन्दर,
उदयपुर
फोन : 0294 2417354

डीलर : स्टील, पीतल, तांबा, एल्यूमीनियम बर्तन, गिफ्ट आईटम और कुकर पार्ट्स के होलसेल व रिटेल विक्रेता।

शीतलाष्टमी : ग्रीष्म ऋतु की अगवानी

आर.सी. शर्मा

शीतला. अष्टमी का पर्व, सांस्कृतिक रूप से देखें तो ग्रीष्म ऋतु की अगवानी का अधिकृत कर्मकांड है। चैत्र कृष्णा अष्टमी को यह पर्व उत्तर भारत के करीब-करीब सभी क्षेत्रों में मनाया जाता है। साथ ही देश के दूसरे क्षेत्रों में भी यह अलग-अलग नामों से जाना जाता है। इस दिन शक्ति के एक अन्यतम रूप मां शीतला का पूजन अर्चन किया जाता है। इस दिन की एक खासियत यह है कि बासी खाना खाया जाता है। यहां तक कि मां का भोग भी बासी भोजन से ही लगाया जाता है। यही बासी भोजन नैवेद्य के रूप में भी समर्पित होता है। राजस्थान, हरियाणा और पंजाब के कुछ इलाकों में इसे बसौड़ा भी कहा जाता है। कई जगहों पर इसे बासा भात भी कहते हैं। दरअसल इन नामों और इस उद्यम का एक ही संदेश है कि इस दिन के बाद से बासी भोजन का सेवन बिल्कुल बंद कर दें। शीतला अष्टमी के पीछे स्कंद पुराण में जो कथा है, उसके अनुसार देवी मां शीतला ने अपने एक भक्त को ज्वर जनित असाध्य बीमारी से मुक्त किया था। तभी से ग्रीष्म ऋतु में लोग गर्मी से बचने के लिए मां शीतला की पूजा करते हैं। शुरूआत होली के आठवें दिन यानी चैत्र माह की कृष्ण पक्ष की अष्टमी से शुरू होती है। गर्मी शुरू होने के पहले ही लोग मां शीतला की पूजा आराधना शुरू करके अव्यक्त रूप में गर्मी से निजात पाने की कामना करते हैं। शायद यही वजह है कि शीतला मां की पूजा अर्चना चैत्र माह से शुरू होकर आषाढ़ माह तक होती है। आषाढ़ माह की अष्टमी को पूजा समाप्त होती है। इस पूरे समय विशेष ध्यान स्वच्छता का रखा जाता है। इस तरह देखें तो कहना चाहिए कि मां शीतला की उपासना स्वच्छता के प्रति समर्पित होने का भाव है। शीतला मां गधे पर सवारी करती हैं। सूप और झाड़ू मां शीतला के दो सबसे प्रिय अस्त्र हैं और नीम की पत्तियां उनका वस्त्र या वसन हैं। ये सारे संकेत भयानक गर्मी से झुलसते लोगों को अप्रत्यक्ष रूप से शीतल रहने की प्रक्रिया को समझाने जैसा है। डॉक्टर बार-बार कहते हैं कि गर्मी के महीने में नीम के पेड़ के नीचे बैठें। नीम की पत्तियां पानी में डालकर नहाएं या किसी तरीके से नीम के संपर्क में रहें। शायद इसीलिए मां शीतला ने अपने वस्त्रों को नीम वस्त्र के रूप में दिखाकर लोगों को नीम की महिमा बताने की कोशिश की है। ग्रीष्म की शुरूआत में लोग नीम के नव पल्लव, मिश्री और कालीमिर्च का अथवा नीम के नव पल्लव रस का भी सेवन करते हैं।

हर घर पहुंचे क्रांतिकारियों के बलिदान की गाथाएं: गहलोत

जयपुर में 23 को क्रांतिकारियों के परिजनों का सम्मान

जयपुर/प्रत्यूष ब्यूरो। राजधानी जयपुर के तोतूका भवन में 23 मार्च को देश की आजादी में अहम भूमिका का निर्वाह करने वाले क्रांतिकारियों के परिजनों को सम्मानित किया जाएगा। इस संबंध में हाल ही में एक समिति का गठन किया गया। जिसके संयोजक पूर्व महाधिवक्ता गिरिधारी सिंह बापना होंगे। समिति की पहली बैठक में पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत भी सम्मिलित हुए। उन्होंने कहा कि देश की आजादी के लिए संघर्ष करने वाले क्रांतिकारियों के सर्वोच्च बलिदान की जानकारी हर घर विशेष रूप से नौजनवानों तक पहुंचाया जाना चाहिए। बैठक में संयोजक बापना ने बताया कि अब तक देशभर से क्रांतिकारियों के अनेकों परिवारों ने इसमें सम्मिलित होने की स्वीकृति दी है। जिनमें नाना साहब पेशवा, राजगुरु, उधमसिंह, करतारसिंह, महावीर सिंह, गोपाल सिंह खारवा, बटुकेश्वर दत्त और दुर्गा भाभी के परिवार शामिल हैं।

समाचार पत्र के स्वामित्व एवं अन्य विषयों से सम्बन्धित विवरण
घोषणा पत्र फार्म-4

1. प्रकाशन स्थल	उदयपुर
2. प्रकाशन अवधि	मासिक
3. मुद्रक का नाम	आशीष बापना
क्या भारत का नागरिक है	हां
पता	पायोराईट प्रिन्ट मीडिया प्रा. लि. पावर हाउस के पास एमआईए एक्सटेंशन, रिको, उदयपुर
4. प्रकाशक का नाम	पंकज शर्मा
क्या भारत का नागरिक है	हाँ
पता	रक्षाबंधन, धानमण्डी, उदयपुर
5. सम्पादक का नाम	विष्णु शर्मा हितैषी
क्या भारत का नागरिक है	हाँ
पता	हितैषी भवन, सूरजपोल अन्दर, उदयपुर
6. उन व्यक्तियों के नाम व पते, जो समाचार पत्र के स्वामी हों तथा जो समस्त पूंजी के एक प्रतिशत से अधिक के साझेदार हों	पंकज शर्मा रक्षाबंधन, धानमण्डी, उदयपुर

मैं पंकज शर्मा एतद् द्वारा घोषित करता हूँ कि मेरी अधिकतम जानकारी एवं विश्वास के अनुसार ऊपर दिए गए विवरण सत्य हैं।

दिनांक : 1 मार्च, 2025 **पंकज शर्मा**

स्थान : उदयपुर **प्रकाशक**

Happy Holi

Your Trust Our Passion...

FIVE STAR BUILD ESTATE PVT. LTD.

A Real Estate & Construction

27, Ist Floor, Diamond Plaza, Opp. Choudhary Hospital,
Hiran Magri, Sec. 4, Udaipur (Raj.) 313002
Email: devvardar@gmail.com,
Mob.: 98295-62167, Ph.: 0294-2461186 (R)

PRAMAN

Construction Pvt. Ltd.

Hemraj Vardar

Office: 9, Five Star Complex, Near Kumbha Nagar,
Hiran Magri, Sector No. 4, Udaipur-313001 (Raj.)
Telefax: 0294- (O) 2461648, (R) 2461186,
Mobile: 98299-48186
Email: pcpl.udaipur@gmail.com

Sister Concern:

D.V. CONSULTING STRUCTURAL ENGINEERS

EXPERT IN STRUCTURE DESIGN WITH ETABS, SAFE, SAP, STAAD
Email: dvardar@gmail.com

प्रत्यूष

जल-ज्योति की पूजा का पर्व चेटीचंड

झूलेलाल के हिंदू अनुयायी उन्हें अमर उदेरोलाल, वरुण देवता, दरियाशाह, लालसांई आदि के नाम से और मुसलमान उन्हें जिन्दहपीर के नाम से याद किया करते हैं। तब से लेकर अब तक धर्म निरपेक्षता के इस मसीहा के जन्म दिवस पर प्रतिवर्ष चैत्र माह में सिंधी समाज द्वारा चेटीचंड महोत्सव सम्पूर्ण भारत व विदेशों में बड़ी धूमधाम से मनाया जाता है।

मुकेश माधवानी

जब-जब धर्म की हानि और अधर्म की वृद्धि होती है, तब-तब भगवान ने किसी ने किसी रूप में जन्म लिया है और सज्जनों के उद्धार और पापकर्म करने वालों का विनाश करते हुए सत्य का मार्ग दिखाया। कहा जाता है कि दसवीं सदी विक्रम सम्वत 1007 में सिंध में प्राचीन नगर ठट्टा में मिरखशाह नामक एक अहंकारी शासक के अत्याचारों से भयभीत जनता ने एक बार सिंधु नदी के किनारे तीन रोज तक अन्न-जल त्यागकर सच्ची लगन से प्रभु का ध्यान किया। जल से वरुण देवता प्रकट हुए और उन्होंने लोगों को सांत्वना देते हुए कहा कि मिरखशाह से तुम्हें छुटकारा दिलाने के लिए मैं जल्दी ही नसरपुर में जन्म लूंगा। और एक दिन सन 951 ई. विक्रम सम्वत 1007 की चैत्र शुक्ला द्वितीया के दिन नरसपुर में रतनराय की पत्नी माता देवकी के गर्भ से झूलेलाल का जन्म हुआ। झूलेलाल की चमत्कारिक शक्तियों के बारे मे अनेक किवदंतियां प्रचलित हैं। एक दिन पिता रतनराय ने झूलेलाल को व्यापार की दृष्टि से चनों से भरी टोकरी देकर कहा उसके बदले अनाज ले आओ। झूलेलाल ने चने गरीबों को बांट दिए और बचे हुए चने दरिया के किनारे जीव-जंतुओं को डाल दिए। धर्म और सेवा

के इस जज्बे से शीघ्र ही झूलेलाल पूजे जाने लगे और सभी धर्मों के लोग उनकी पूजा करने लगे। जब झूलेलाल के माता-पिता ने शरीर त्याग दिया तो झूलेलाल ने अपने भाई खेटूराम व वेटूराम से कहा मैं जिस काम के लिए आया था वह पूरा हुआ। अब मैं अंतर्ध्यान हो जाऊंगा। तुम लोगों की सेवा करना। लेकिन वे नहीं माने, उन्होंने कहा हम तो व्यापार ही करेंगे। ऐसा कहा जाता है कि फिर झूलेलाल ने अपने परम शिष्य पंगुर संतो को बुलाकर कहा तुम लोगों की सेवा करना, दुखियों की मदद करना, जल-ज्योति की पूजा का प्रचार-प्रसार करना, तुम्हें मेरा नाम लेने से सुख की प्राप्ति होगी और सात उपयोगी वस्तुएं देकर सन 964 सम्वत 1020 के भाद्रपद शुक्ला चतुर्दशी को अचानक झूलेलाल नसरपुर में सिंधु नदी में जल समाधि लेकर अन्तर्ध्यान हो गए और उस पवित्र स्थान पर दरिया के किनारे हिंदुओं ने मंदिर बनवाया और मुसलमानों ने वहां पर उनकी मजार बनवाई।

झूलेलाल के हिंदू अनुयायी उन्हें अमर उदेरोलाल, वरुण देवता, दरियाशाह, लालसांई आदि के नाम से और मुसलमान उन्हें जिन्दहपीर के नाम से याद किया करते हैं। तब से लेकर अब तक धर्म निरपेक्षता के इस मसीहा के जन्म दिवस पर प्रतिवर्ष चैत्र माह में सिंधी समाज द्वारा चेटीचंड महोत्सव सम्पूर्ण भारत व विदेशों में बड़ी धूमधाम से मनाया जाता है।

इस पर्व पर सभी शहरों में शोभायात्राएं निकाली जाती है, जिसमें झूलेलाल के अतिरिक्त सिंधी समाज के अन्य अनेकों संतों व वीरों आदि की झांकिया होती हैं। सवारी के अलावा सुखो सेसा वितरित की जाती है, महिलाएं मंदिरों, नदियों तथा सागर के किनारे दीपक जलाकर उनसे सुख-चैन की दुआ मांगती हैं।

Happy Holi

Mahesh Chandra Sharma
CMD

Nishant Sharma
Director

Lakecity Buildtech Pvt. Ltd.

Office : 3rd Floor, 2-B, Hazareshwar Colony, Court Road, Udaipur-313 001
Residence : "Kaustubh", 1A, Navratna-Modern Link Road, Udaipur-313 001
(M) +91 9829040569 (O) +91 294- 2413003 (R) +91 294 2980030
E-mail : mcsharma.lakecitybuildtech@gmail.com

प्रत्यूष

दैवी के नव स्वरूपों की पूजा का उत्सव : नवरात्रि

चैत्री नवरात्र महोत्सव की घट स्थापना 30 मार्च को होगी। यह पर्व आसुरी शक्ति पर दैवी शक्ति की विजय का प्रतीक माना जाता है। चैत्र मास के शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा तिथि से नव संवत्सर भी आरंभ होता है। यह अत्यन्त पवित्र अवसर है। इसी तिथि से पितामह ब्रम्हाजी ने सृष्टि के निर्माण का कार्य भी आरंभ किया था। इसी तिथि से शक्ति की अधिष्ठानी मां दुर्गा के नव स्वरूपों की पूजा आरंभ होती है।

रेणु शर्मा

मूल रूप में देवी तो एक ही है लेकिन अपनी सन्तानों के लिए, उनके उद्धार के लिए वे नौ महत्वपूर्ण रूपों में प्रकट होती हैं। नवरात्र के नौ दिनों के वात्सल्य रूपों को विभिन्न भोग लगाकर मां को प्रसन्न किया जाता है। माता के ये नौ स्वरूप व उनकी पूजा विधि इस प्रकार है।

देवी शैलपुत्री

नवरात्र के पहले दिन माता के प्रथम स्वरूप शैलपुत्री की पूजा 'वन्दे वांछितलाभाय, चंद्रार्धकृतशेखराम्। वृषारूढां शूलधरां, शैलपुत्रीं यशस्विनीम्।।' (मनोवांछित लाभ के लिए अपने मस्तक पर अर्धचंद्र धारण करने वाली, वृष पर सवार रहने वाली, शूलधारिणी और यशस्विनी मां. शैलपुत्री की वंदना करता हूं।) मंत्र के की जाती है। इस दिन माता के चरणों में गाय का शुद्ध घी अर्पित करने से आरोग्य का आशीर्वाद प्राप्त होता है।

देवी ब्रह्मचारिणी

द्वितीया तिथि के दिन श्री दुर्गा के द्वितीय रूप माता ब्रह्मचारिणी की पूजा 'दधाना करपद्माभ्याम्, अक्षमालाकमण्डलू। देवी प्रसीदतु मयि, ब्रह्मचारिण्यनुत्तमा।।' (जिनके एक हाथ में अक्षमाला है और दूसरे हाथ में कमंडल है, ऐसी उत्तम ब्रह्मचारिणीरूपा मां दुर्गा मुझ पर कृपा करें।) मंत्र से की जाती है। माता को प्रसन्न करने के लिए उन्हें शक्कर का भोग लगाया जाता है। यह आयुष्मान होने की कामना से किया जाता है।

देवी चंद्रघंटा

तीसरे रूप में चंद्रघंटा की पूजा 'पिंडजप्रवरारूढा, चंडकोपास्त्रकैर्युता। प्रसादं तनुते मह्यं, चंद्रघंटेति विश्रुता।।' (श्रेष्ठ सिंह पर सवार और चंडकादि अस्त्र-शस्त्र से युक्त मां चंद्रघंटा मुझ पर अपनी कृपा करें।) मंत्र से की जाती है। माता की पूजा करते समय उनको दूध या दूध से बने मिष्ठान अथवा खीर का भोग लगाया जाता है।

देवी कूष्मांडा

चौथा दिन माता कूष्मांडा की पूजा-आराधना 'सुरसंपूर्णकलशं, रुधिराप्लुतमेव च। दधाना हस्तपद्माभ्यां, कूष्मांडा शुभदास्तु मे।।' (अमृत से परिपूरित कलश को धारण करने वाली और कमलपुष्प से युक्त तेजोमय मां कूष्मांडा हमें सब कार्यों में शुभदायी सिद्ध हों।) मंत्र से की जाती है। इस दिन बुद्धि वृद्धि की कामना से उन्हें मालपुओं का भोग लगाया जाता है।

देवी स्कंदमाता

पांचवें दिन स्कंदमाता की पूजा 'सिंहासनगता नित्यं, पद्माश्रितकरद्वया। शुभदास्तु सदा देवी, स्कंदमाता यशस्विनी।।' (स्कंदमाता, जो कार्तिकेय के साथ सिंह पर सवार हैं, अपने दो हाथों में कमल और एक हाथ में वरमुद्रा धारण किए हुए हैं। ऐसी मां स्कंदमाता मुझे शुभता अर्थात कल्याण प्रदान करें।) मंत्र से की जाती है। स्वास्थ्य की कामना से माता को केले का भोग लगाया जाता है।

देवी कात्यायनी

षष्ठी तिथि को माता कात्यायनी की पूजा 'चंद्रहासोज्जवलकरा, शार्दूलवरवाहना। कात्यायनी शुभं दद्यात्, देवी दानवघातनी।।' (चंद्रहास की भांति देदीप्यमान, शार्दूल अर्थात शेर पर सवार और दानवों का विनाश करने वाली मां कात्यायनी हम सबके लिए शुभदायी हों।) मंत्र से की जाती है। इस दिन माता को सौंदर्य की प्रार्थना के साथ शहद का भोग लगाया जाता है।

देवी कालरात्रि

सप्तमी तिथि में माता के कालरात्रि स्वरूप की पूजा-आराधना 'एकवेणी जपाकर्णपूरा नग्ना खरास्थिता। लम्बोष्ठी कर्णिकाकर्णी, तैलाभ्यक्तशरीरिणी वामपादोल्लसल्लहो, लताकंटकभूषणा। वर्धनमूर्धध्वजा कृष्णा, कालरात्रिभ यंकरी।।' (मां कालरात्रि का वर्ण रात्रि के समान काला है परंतु वे अंधकार का नाश करने वाली हैं। दुष्टों का अंत करने वाला मां दुर्गा का यह रूप देखने में भयंकर लेकिन शुभ फल देता है इसलिए मां 'शुभंकरी' भी कहलाई जाती हैं। मां कालरात्रि के ब्रह्मांड के समान गोल नेत्र हैं। अपनी हर सांस के साथ मां की नासिका से अग्नि की ज्वालाएं निकलती रहती हैं। अपने चार हाथों में खड्ग, लोहे का अस्त्र, अभयमुद्रा और वरमुद्रा लिए हुए मां अपने वाहन गर्दभ पर सवार हैं) मंत्र से की जाती है। इस दिन आकस्मिक संकटों से मुक्ति की कामना में माता को गुड़ का भोग लगाया जाता है।

देवी महागौरी

अष्टमी के दिन माता के आठवें रूप महागौरी की पूजा 'श्वेते वृषे समारूढा, श्वेताम्बरधरा शुचिः। महागौरी शुभं दद्यात्, महादेवप्रमोददा।।' (श्वेत बैल पर सवार, श्वेत वस्त्र धारण करने वाली, अत्यंत पवित्र और महादेव को अपनी भक्ति से प्रसन्न करने वाली मां महागौरी हम सबका कल्याण करें।) मंत्र से की जाती है। इस दिन माता को नारियल का भोग लगाया जाता है।

देवी सिद्धिदात्री

नौवें दिन माता सिद्धिदात्री की पूजा-आराधना 'सिद्धगधर्वयक्षाद्यैः असुरैरमरैरपि। सेव्यमाना सदा भूयात्, सिद्धिदा सिद्धिदायिनी।।' (सिद्ध, गंधर्व, यक्ष, असुर और अमरता प्राप्त देवों के द्वारा भी पूजित किए जाने वाली और सिद्धि यों को प्रदान करने की शक्ति से युक्त मां सिद्धदात्री हमें भी आठों सिद्धियां प्रदान करें।) मंत्र से की जाती है। इस दिन माता को तिल का भोग लगाया जाता है।

ऐसे करें घट स्थापना

कलश की स्थापना मंदिर के उत्तर-पूर्व दिशा में करनी चाहिए और मां की चौकी लगा कर कलश को स्थापित करना चाहिए। सबसे पहले उस जगह को गंगाजल छिड़क कर पवित्र कर लें। फिर लकड़ी की चौकी पर लाल रंग से स्वास्तिक बनाकर कलश को स्थापित करें। कलश में आम का पत्ता रखें और इसे जल या गंगाजल से भर दें। साथ में एक सुपारी, कुछ सिक्के, दूर्वा, हल्दी की एक गांठ कलश में डालें। कलश के मुख पर एक नारियल लाल वस्त्र से लपेट कर रखें। चावल यानी अक्षत से अष्टदल बनाकर मां दुर्गा की प्रतिमा रखें। इन्हें लाल या गुलाबी चुनरी ओढ़ा दें। कलश स्थापना के साथ अखंड दीपक की स्थापना भी की जाती है। कलश स्थापना के बाद मां शैलपुत्री की पूजा करें। हाथ में लाल फूल और चावल लेकर मां शैलपुत्री का ध्यान करके मंत्र जाप करें और फूल और चावल मां के चरणों में अर्पित करें। मां शैलपुत्री के लिए जो भोग बनाएं, वे गाय के घी से ही बने हों, मां को गाय के घी चढ़ाने से भी बीमारी व संकट से छुटकारा मिलता है।

विशेष मंत्र : ऊं ऐं ही क्लीं चामुण्डायै विच्चै। मंगल कामना के साथ इस मंत्र का जप करें। ***– पं. हीरालाल नागदा***

पाठक पीठ

प्रत्यूष के फरवरी अंक में दिवंगत प्रधानमंत्री एवं देश में आर्थिक सुधारों के प्रणेता सरदार मनमोहन सिंह को लेकर दो आलेख क्रमशः गोपालकृष्ण शर्मा व पंकज कुमार शर्मा के सटीक थे। उस हस्ती ने बहुत शालीनता के साथ काम किया और पद की गरिमा को बढ़ाते हुए राष्ट्र के विकास में अपना अमूल्य योगदान दिया।

सौरभ पालीवाल, *डायरेक्टर, अर्चना ग्रुप*

मेघाविनी मोहन का 'गुम न हो जाए डाकघर खो न जाएं चिट्ठियां' आलेख मन को छूने वाला था। इसने डाकिये की दस्तक को याद दिला दिया। अब वर्दी वाला डाकिया नहीं दिखता। वह परिवार के एक सदस्य जैसा होता था। हर परिवार को उसके आने का इन्तजार रहता था। इसी फरवरी अंक में सिनेमा जगत की नामचीन हस्ती श्याम बेनेगल के व्यक्तित्व पर ओमपाल सिलन का आलेख भी काफी अच्छा था।

शांतिलाल जैन, *सीएमडी, आदर्श एंटरप्राइजेज*

'प्रत्यूष' का फरवरी अंक मिला। अमेरिका में राष्ट्रपति के रूप में डोनाल्ड ट्रम्प के दुबारा लौटने पर आवरण पृष्ठ काफी आकर्षक था। टिप्पणी भी सामयिक थी और ओम शर्मा का पृष्ठ 6-7 पर इस सम्बंध में आलेख भी काफी अच्छा था। राष्ट्रपति चुनाव में ट्रम्प को कड़ी टक्कर देने वाली भारतवंशी कमला हैरिस के राजनैतिक जीवन की जानकारी विस्तार पूर्वक पढ़कर अच्छा लगा।

सुनील जैन, *डायरेक्टर, विवाह द वेडिंग*

प्रयागराज में महाकुंभ मेले का आयोजन अभूतपूर्व रहा। इस सम्बंध में इसके शुरूआती चरण की जानकारी देने वाला प्रशांत अग्रवाल का आलेख 'प्रयागराज में श्रद्धा का सैलाब' काफी अच्छा लगा। हालांकि 28 जनवरी की रात्रि को भगदड़ मचने से श्रद्धालुओं की मौत होना, एक हृदय विदारक घटना थी। प्रभु मृतात्माओं को शांति व उनके परिजनों को धैर्य प्रदान करें।

चिराग बंसल, *डायरेक्टर, अग्रवाल ऑयल मिल*

प्रत्यूष जनवरी, 2025 में सम्पादक हितैषी जी का आलेख 'आध्यात्मिक लोकतंत्र का ज्वलंत स्वरूप, कुंभ अमृत की तलाश में जुटेगा पूरा भारत' वरिष्ठ भारतीय संन्यासी के रूप में उद्घोषित सर्वांग प्रस्तुति लगी। वेदव्यास जी का ताराप्रकाश जोशी पर आलेख भी अतीव मार्मिक रहा। भारत-बांग्लादेश रिश्ते टूटने की कगार पर चिंतन करने योग्य आलेख है, कैसे पहुंचे पाकिस्तान से कारतूस? सुनीता विलियम्स की वापसी, अस्थमा, मकरसंक्रांति आदि रचनाएं अतीव सराहनीय थी आवरण पृष्ठ प्रयागराज का आकर्षक बिम्ब था। ***-जगदीश चन्द्र शर्मा,*** *गिलूण्ड*

परीक्षाएं नज़दीक : तैयारी में न रह जाए कोई कमी

देश भर में विद्यार्थी अपने-अपने राज्यों के शिक्षा मण्डलों द्वारा आयोजित परीक्षाओं की तैयारी में व्यस्त हैं। कोई अपने संदेहों के समाधान चाहता है, तो कोई पाठ्यक्रम की पुनरावृति में जुटा है। बोर्ड परीक्षाओं की तैयारियों के अन्तिम पड़ाव का समय ऐसा है, जब इस बात की समीक्षा भी जरूरी है कि तैयारी कैसी है और कहां क्या छूट रहा है? जिसे समय रहते पाना ज़रूरी है। इस समय अभिभावकों पर भी बड़ी जिम्मेदारी है।

डॉ. रजनी नागदा

तैयारी पूरी हुई है या नहीं, इससे पता चलता है कि आप मॉक टेस्ट पेपर को कितना हल कर पा रहे हैं। इसमें कितना समय ले रहे हैं। कहां-कहां फंस रहे हैं। ये सभी बातें बताती हैं कि तैयारी के मामले में आपने अपना लक्ष्य कहां तक हासिल किया है। इसलिए सबसे पहले मॉक टेस्ट पेपर को हल करने की आदत डालें। आप कमियों को समय रहते दूर कर पाएंगे और मार्क्स स्कोर करेंगे। होता यह है कि परीक्षा नज़दीक आते ही बहुत से स्टूडेंट्स मॉक टेस्ट पेपर हल करना छोड़ देते हैं। परीक्षा की तैयारी के दौरान नींदं गायब है, तनाव हावी हो रहा है, तो इसका मतलब है कि कहीं कुछ कमी है। तैयारी के बाद भी अगर ऐसा है, तो अपने मेंटॉर या पेरेंट्स से बात करें ताकि असल समस्या का समाधान हो सके ।

ग्रुप डिस्कशन से जी चुराना

स्टूडेंट्स ग्रुप स्टडी के जरिए भी अपनी तैयारी को जांचते हैं। ग्रुप स्टडी के दौरान स्टूडेंट्स अचानक दूसरे स्टूडेंट्स से कोई सवाल पूछते हैं। ऐसा टीचर भी कर सकते हैं। अगर ग्रुप स्टडी से आप खुद को दूर करना चाहते हैं तो इसका मतलब है कि आपकी तैयारी में कोई कमी है। या तो विषय की तैयारी नहीं हो पाई है या फिर आपमें कॉन्फिडेंस की कमी है। ध्यान रखें कि अगर आप खुद को कमजोर मानेंगे तो इसका असर परीक्षा फल पर दिखाई देगा इसलिए कमियों को समझें और उनका हल निकालें।

मन में सवाल न उठना

किसी भी विषय को पढ़ना और उससे जुड़ा सवाल न उठना भी बताता है कि आपमें विषय को लेकर उतनी दिलचस्पी नहीं है, जितनी एक स्टूडेंट में होनी चाहिए। हर स्टूडेंट को एक न एक विषय जरूर पसंद होता है। अगर आपके पसंदीदा विषय के बारे में आपके मन में कोई सवाल नहीं उठ रहा है, तो इसका मतलब है कि आपको गंभीर होने की जरूरत है।

परीक्षा हॉल में ध्यान रखें

पेपर मिलने पर आपको उन सवालों के जवाब सबसे पहले देने चाहिएं, जिनको लेकर आप ज्यादा कॉन्फिडेंट हैं क्योंकि परीक्षा में यह जरूरी नहीं होता कि सभी सवालों के जवाब क्रम के हिसाब से दिए जाएं। इसलिए पहले उन्हीं प्रश्नों के उत्तर लिखें जो आपको अच्छे से याद हों। इससे आपका सोचने में लगने वाला समय बच जाता है और आत्मविश्वास भी बढ़ता है।

सोच - समझ कर चयन करें

परीक्षा में कई बार सवाल चुनने के लिए एक या उससे अधिक विकल्प दिए होते हैं, जैसे दस में से कोई 6 या 7 सवाल। ऐसे में आप उन सवालों को चुनें जिनके बारे में आपको कॉफी जानकारी हो या फिर जिन सवालों का जवाब आपको ठीक से याद हो।

सभी प्रश्न हल जरूर करें

परीक्षा में आने वाले सभी प्रश्नों को हल करने की पूरी कोशिश करें क्योंकि यहां कोई नैगेटिव मार्किंग का चक्कर नहीं होता। सभी प्रश्नों को हल करने से आपका कोई नुक्सान नहीं है। सवाल का 30 से 40 प्रतिशत जवाब तो आप सही लिखेंगे, जिसके लिए आपको कुछ अंक मिल सकते हैं। ये अंक आपके परसैंटेज को भी बढ़ाएंगे।

जवाब प्वाइंट्स बनाकर लिखें

सभी सैंटेंस एक साथ लिखने की बजाय पैराग्राफ में लिखना ज्यादा अच्छा होता है। प्रत्येक उत्तर से पहले और बाद में एक या दो लाइन छोड़कर लिखें। इससे आपको किसी उत्तर में बाद में कुछ और पॉइंट्स जोड़ने में आसानी होगी और आपकी उत्तर पुस्तिका साफ दिखेगी।

एकाग्र होकर हल करें

बोर्ड परीक्षा में पहली बार पेपर देते समय छात्र घबराए रहते हैं। ऐसी स्थिति में विद्यार्थियों को परेशान होने की जरूरत नहीं क्योंकि इसका असर आपके दिमाग पर पड़ेगा, जिस वजह से आप सवालों का सही जवाब नहीं दे पाएंगे। इसलिए जरूरी है कि विद्यार्थी शांत और केन्द्रित रहें।

Wish You a Happy Holi

Paragon

The Mobile Shop

vivo oppo

Redmi 1S honor

NOKIA Connecting People

MOTOROLA

Jio

BlackBerry

mi

INTEX

GiONEE SMART PHONE

htc

SAMSUNG

lenovo FOR THOSE WHO DO.

LAVA MOBILE PHONE

micromax nothing like anything

SONY

itel

and all other mobile trusted brands are available under one roof..

For More Detail Pls Contact

Paragon The Mobile Shop

23, inside Udaipole Udaipur Contact No. 0294-2383373, 9829556439

प्रत्यूष

मन को भाए मटर के अलग स्वाद

इन दिनों बाजार में हरे कच्च मटर फली की भरमार है। मटर कच्चे ही खाएं तो भी बड़े मीठे लगते हैं। आलू-मटर और मटर पनीर की सब्जी तो इस मौसम में प्रायः बनती है। इनके अलावा मटर से बहुत तरह की अन्य स्वादिष्ट रेसिपी बनाई जा सकती है।

सुभद्रा कोठारी

मटर समोसा

सामग्री: कवर के लिए : मैदा–एक कप, सूजी–एक बड़ा चम्मच, तेल–2 बड़े चम्मच, नमक–1/2 छोटा चम्मच, तलने के लिए तेल।

भरावन के लिए : हरी मिर्ची का पेस्ट–1/2 छोटा चम्मच, गरम मसाला–1/2 छोटा चम्मच, लाल मिर्च पाउडर–1/4 छोटा चम्मच, अमचूर पाउडर–1/2 छोटा चम्मच, धनिया–एक छोटा चम्मच, उबले हुए मटर–2 कप, नमक–स्वादानुसार, तेल–2 बड़े चम्मच।

यूं बनाएं : कवर : मैदा, सूजी, नमक, तेल व 1/3 कप गुनगुना पानी को मिक्स कर नरम आटा गूंथ लें। दस–पंद्रह मिनट के लिए ढक कर अलग दख दें।

भरावन : उबले मटर का पानी निथार लें। इसमें सारे सूखे मसाले धनिया, लाल मिर्च, गरम मसाला, आमचूर व नमक डालें। तेल गरम कर मटर मिश्रण डालें। स्टर फ्राई को मैश करते रहें पर पूर्णतः नहीं। आंच से उतार कर ठंडा होने के लिए अलग रख दें।

समोसा बनाने के लिए आटा तैयार कर उसकी 10–12 लोइयां बना लें। गोल आकार में लगभग 4–5 इंच व्यास में सभी को बेल कर बीच में से दो भाग कर दें। अर्द्ध चंद्राकार काटें, कोन शेप बना कर किनारे पर हल्का पानी लगाकर तिकोना फोल्ड कर दें। एक छोटा चम्मच मिक्सचर भर कर किनारों को पूरी तरह बंद कर दें। कड़ाही में तेल गरम करें और एक–एक कर धीरे–धीरे डालें। धीमी आंच पर हल्का भूरा होने तक तलें।

मटर मंगौड़ी

सामग्री: मटर छिले हुए–2 कप, मंगौड़ी/बड़ी–1/2 कप, तेल–2 बड़े चम्मच, जीरा–एक छोटा चम्मच, हींग–चुटकी भर, अदरक बारीक कटी हुई–एक छोटा चम्मच, टमाटर कद्दूकस किए हुए–1/2 कप, धनिया पाउडर–2 छोटे चम्मच, नमक–स्वादानुसार, लाल मिर्च पाउडर– एक छोटा चम्मच, गरम मसाला–1/2 छोटा चम्मच, हल्दी पाउडर– 1/2 छोटा चम्मच, हरी मिर्च लम्बाकार कटी हुई–2

यूं बनाएं : एक फ्राइंग पैन में तेल गरम करें। हींग–जीरा तड़काकर अदरक भूनें। कद्दूकस टमाटर, धनिया पाउडर, नमक हल्दी डालें। तेल छोड़ने तक स्टर फ्राई करें। अब मंगौड़ी के छोटे टुकड़े कर, मटर व हरी मिर्च के साथ डालें। लाल मिर्च पाउडर व गरम मसाला डालें। दो–तीन मिनट पकने के बाद 2 कप पानी डालकर उबालें। ढक्कन लगाकर 7–8 मिनट और पकाएं।

मटर मशरुम

सामग्री: मशरुम–डेढ़ कप कटे हुए, ताजा मटर–एक कप, तेज पत्ता–एक, जीरा–1/2 छोटा चम्मच, प्याज–2 बड़े कद्दूकस, टमाटर–4 (प्यूरी किए हुए), अदरक–लहसुन पेस्ट–एक बड़ा चम्मच, घी/तेल–3 बड़े चम्मच, नमक–स्वादानुसार, लाल मिर्च–एक छोटा चम्मच, धनिया पाउडर–1/2 छोटा चम्मच, काजू पेस्ट–2 छोटे चम्मच, चीनी–एक छोटा चम्मच, मलाई– 1/4 कप, मक्खन–2 छोटे चम्मच, गरम मसाला–1/2 छोटा चम्मच, हरा धनिया कटा हुआ–एक बड़ा चम्मच।

यूं बनाएं : एक पैन में थोड़ा–सा मक्खन गरम कर मशरुम व मटर को शैलो फ्राई कर अलग रख दें। एक नॉनस्टिक पैन में घी/तेल गरम कर तेज पत्ता व जीरा तड़काएं। अदरक–लहसुन पेस्ट डालें व कद्दूकस प्याज के साथ भूनें। अब उसमें धनिया, लाल मिर्च पाउडर व नमक डालें। टमाटर प्यूरी व चीनी डालें, 3–4 मिनट तक घी छोड़ने तक पकाएं। अब इस मिश्रण में एक–एक करके काजू पेस्ट, गरम मसाला, मलाई मिक्स करें। तीन–चार मिनट तक पकने दें। मशरुम व मटर डालें व हल्की आंच पर पकाएं।

मटर पुलाव

सामग्री: बासमती चावल–एक कप, मटर ताजा–1/2 कप, स्लाइस्ड प्याज–एक कप, दालचीनी–एक इंच टुकड़ा, बड़ी इलायची–एक, हरी इलायची–2 से 3, लौंग–2 से 3, तेज पत्ता–एक, घी/तेल–2 से 3 बड़े चम्मच, पानी–2 कप, नमक–स्वादानुसार, जीरा–एक छोटा चम्मच, हरा धनिया कटा हुआ–2 बड़े चम्मच, काजू टुकड़ा–10 से 12 (तले हुए)।

यूं बनाएं : चावल धोकर आधे घंटे के लिए भिगो कर पानी निथार दें। किसी नॉनस्टिक फ्रॉइंग पैन में घी/तेल गरम करें। जीरा व सभी साबुत गरम मसाले तड़काएं। कटे हुए प्याज डालें, हल्के भूरे होने तक पकाएं। मटर डालें और एक मिनट के लिए भूनें। चावल डालकर 3–4 मिनट भूनें। दो कप पानी को गुनगुना कर नमक के साथ डालें। ढक्कन बंद करके 10–12 मिनट तक चावल तक पकाएं। तले हुए काजू और हरे धनिए से सजाएं।

मेथी मटर मलाई

सामग्री : मटर उबले हुए–एक कप, क्रीम/मलाई–1/2 कप, मेथी बारीक कटी हुई–दो कप, जीरा–1/2 छोटा चम्मच, हींग–चुटकी भर, नमक–स्वादानुसार, घी/मक्खन–2 बड़े चम्च, लौंग–3 से 4, इलायची–1 से 2, दाल चीनी–एक टुकड़ा, प्याज–एक बड़ा बारीक कटा हुआ, अदरक–हरी मिर्च पेस्ट–2 छोटे चम्मच, दही–2 छोटे चम्मच, शक्कर–एक छोटा चम्मच, काजू पेस्ट–2 छोटे चम्मच, खसखस पिसी हुई–एक छोटा चम्मच।

यूं बनाएं : मेथी को साफ धोकर काट लें। गरम पानी में ब्लांच कर ठंडे पानी से धो लें। पानी निचार लें। मलाई को फेंट लें। घी गरम कर हींग डालें और जीरा तड़काएं। लौंग, इलायची, दालचीनी डालें। अदरक–मिर्ची पेस्ट डालें। एक–दो मिनट भूनें। प्याज हल्के भूरे होने तक भूनें। काजू पेस्ट, दही, चीनी व खसखस डाल कर 2–3 मिनट पकाएं। मटर, मलाई, मेथी व नमक डालें। ग्रेवी को गाढ़ा होने तक पकाएं।

शाही मटर पनीर

सामग्री: पनीर–150 ग्राम (चकौर कटा), मटर उबले हुए–डेढ़ कप, टमाटर–3 (प्यूरी किए हुए), प्याज–2 बड़े–बड़े कटे हुए, तेज पत्ता–एक, लौंग–2, अदरक–लहसुन पेस्ट–एक बड़ा चम्मच, लाल मिर्च पाउडर–एक छोटा चम्मच, काजू पेस्ट– 2 बड़े चम्मच, गरम मसाला–1/2 छोटा चम्मच, नमक–स्वादानुसार, घी–3 से 4 बड़े चम्मच, हरा धनिया– 1/4 कप कटा हुआ, ताजा क्रीम– 2 बड़े चम्मच।

यूं बनाएं: प्याज को गरम पानी में तीन मिनट ब्लांच करें और ठंडा करके पेस्ट बना लें। एक पैन में एक चम्मच घी गरम कर पनीर क्यूब्स को भूनें। भूरे न होने दें। दूसरे पैन में 2 बडें चम्मच घी गरम कर प्याज के पेस्ट को हल्का भूरा होने तक भूनें। अदरक–लहसुन पेस्ट डाले और 2–3 मिनट स्टर फ्राई करें। टमेटो प्यूरी व लाल मिर्च डालें। चार–पांच मिनट तक पकाएं। काजू पेस्ट, गरम मसाला व नमक डालकर कुछ देर पकाएं। पनीर क्यूब्स व मटर डालें। दो–चार मिनट और पकाएं। आवश्यकतानुसार पानी डालें। हरे धनिए व क्रीम से गार्निश करें।

विशाल नागदा,
डायरेक्टर,
मो. 98285 40819

होली की हार्दिक शुभकामनाएं

भूपेश नागदा,
डायरेक्टर

Bharat Petroleum

विशाल फिलिंग स्टेशन

प्रतापनगर, उदयपुर - 313001 (राज.)
मो.: 94141-57870

सीसारमा, उदयपुर (राज.)

बसंत में बढ़ता है कफ दिन में न सोएं

हरीश भाकुनी

वसंत का मौसम सर्दी और गर्मी के बीच का ऋतुकाल है। दिन में गर्मी और सुबह-शाम को ठंड रहती है। इसे संधि काल भी कहते हैं। इसमें प्राकृतिक रूप से कफ का प्रकोप बढ़ता है। इस मौसम में सर्दी-खांसी-जुकाम आदि के साथ एलर्जी की भी आशंका रहती है। इसमें पराग कण भी अधिक होते हैं। इससे भी एलर्जी की आशंका कई गुना अधिक हो जाती है।

शिशिर ऋतु में शरीर में जमा कफ वसंत में गर्मी बढ़ने से पिघलने लगता है। इससे थकान, आलस, शरीर में दर्द, जी मिचलाना आदि होता है। कफ ज्यादा बढ़ने से टॉन्सिल्स, खांसी, गले में खराश, जुकाम, बुखार (फ्लू) जैसे रोग अचानक से बढ़ने लगते है। कफ से पाचन की भी दिक्कत होती है।

हल्के गर्म कपड़े पहनें

मार्च महीने में सर्द-गर्म से बीमार होने की आशंका रहती है। इसलिए अचानक से गर्म कपड़े न छोड़ें। घर से बाहर निकल रहे हैं तो हल्के गर्म कपड़ों के साथ पूरी आस्तीन के कपड़े पहनें। बच्चों-बुजुर्गों के साथ वयस्कों को भी इस बात का ध्यान रखना चाहिए।

दही, मिठाई से परहेज

इस ऋतु में मिठाई, सूखे मेवा, आइसक्रीम, खट्टे-मीठे फल और गरिष्ठ भोजन का परहेज करें। दही न खाएं। दही खाना चाहते हैं तो पानी के साथ छाछ बना लें। इससे तासीर बदल जाती है। नमक कम खाएं। गुनगुने पानी से ही नहाएं।

दिन में न सोएं

इस मौसम में प्राकृतिक रूप से कफ बढ़ता है। अगर दिन में सोते हैं तो कफ और बढ़ेगा। वहीं देर रात तक जागने व सुबह देरी से उठना भी सेहतमंद नहीं है। भूख में कमी, चेहरे और आंखों की चमक भी खत्म हो जाती है। इसलिए रात को जल्दी सोएं और सुबह भी जल्दी उठ जाना चाहिए।

15
दिन के अंतराल पर एक दिन उपवास करने से ताजगी महसूस होगी।

01
चम्मच शहद को एक चम्मच तुलसी रस में सुबह खाली पेट लेने से फायदा होगा।

3-4
ग्राम हरड़ चूर्ण एक चम्मच शहद के साथ लेने से मौसमी बीमारियों से बचाव होगा।

01
साल पुराना गेहूं और चावल ही इस मौसम में खाना चाहिए। ये सुपाच्य होते हैं।

अदरक के साथ उबला पानी पीना ठीक रहेगा

अदरक, करेला, आंवला, परवल, सत्तू, मूंग की दाल, हरी साग-सब्जियां, लौकी, पालक, नींबू, सौंठ, गाजर व मौसमी फलों को भी खाना चाहिए। इस मौसम में गर्म तासीर वाली चीजें, कसैली, तीखी और रस वाली चीजें ही खानी चाहिए। अदरक के साथ उबला हुआ पानी, शहद मिला पानी पीना चाहिए। पुराने अनाज, सरसों का तेल, पीपली, कालीमिर्च, हरड़, बहेड़ा, बेल, छोटी मूली, राई, धान का लावा, खस का पानी पीना अच्छा रहता है।

प्रत्यूष
समाज में समरसता और भातृत्व भाव की पोषक पत्रिका
प्रत्यूष (बहुरंगी हिन्दी मासिक)
के आज ही सदस्य बनें। मात्र 600 रुपए वार्षिक।
पता: 2, रक्षाबंधन, मेहतों का पाड़ा, धानमण्डी, उदयपुर (राज.) 313 001

प्रत्यूष

इस माह आपके सितारे

पं. शोभालाल शर्मा

मेष

नई जिम्मेदारियां मिल सकती हैं आत्मविश्वास व प्रतिष्ठा में वृद्धि, सेहत का ध्यान रखें। अनावश्यक खर्चों में वृद्धि संभव, वित्तीय संसाधनों का उपयोग सोच समझ कर करें। विचारों एवं योजनाओं का सफल प्रबंधन आगे नये रास्ते खोलेगा और यात्राओं से भी लाभ होगा।

वृषभ

यह माह आपके लिए नए अवसरों एवं चुनौतियों का संगम है। स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखना होगा, अपने कार्य क्षेत्र एवं सामाजिक जीवन में मान प्रतिष्ठा बढ़ेगी, आर्थिक पक्ष मजबूत रहेगा लेकिन जल्दबाजी में कोई निर्णय न करें। पड़ोसियो से मतभेद उभरेंगे। कार्य क्षेत्र में प्रतिस्पर्धा से बचने की कोशिश करें।

मिथुन

आपकी रचनात्मकता एवं वाक् कौशल का लाभ मिलेगा। आवेग में न बहें, वरिष्ठ जनों के सहयोग एवं परामर्श से कार्य सम्पादन करें, व्यावसायिक दृष्टिकोण से यह समय नई साझेदारियों के अनुकूल है, पुरानी बीमारियों से राहत संभव है, आर्थिक मामलो में सावधानी रखें।

कर्क

स्थाई सम्पत्ति संबंधित निर्णय अनुकूल रहेंगे, संतान के भविष्य के लिए भी उचित निर्णय लेना उपयुक्त रहेगा। घर–परिवार में निकट के नाते रिश्तेदारों का आना–जाना लगा रहेगा। अभी तक के अवरूद्ध मामले पक्ष में बन पायेगे, पैतृक सम्पत्ति को लेकर परिवार में विवाद संभव, सूझबूझ एवं धैर्य से काम लें, गोपनीयता आवश्यक है।

सिंह

भौतिक सुख में वृद्धि संभव, परिवार में हंसी–खुशी का वातावरण रहेगा। आय पक्ष मजबूत रहेगा। संबंधों में त्वरित निर्णय लाभदायक रहेगा, व्यावसायिक कार्य शैली में बदलाव की आवश्यकता है। अनिर्णय की स्थिति में अपने जीवन साथी का सहयोग एवं परामर्श लाभ दिलायेगा, स्वास्थ्य पक्ष उत्तम है।

कन्या

अनुभवी लोगों की सलाह और मार्गदर्शन को महत्व दें, माह के प्रारंभ में एलर्जी एवं संक्रमण की संभावना है, व्यावसायिक जीवन में नए अवसर मिल सकते हैं, लेकिन किसी से भी बातचीत के समय मर्यादा का विशेष ध्यान रखें, परिवार में अस्त–व्यस्तता रहेगी।

तुला

इस माह कई सकारात्मक परिवर्तन होंगे, लंबे समय से रूके कार्य अब गति पकड़ेंगे। आपसी संबंधों में गलतफहमियों को दूर करने का अवसर भी मिलेगा। सामाजिक गतिविधियों में महत्वपूर्ण भूमिका निभायेंगे आपके कार्यों की प्रशंसा होगी एवं लक्ष्यों की ओर बढ़ने में सफल होंगे। त्वचा सम्बन्धित रोग संभव है।

इस माह के पर्व/त्योहार

2 मार्च	फाल्गुन शुक्ल तृतीया	रमज़ान माह आरंभ (चांद दिखने पर)
7 मार्च	फाल्गुन शुक्ल अष्टमी	होलाष्टक आरंभ /दादुदयाल जयंती
8 मार्च	फाल्गुन शुक्ल नवमी	विश्व महिला दिवस
10 मार्च	फाल्गुन शुक्ल एकादशी	खाटूश्याम मेला
13 मार्च	फाल्गुन शुक्ल चर्तुदशी	होलिका दहन / पूर्णिमा व्रत
14 मार्च	फाल्गुन शुक्ल पूर्णिमा	छारंडी
16 मार्च	चैत्र कृष्णा द्वितीया	संत तुकाराम जयंती
19 मार्च	चैत्र कृष्णा पंचमी	रंग पंचमी
21 मार्च	चैत्र कृष्णा सप्तमी	शीतला सप्तमी (बासोड़ा)
22 मार्च	चैत्र कृष्णा अष्टमी	शीतलाष्टमी / विश्व जल दिवस
24 मार्च	चैत्र कृष्णा दशमी	दशामाता व्रत
27 मार्च	चैत्र कृष्णा त्रयोदशी	रंग तेरस
29 मार्च	चैत्र कृष्णा अमावस्या	शनैश्चरी अमावस्या
30 मार्च	चैत्र शुक्ल प्रतिपदा	नवरात्रि

वृश्चिक

परीवार में शांति एवं सुकून का वातावरण रहेगा, धार्मिक यात्राओं के अवसर प्राप्त होंगे, धर्म एवं अध्यात्म के क्षेत्र में रूचि बढ़ेगी तो खर्च भी होगा, व्यावसायिक गतिविधियों में स्थिरता रहेगी, अपनी कार्यशैली में बदलाव करने होंगे, कुछ कानूनी मुद्दों का सामना करना पड़ सकता है, स्वास्थ्य सामान्य रहेगा।

धनु

कुछ प्रभावशाली व्यक्तियों से मिलने का अवसर प्राप्त होगा, जिनसे लक्ष्यों को प्राप्त करने में मदद मिलेगी। इस समय का अधिकतम उपयोग करके लाभ उठाएं, नई योजना एवं विचारों का क्रियान्वयन करें सकारात्मक लाभ होगा। व्यक्तित्व में परिपक्वता लाने का प्रयास करें, श्रेष्ठजनों से लाभ अवश्य लें।

मकर

यह माह आपको उत्साह एवं ऊर्जा से परिपूर्ण रखेगा। अधिकांश कार्य समय पर पूरे होंगे, जिससे हर्ष की अनुभूति होगी। भूमि एवं संपत्ति से जुड़े मामलों में सकारात्मक परिणाम मिलेंगे, विद्यार्थी वर्ग के लिए भी समय अच्छा है, अनावश्यक व्यय पर नियंत्रण रखें, संतान की गतिविधियों से चिंता बढ़ सकती है।

कुम्भ

माह के उत्तरार्ध में कुछ चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है। रूका हुआ धन मिल सकता है, कार्यभार की वृद्धि हो सकती है, कई अवसर भी मिलेंगे, जो आपको अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने में मददगार होंगे, निर्णय लेने में देरी से कार्य क्षमता प्रभावित होगी, एसिडिटी एवं कब्ज से परेशानी रहेगी।

मीन

यह माह उतार–चढ़ाव भरा है, व्यावसायिक एवं व्यक्तिगत जीवन में कुछ नई चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है। परिवार के साथ समय बिताने का प्रयास करें, स्वास्थ्य को लेकर भी सावधानी बरतनी होगी, कुछ अप्रत्याशित खर्चे सामने आ सकते हैं, प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता मिलेगी।

प्रत्यूष समाचार

पिम्स उमरड़ा ने जीता पेसिफिक मेडिकॉर्प टूर्नामेंट

(पंकज कुमार शर्मा)

उदयपुर। शहर के शिकारबाड़ी में हुए क्रिकेट टूर्नामेंट में पीएमसीएच पायरेट्स, पीआईएमएस पैंथर्स, थैलेसा वैलेंट्स और आदित्य रियल एस्टेट में भाग लिया। फाइनल मैच पिम्स उमरड़ा की पीआईएमएस पैंथर्स और पीएमसीएच पायरेट्स के बीच हुआ। इसमें कप्तान लौकिक सूर्यवंशी के नेतृत्व में पीआईएमएस पैंथर्स ने पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 20 ओवर में चार विकेट के नुकसान पर 184 रन बनाए। इसके जवाब में पीएमसीएच पायरेट्स 122 रन ही बना सकी। पीआईएमएस पैंथर्स ने टूर्नामेंट में 62 रनों से जीत दर्ज की। मैन ऑफ दी टूर्नामेंट श्रेय रावल ने प्राप्त किया। सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज अमन शिखावत और सर्वश्रेष्ठ फिल्डर जय पटेल रहे। इस टूर्नामेंट में पीआईएमएस पैंथर्स की टीम एक भी मैच में पराजित नहीं हुई। विजेता टीम को 150000 रुपए पुरस्कार राशि प्रदान कर सम्मानित किया गया। पीआईएमएस पैंथर्स के विजेता बनने पर पिम्स के चेयरमैन आशीष अग्रवाल ने सभी खिलाड़ियों का सम्मान किया।

वेदांता चेयरमैन के दृष्टिकोण की सराहना

उदयपुर। लोकसभा स्पीकर ओम बिरला ने 100 साल पुराने रिवरसाईड स्टूडियो ट्रस्ट को कला, संस्कृति को बढ़ावा देने वाले सर्वश्रेष्ट इंटरनेशनल सेंटर में बदलने के वेदांता चेयरमैन अनिल अग्रवाल के दृष्टिकोण की सराहना की। थेम्स नदी के उत्तरी किनारे स्थित विश्व विख्यात ग्लोबल सेंटर ऑफ आर्ट्स में सभा को संबोधित करते हुए बिरला ने कहा कि यह स्टूडियो दुनियाभर के कलाकारों एवं परफॉर्मर्स को प्लेटफॉर्म उपलब्ध कराएगा। विभिन्न महाद्वीपों में कला, संस्कृति और इनोवेशन को परस्पर जोड़ने के प्रयास में वेदांता ग्रुप संस्थापक एवं चेयरमैन अनिल अग्रवाल अब इस आइकोनिक रिवासाइड स्टूडियोज के मालिक होंगे। मैं अग्रवाल को धन्यवाद चाहूंगा जो इतने प्रतिष्ठित मंच पर कला एवं संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए प्रयास कर रहे हैं। दुनियाभर के कलाकारों को अब लंदन के इस सेंटर से संस्कृति एवं कला के प्रदर्शन का अवसर मिलेगा।

कलेक्टर को महाराणा प्रताप का चित्र भेंट

उदयपुर। महाराणा प्रताप की 428वीं पुण्यतिथि पर शहर की बाल चित्रकार देवीश्री दीक्षित ने हस्त निर्मित तेल चित्र बनाकर तत्कालीन जिला कलक्टर अरविंद पोसवाल को भेंट किया। इस बहुरंगी चित्र में भाला लिए महाराणा प्रताप परंपरागत युद्ध पोशाक और पगड़ी पहने दर्शाए गए हैं। कलेक्टर पोसवाल ने देवीश्री की चित्रकारी प्रतिभा की प्रशंसा कर शुभकामनाएं दी। देवीश्री भट्टियानी चौहट्टा निवासी ज्योतिषाचार्य अरविंद दीक्षित और शिक्षिका दीपा दीक्षित की बेटी है।

बुजुर्ग दंपती ने मैराथन में लिया भाग

उदयपुर। उदयपुर के भट्ट दंपती ने मुंबई में प्रतिवर्ष जनवरी के तीसरे रविवार को होने वाली टाटा मुंबई मैराथन की सीनियर सिटीजन कैटेगरी की दौड़ पूरी की। ये दौड़ क्रॉस मैदान से आजाद मैदान तक छह विभिन्न कैटेगरी में हुई। इसमें 42 किमी, 21 किमी, 10 किमी, सीनियर सिटीजन, ड्रीम दन, पर्सन विद डिसएबीलिटी आदि कैटेगरी थी। इस दौड़ में विश्व के हजारों लोगों ने भाग लिया। दौड़ को महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेन्द्र फडनविस ने हरी झंडी दिखाई। इसमें उदयपुर के रमेशचन्द्र भट्ट (73) और विजयलक्ष्मी भट्ट (67) ने भाग लिया।

जयदीप स्कूल में रंगीन कार्निवाल

उदयपुर। जयदीप स्कूल में गणतंत्र दिवस पर रंगीन कार्निवाल का आयोजन किया गया, जिसमें छात्रोंऔर शिक्षकों ने अलग-अलग प्रकार के फूड और गेम्स स्टॉल्स लगाए। अभिभावकों और छात्रों ने इनका भरपूर आनंद लिया। मुख्य अतिथि दुर्गेश चंद्रवानी, सहायक निदेशक, वेस्ट जोन कल्चरल सेंटर थे। इस अवसर पर आंचल कुमावत ने अपनी जादुई कला से सभी को चकित कर दिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता निदेशक डॉ. देवेन्द्र कुमावत ने की। संयोजन निहारिका कुमावत ने किया।

गुर्जर बने विद्यापीठ के कुलाधिपति

उदयपुर। राजस्थान विद्यापीठ के कुल प्रमुख भंवरलाल गुर्जर को राजस्थान विद्यापीठ डीम्ड टु बी विश्वविद्यालय का कुलाधिपति मनोनीत किया गया है। कुलपति प्रो. एसएस सारंगदेवोत ने बताया कि गुर्जर ने पिछले 50 वर्षों से संस्थान में निष्ठा और ईमानदारी से सेवाएं देकर अपनी एक अलग ही पहचान बनाई है। चांसलर की घोषणा होते ही कार्यकर्ताओं में हर्ष की लहर दौड़ पड़ी, सभी ने गुर्जर को मालाओं से लाद दिया। नवनियुक्त चांसलर ने कहा कि विद्यापीठ कार्यकर्ताओं की संस्था है, हम सभी को मिलकर इसे और अधिक ऊंचाइयों पर पहुंचाना है। गुर्जर ने प्रतापनगर परिसर में 10 हजार स्क्वायर फीट की नवीन सेंटर लाइब्रेरी बनाने की घोषणा की। इस अवसर पर पीठ स्थविर डॉ. कौशल नागदा, रजिस्ट्रार डॉ. तरुण श्रीमाली, सचिव भैरूलाल लौहार, डॉ. सुभाष बोहरा, प्रो. सरोज गर्ग, प्रो. जीवन सिंह खरकवाल, प्रो. गजेन्द्र माथुर, प्रो. आईजे माथुर, भगवतीलाल सोनी, प्रवीण गुर्जर, डॉ. संजीव राजपुरोहित, डॉ. आशीष नंदवाना, नजमुद्दीन, बालकृष्ण शुक्ला, उमरावसिंह राणावत, निजी सचिव केके कुमावत, जितेन्द्र सिंह चौहान, डॉ. सुनीता मुर्डिया, डॉ. रचना राठौड़, डॉ. ओम पारीख, डॉ. विजय दलाल, डॉ. हिम्मतसिंह चूण्डावत आदि मौजूद थे।

अनुष्का ग्रुप ने जीता बीबीसीएल का खिताब

उदयपुर। बीबीसीएल में अनुष्का ग्रुप की टीम विजेता रही। इस लीग में उदयपुर की 32 टीमों ने भाग लिया था। फाइनल अनुष्का ग्रुप और टीम अर्थ जिम के बीच खेला गया। रोमांचक मुकाबले में अनुष्का ग्रुप ने चार रन से जीत दर्ज कर खिताब पर कब्जा किया जबकि टीम अर्थ जिम उपविजेता रही। मैन ऑफ द मैच का खिताब अर्थ डायग्नोस्टिक के डॉ. अरविंदरसिंह ने दिया। अनुष्का ग्रुप के निदेशक राजीव सुराणा ने भी विचार व्यक्त किए।

युवा प्रतिभाओं को किया सम्मानित

उदयपुर। भारतीय जेन संघटना उदयपुर की ओर से विज्ञान समिति में युवा प्रतिभा सम्मान समारोह राजस्थान विद्यापीठ के कुलपति शिवसिंह सारंगदेवोत के मुख्य आतिथ्य व सकल जैन समाज के अध्यक्ष राजकुमार फत्तावत की अध्यक्षता में हुआ। बीजेएस उदयपुर चेप्टर अध्यक्ष दीपक सिंघवी ने बताया कि इस अवसर पर जैन समाज की अलग-अलग क्षेत्रों से सात विभूतियों को युवा प्रतिभा से सम्मानित किया गया। यूथ विंग अध्यक्ष जय चौधरी ने बताया कि ट्रेडिशनल बिजनेस मेस्ट्रो में हर्षल जैन, युवा उद्यमी श्रेणी में विप्लव कुमार जैन, उत्कृष्ट उद्यमी श्रेणी में निखिल सुराणा, लीडरशिप श्रेणी मं कपिश जैन, व अमन वया, उत्कृष्ट खिलाड़ी श्रेणी में आंचल धाकड़ व हर्ष जैन को सम्मानित किया गया।

राष्ट्रीय सम्मेलन में डॉ. लुहाड़िया की वार्ता

उदयपुर। पुणे में आयोजित राष्ट्रीय चेस्ट सम्मेलन नेपकोन में पेसिफिक मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल के टीबी एवं चेस्ट रोग विशेषज्ञ डॉ. अतुल लुहाड़िया ने सम्मेलन में देशभर के फेफड़ों और श्वसन संबंधी रोग विशेषज्ञों ने भाग लिया। डॉ. लुहाड़िया ने नॉन ट्यूबरकुलर माइकोबैक्टेरिया (एनटीएम) पर पैनल डिस्कशन में भाग लिया। उन्होंने कहा कि एनटीएम संक्रमण मुख्य रूप से उन मरीजों को प्रभावित करता है जिनका प्रतिरक्षा तंत्र (इम्यून सिस्टम) कमजोर होता है या जिन्हें फेफड़ों की पुरानी बीमारियां होती है। इसका सही समय पर निदान और उचित इलाज आवश्यक है, क्योंकि यह लंबे समय तक चलने वाला जटिल संक्रमण हो सकता है।

पूर्व प्रांतपालों व पूर्वाध्यक्षों का सम्मान

उदयपुर। लायंस अरावली क्लब का 44वां स्थापना दिवस गत दिनों अपना घर आश्रम में मनाया गया। इस अवसर पर लायंस प्रांत 3233 ई-2 के पूर्व प्रांतपालों व क्लब के सभी पूर्वाध्यक्षों को सम्मानित किया गया। मुख्य अतिथि वीडीजी-2 भीलवाड़ा के निशांत जैन थे। क्लब अध्यक्ष भूपेन्द्र नागोरी ने अतिथियों का स्वागत किया । समारोह में पूर्व प्रांतपाल अरविंद शर्मा, अरविंद चतुर, संजय भंडारी सहित क्लब के पूर्वाध्यक्षों को सम्मानित किया गया। इस दौरान अध्यक्ष सचिव पूर्णिमा नागौरी, संयोजक साधना बाबेल, सह संयोजक दीपक बोर्दिया, ट्रस्ट सचिव श्याम सिरोया, रूपलाल जैन, भूपेन्द्र बाबेल, बंशीलाल कुम्हार आदि मौजूद रहे।

सब्जी मंडी व्यापारियों द्वारा 71 यूनिट रक्तदान

उदयपुर। सवीना सब्जी मंडी व्यापारियों के संगठन सब्जी मंडी युवाजन की ओर से नि:शुल्क चिकित्सा शिविर मंडली परिसर में लगाया। शिविर में व्यापारियों ने जरूरतमंदों के लिए 71 यूनिट रक्तदान किया। साथ ही 493 जनों का नि:शुल्क शारीरिक जांच एवं 327 जनों को नि:शुल्क दवाइयां दी गई। व्यापार मंडल के अध्यक्ष मुकेश खिलवानी ने बताया कि शिविर में मुख्य अतिथि सांसद मन्नालाल रावत, ग्रामीण विधायक फूलसिंह मीणा, भाजपा जिलाध्यक्ष रविन्द्र श्रीमाली, सिंधी सिंधी समाज से झूलेलाल सेवा समिति अध्यक्ष प्रताप चुग, हरीश राजानी, विजय आहूजा थे।

बिखरे संगीत के इंद्रधनुषी रंग

उदयपुर। सिंधी समाज एवं सुरों की मण्डली के तत्वावधान में बसंत पंचमी पर सुरों की महफिल में 30 समाजजनों ने प्रस्तुति देकर महफिल संगीतमय बना दी। सूत्रधार मुकेश माधवानी ने बताया कि आयोजन में मानो सुरों की देवी मां सरस्वती सभी प्रतिभागियों के कंठ में विराजमान थी। समाज में छिपी प्रतिभाओं ने मंच पाकर ऐसा महसूस किया, मानो उनके पंखों को परवाज मिल गई हो। हरीश राजानी ने बताया कि सांस्कृतिक आदान-प्रदान एवं स्वस्थ मनोरंजन के लिए प्रत्येक माह संगीत का आयोजन होगा। प्रताप चुघ, हरीश राजानी, हेमंत भागवानी, दुर्गेश चांदवानी, मुकेश माधवानी, वीनू वैष्णव, चन्द्रप्रकाश गंधर्व, निखिल माहेश्वरी, बृजेश मिश्रा एवं योगेश को सम्मानित किया गया।

पत्रकार कैलाश व भावेश सम्मानित

उदयपुर। लेकसिटी प्रेस क्लब की ओर से सांस्कृतिक संध्या एवं पत्रकार सम्मान समारोह हुआ। अध्यक्ष कुलदीपसिंह गहलोत ने बताया कि समारोह में प्रिंट मीडिया की श्रेणी में पत्रकार कैलाश सांखला को ज्योतिषाचार्य स्व. पंडित नंदकिशोर शर्मा सम्मान और भावेश जाट को जनार्दन राय नागर राजस्थान विद्यापीठ पत्रकार सम्मान दिया गया। इसके अलावा पत्रकार रफीक एम पठान, अभिमन्यु राजमाली, अब्दुल लतीफ, विनीता गौड़, कमल वसीटा, ज्योति जगन और मयूर जोशी को भी सम्मानित किया गया। सम्मान सांसद मन्नालाल रावत, भाजपा नेता जिनेन्द्र शास्त्री, कांग्रेस नेता पंकज शर्मा, अजय पोरवाल, गिरीश भारती आदि ने दिए।

फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम

उदयपुर। गीतांजलि इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्निकल स्टडीज डबोक उदयपुर में एमबीए विभाग के तत्वावधान में डेवलपिंग टीचिंग स्किल्स पर एक दिवसीय फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम का आयोजन किया गया। मुख्य वक्ता गीतांजलि समूह के चेयरमैन जे.पी. अग्रवाल ने शिक्षण के महत्व और एक अच्छे शिक्षक के गुणों पर चर्चा करते हुए कहा कि शिक्षण केवल एक पेशा नहीं बल्कि समाज व देश के विकास की नींव है। इस अवसर पर एमबीए निदेशक डॉ. पी.के. जैन व डायरेक्टर इंचार्ज डॉ. मनीष वर्मा भी उपस्थित थे।

सोसायटी को अवॉर्ड से नवाजा

उदयपुर। बोहरा समुदाय में कय्यूम हुसैन पालीवाला मेमोरियल खिदमते खल्क अवार्ड की शुरुआत की गई। पहला अवार्ड जरुरतमंदों के लिए काम करने वाली अलबरदार हेल्पिंग सोसायटी को दिया गया। कय्यूम हुसैन की पुत्रियों ने बताया कि पिता की स्मृति में गरीबों की मदद करने वालों की हौसला अफजाई के लिए अवार्ड की शुरुआत की गई है। समाज के वरिष्ठ पीर अली, शब्बीर हुसैन पालीवाला, गजनफर ओकासा, अख्तर हुसैन बोहरा ने अवार्ड सौंपा।

सद्दू पांडे प्रसंग चित्रों का विमोचन

उदयपुर। सनाढ्य समाज साहित्य मंडल की ओर से सद्दू पांडे के जीवन कृतित्व के पांच प्रमुख प्रसंगों के तेल रंग चित्र बनवाकर उनका विमोचन किया गया। ब्राह्मण अंतरराष्ट्रीय संगइन के संभागीय अध्यक्ष डॉ. अनिल शर्मा के मुख्य आतिथ्य व मंडल अध्यक्ष अम्बालाल सनाढ्य की अध्यक्षता में समारोह हुआ। राजेन्द्र प्रसाद सनाढ्य ने सभी चित्रों के प्रसंगों को विस्तार से समझाया।

बडोला हुंडई पर क्रेटा ईवी लॉन्च

उदयपुर। बडोला हुंडई शोरूम पर बहु प्रतिक्षित कार क्रेटा ईवी को मुख्य अतिथि योगेश नगाइच डायरेक्टर महाराणा प्रताप एयरपोर्ट ने लॉन्च किया। इस अवसर पर कार के फीचर्स व डिजाइन की सराहना करते हुए इसे भविष्य की जरूरत बताया। ईवी चार वेरिएंट में उपलब्ध है। यह सिंगल चार्ज में 450 किलोमीटर से अधिक तक की दूरी तय कर सकती है। इसके अलावा कार में 72 एडवांस सेफ्टी फीचर्स शामिल हैं।

बडाला प्रीमियर लीग

उदयपुर। बडाला क्लासेज की ओर से बडाला प्रीमियर लीग क्रिकेट टूर्नामेंट के पुरस्कार वितरण समारोह में बड़ा क्लासेज के निदेशक सीए राहुल बड़ाला ने बताया कि बड़ाला प्रीमियर लीग न केवल छात्रों में खेल के प्रति रुचि बढ़ाने का माध्यम है, बल्कि यह टीम वर्क, अनुशासन और प्रतिस्पर्धात्मक भावना को प्रोत्साहित करने का प्रयास भी है। बड़ाला क्लासेज के फाउंडर हिम्मत बड़ाला, उदयपुर चैंबर ऑफ कॉमर्स अध्यक्ष पारस सिंघवी, रॉकवुड्स हाई स्कूल के निदेशक दीपक शर्मा, डॉ. जिनेन्द्र शास्त्री आदि मौजूद थे।

दीपक सुखाड़िया रोटरी प्रांतपाल निर्वाचित

उदयपुर। रोटरी क्लब उदयपुर हेरिटेज के पूर्व अध्यक्ष रोटेरियन दीपक सुखाड़िया रोटरी डिस्ट्रिक्ट 3056 के वर्ष 2027-28 के लिए प्रांतपाल निर्वाचित हुए। क्लब अध्यक्ष प्रो. दीपक शर्मा ने बताया कि रोटरी अंतरराष्ट्रीय जिला 3056 हेतु वर्ष 2027-28 के लिए जयपुर में संपन्न हुए दो दिवसीय जिला अधिवेशन में रोटेरियन दीपक सुखाड़िया को निर्वाचित घोषित किया गया। उल्लेखनीय है कि सुखाड़िया पूर्व में जिला महासचिव और सहायक प्रांतपाल रह चुके हैं।

माधवानी जिला संयोजक नियुक्त

उदयपुर। पीएचडी चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री ने मुकेश माधवानी को उदयपुर जिला संयोजक नियुक्त किया है। वे व्यापार, उद्योग और पर्यटन विकास को बढ़ावा देने का काम करेंगे। पीएचडी चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री पिछले 119 सालों से भारतीय उद्योग, व्यापार और उद्यमशीलता को प्रोत्साहित कर रही है।

अनंता में डायाफ्रामेटिक हर्निया का सफल ऑपरेशन

उदयपुर। अनंता हॉस्पिटल के गेस्ट्रो सर्जरी विभाग में दुर्लभ बीमारी से ग्रसित चार दिन के नवजात का ऑपरेशन सफलतापूर्वक किया गया। उसे डायाफ्रामेटिक हर्निया (सीडीएच) बीमारी थी। एग्जिक्यूटिव डायरेक्टर डॉ. नितिन शर्मा ने बताया कि बच्चे के माता-पिता ने कई हॉस्पिटल में दिखाया, लेकिन बीमारी पकड़ में नहीं आ रही थी। अनंता अस्पताल के गेस्ट्रो सर्जन डॉ. हेमंत जैन ने बताया कि यह बीमारी दस हजार में से किसी एक बच्चे को हो सकती है। ऑपरेशन में डॉ. हेमंत जैन, डॉ. पाशुपत, डॉ. भास्कर, डॉ. सुरेन्द्र, एनेस्थेटिस्ट डॉ. नवीन, डॉ. साक्षी, डॉ. प्रतिभा, बाल रोग विशेषज्ञ डॉ. प्रसून, डॉ. हिमांशु, डॉ. प्रणय, ओटी स्टाफ आशीष व गोपाल देव ने सहयोग किया।

मानस ने बनाया विश्व रिकॉर्ड

उदयपुर। 14 वर्षीय छात्र मानस पुरोहित ने मैथमेटिक्स के क्षेत्र में एक नए मानक की स्थापना कर विश्व रिकॉर्ड बनाया है। मानस के पिता गजेन्द्र पुरोहित व माता स्वर्णलता पुरोहित ने बताया कि मानस ने 12वीं कक्षा तक के 200 उन्नत मैथमेटिक्स फॉमूलों को केवल 61 मिनट और 14 सैकंड में हल करके यह उपलब्धि हासिल की है। जिसने न केवल उसकी असाधारण प्रतिभा को प्रदर्शित किया है, बल्कि यह भी दर्शाया है कि कैसे कड़ी मेहनत, समर्पण और जुनून से कोई भी लक्ष्य प्राप्त किया जा सकता है।

डॉ. सुमन बने शिशु रोग विभागाध्यक्ष

उदयपुर। आरएनटी मेडिकल कॉलेज और हॉस्पिटल के शिशु रोग विभागाध्यक्ष पद पर डॉ. आर.एल. सुमन को नियुक्त किया गया है। वह अगले 2 वर्ष तक इस पद पर रहेंगे। उन्होंने डॉ. लाखन पोसवाल की जगह ली है, जो छह माह से कार्यरत थे। हाल ही उनका ट्रांसफर अजमेर मेडिकल कॉलेज में हुआ है। डॉ. सुमन बीते पांच साल से महाराणा भूपाल राजकीय चिकित्सालय के अधीक्षक भी हैं। इससे पूर्व साल 2018 में 5 माह के लिए शिशु रोग विभागाध्यक्ष रह चुके हैं।

गोलछा अध्यक्ष, सहलोत मंत्री

उदयपुर। श्री वर्धमान साधुमार्गी स्थानकवासी जैन श्रावक संघ उदयपुर की नवीन कार्यकारिणी की बैठक में वर्ष 2025-27 के लिए सागर गोलछा को अध्यक्ष एवं आशीष सहलोत को मंत्री निर्वाचित किया गया। इस दौरान नव निर्वाचित अध्यक्ष सागर गोलछा ने अपना विजन प्रस्तुत किया। वहीं सुनील मेहता, कोषाध्यक्ष मानसिंह पानगड़िया और कुंदन पोरवाल उपाध्यक्ष, कमल चपलोत और संदीप कंठालिया सहमंत्री निर्वाचित हुए।

धर्मेन्द्र पाल जिलाध्यक्ष

उदयपुर। अतुल्य भारत पंजाबी समाज की ओर से उदयपुर जिले में धर्मेन्द्र पाल शारदा को जिलाध्यक्ष नियुक्त किया गया। धर्मेन्द्रपाल शारदा पिछले 30 वर्षों से समाज के लिए सेवा दे रहे है। जानकारी महासचिव डॉ. जितेन्द्र बहल ने दी।

लक्ष्यराजसिंह मेवाड़ को डी-लिट की मानद उपाधि

उदयपुर। अजिंक्य डीवाय पाटिल विश्वविद्यालय पुणे ने पूर्व राजपरिवार के सदस्य डॉ. लक्ष्यराजसिंह मेवाड़ को डॉक्टर ऑफ लिटरेचर (डी लिट) की मानद उपाधि से सम्मानित किया। उनकी यह उपाधि समाज सेवा के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने पर दी गई है। उल्लेखनीय है कि लक्ष्यराजसिंह को इससे पहले वर्ष 2022 में मोहनलाल सुखाड़िया युनिवर्सिटी ने डी लिट की मानद उपाधि से अलंकृत किया गया।

पत्रिका कैलेंडर का विमोचन

उदयपुर। राजस्थान पत्रिका के वार्षिक कैलेंडर का विमोचन साईं तिरुपति विश्वविद्यालय के चेयरपर्सन आशीष अग्रवाल, कुलपति डॉ. प्रशांत नाहर, डॉ. चंदा माथुर व पीयूष जावेरिया ने किया।

रमेश शाह हुमड़ समाज के अध्यक्ष बने

उदयपुर। उदयपुर जैन हुमड़ समाज की आदिनाथ भवन में आयोजित बैठक में रमेश शाह को निर्विरोध अध्यक्ष निर्वाचित किया गया। समाज के सचिव अमृत बोहरा ने बताया कि कार्यक्रम की अध्यक्षता रमेश वगेरिया ने की।

सुबोध जांगिड़ को पीएचडी की उपाधि

उदयपुर। जनार्दनराय नागर राजस्थान विद्यापीठ डीम्ड टू बी विश्वविद्यालय ने पुलिस निरीक्षक सुबोध जांगिड़ को पीएचडी की उपाधि दी है। जांगिड़ को यह उपाधि भारतीय पुलिस प्रणाली के अंतर्गत अभिरक्षा में व्यक्तियों के प्राण और दैहिक स्वतंत्रता के अधिकार राजस्थान के विशेष संदर्भ में व्यक्ति की पुलिस हिरासत का एक विश्लेषणात्मक अध्ययन विषयक शोध कार्य के लिए दी गई। जांगिड़ ने यह शोध कार्य विधि संकाय के डॉ. प्रतीक जांगिड़ के निर्देशन में पूरा किया।

विप्लवी को पीएचडी की उपाधि

उदयपुर। मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय (सुविवि) की ओर से विजय प्रकाश विप्लवी को दीनदयाल उपाध्याय का व्यक्तित्व एवं कृतित्व: एक अध्ययन विषय पर पीएचडी दी गई। विप्लवी ने अपना शोध सहायक आचार्य डॉ. बालूदान बारहठ के निर्देशन में किया। दूसरी उपाधि आस्था महरिया को दी गई। आस्था ने इतिहास विभाग की विभागाध्यक्ष प्रोफेसर प्रतिभा के निर्देशन में शेखावाटी क्षेत्र में विरासतीय पर्यटन: परिप्रेक्ष्य एवं संभावनाएं विषय पर अपना शोध कार्य पूर्ण किया है।

संवेदना/श्रद्धांजलि

उदयपुर। श्रीमती जतनदेवी जी मूंदड़ा धर्मपत्नी स्व. बृजमोहन जी का 21 जनवरी को स्वर्गवास हो गया। वे अपने पीछे शोकाकुल पुत्र मधुकांत, राजेश एवं संजय, पुत्री शीला देपुरा, पौत्र-पौत्रियों व दोहित्र-दोहित्रियों का भरापूरा परिवार छोड़ गई हैं।

उदयपुर। श्रीमती विमला जी गोधा धर्मपत्नी श्री विमलजी गोधा का 31 जनवरी को स्वर्गवास हो गया। वे अपने पीछे शोकाकुल पुत्र नरेश व प्रवीण, पुत्रियां श्रीमती निर्मला अजमेरा व निरुपमा लुहाड़िया तथा पौत्र-पौत्रियों का भरापूरा परिवार छोड़ गई हैं।

उदयपुर। श्री कैलाशचन्द्र जी बंदवाल का 23 जनवरी को निधन हो गया। वे अपने पीछे शोक संतप्त धर्मपत्नी श्रीमती शांतादेवी, पुत्र राजेश व गजेन्द्र, पुत्री श्रीमती सोनू दशोरा एवं पौत्र-पौत्रियों, दोहित्र-दोहित्रियों का भरापूरा परिवार छोड़ गए हैं।

उदयपुर। श्रीमती मीरा देवी सिहोटिया धर्मपत्नी श्री राजकुमार जी सिहोटिया (अग्रवाल) का 13 जनवरी को देहावसान हो गया। वे अपने पीछे शोकाकुल पति सहित पुत्र आनंद व आदर्श, पौत्र-पौत्रियों व जेठ-जिठानियों का भरापूरा परिवार छोड़ गई हैं।

उदयपुर। एडवोकेट श्रीमती सुशीला जी कोठारी (धर्मपत्नी एडवोकेट मोहनलाल जी कोठारी) का 14 जनवरी को देहावसान हो गया। वे अपने पीछे शोकाकुल पुत्रवधू सविता-स्व. संजय, पुत्रियां श्रीमती कल्पना बापना व रमा छाजेड़, पौत्र-पौत्री एवं दोहित्र-दोहित्रियों का संपन्न परिवार छोड़ गई हैं।

उदयपुर। श्री शिवशंकर जी पालीवाल का 21 जनवरी को निधन हो गया। वे अपने पीछे व्यथित हृदय धर्मपत्नी श्रीमती भंवर कुंवर, पुत्र ललित, एडवोकेट अनिल, पकज एवं अर्पित, पुत्री श्रीमती ललिता तथा पौत्र-पौत्रियों व दोहित्र-दोहित्रियों का संपन्न परिवार छोड़ गए हैं।

उदयपुर। श्री गोपीकृष्ण जी परिहार (सेवानिवृत्त नर्सिंग अधीक्षक) का 31 जनवरी को स्वर्गवास हो गया। वे अपने पीछे शोक संतप्त पुत्र अमरसिंह, डॉ. महावीर सिंह व डॉ. बलवंत सिंह परिहार, पौत्र-पौत्रियों एवं भाई-भतीजों सहित संपन्न राणावत परिवार छोड़ गए हैं।

उदयपुर। श्री सोहनलाल जी धुप्पड़ का आकस्मिक स्वर्गवास 28 जनवरी को हो गया। वे अपने पीछे व्यथित हृदय धर्मपत्नी श्रीमती भंवर बाई, पुत्र गोविंदलाल, मनोहर लाल, पुत्रियां श्रीमती शशिकला कचौरिया, लता देवपुरा, दीपमालिका देवपुरा तथा उनका भरापूरा परिवार छोड़ गए हैं।

उदयपुर। श्रीमती रमा जी शक्तावत (धर्मपत्नी स्व. ठा. मेजर रघुनाथ सिंह जी शक्तावत) का असामयिक स्वर्गवास 13 जनवरी को हो गया। वे अपने पीछे शोक संतप्त पुत्र युद्धवीर सिंह, पौत्र शिवांश सिंह सहित भरापूरा परिवार छोड़ गई हैं।

उदयपुर। श्री हितेश जी शर्मा पूर्व सरपंच चीरवा का 12 जनवरी को निधन हो गया। वे अपने पीछे शोकाकुल धर्मपत्नी श्रीमती विधी शर्मा, पुत्रियां कनिष्का व चिवांशी, पुत्र राजवर्धन एवं भाई-भतीजों का संपन्न परिवार छोड़ गए हैं।

उदयपुर। श्री सुखलाल जी सुथार का 24 जनवरी को निधन हो गया। वे अपने पीछे शोक संतप्त पुत्र हीरालाल व जगदीश चन्द्र, पुत्रियां श्रीमती पुष्पा, कंचनदेवी व राधादेवी तथा पौत्र-पौत्रियों, दोहित्र-दोहित्रियों का भरापूरा परिवार छोड़ गए हैं।

उदयपुर। श्री महेन्द्रकुमार जी रटोडिया का 27 जनवरी को देहावसान हो गया। वे अपने पीछे व्यथित हृदय धर्मपत्नी श्रीमती ललिता देवी, पुत्र सुनील व वीरेन्द्र तथा पौत्र-पौत्री एवं भाई-भतीजों का वृहद एवं संपन्न परिवार छोड़ गए हैं।

नाथद्वारा। महाराणा प्रताप संग्रहालय, हल्दीघाटी के संस्थापक डॉ. मोहनलाल जी श्रीमाली का 23 जनवरी को स्वर्गवास हो गया। वे अपने पीछे शोक संतप्त धर्मपत्नी श्रीमती विमला देवी, पुत्र डॉ. भूपेन्द्र पुत्रियां श्रीमती भारती, श्रीमती लीना व श्रीमती डॉ. भावना, पौत्र, दोहित्र-दोहित्रियों व भाई-भतीजों का वृहद व संपन्न परिवार छोड़ गए हैं। वे राष्ट्रपति द्वारा सम्मानित किए गए थे।

उदयपुर। राजस्थान नर्सेज एसोसिएशन के पूर्व प्रदेशाध्यक्ष एवं महाराणा भूपाल राजकीय चिकित्सालय, उदयपुर के पूर्व नर्सिंग अधीक्षक श्री कुंदनलाल जी सामर का 26 जनवरी को देहावसान हो गया। वे 95 वर्ष के थे। वे अपने पीछे व्यथित हृदय पुत्र प्रो. डॉ. सुरेश, प्रो. डॉ. राजेन्द्र, डॉ. अरुण, प्रमोद (वरिष्ठ भाजपा नेता) व दिलीप सामर तथा भाई-भतीजों, पौत्र-पौत्रियों का वृहद व संपन्न परिवार छोड़ गए हैं। उनके निधन पर विभिन्न राजनैतिक, सामाजिक एवं सांस्कृतिक संगठनों ने गहरा शोक व्यक्त किया है।

उदयपुर। श्रीमती चन्द्रा देवी नागदा (धर्मपत्नी स्व. रोशनलाल जी नागदा वरिष्ठ कांग्रेस नेता) का 28 जनवरी को सिसारमा स्थित आवास पर निधन हो गया। वे अपने पीछे शोक संतप्त पुत्रवधू श्रीमती रूपवंती-स्व. रमेश नागदा, श्रीमती पार्वती-स्व. देवेन्द्र नागदा, पुत्र चितरंजन-साधना, पुत्रियां श्रीमती विजया एवं श्रीमती शीला, पौत्र-प्रपौत्र, प्रपौत्री, दोहित्र-दोहित्री एवं भरापूरा परिवार छोड़ गई हैं।

RAJENDRA TOYOTA

RAJENDRA TOYOTA

0% Down Payment *
100% Finance Available

विश्व की भरोसेमन्द्र टोयोटा

GLANZA और URBAN CRUISER TAISOR
के किसी भी मॉडल की खरीद पर पायें ELECTRIC SCOOTY फ्री

BEST EXCHANGE OFFER

THE COOL NEW TOYOTA GLANZA

Price Starts @ ₹ 6.86 Lakhs* | Benefits upto ₹ 1,41,000 /-
EMI Starts at ₹ 12,777/-*

URBAN CRUISER TAISOR

Price Starts @ ₹ 7.73 Lakhs* | Benefits upto ₹ 1,28,000 /-
EMI Starts at ₹ 14,333/-*

INTRODUCING RUMION

Price Starts @ ₹ 9.42 Lakhs* | Benefits upto ₹ 64,000 /-
EMI Starts at ₹ 19,999/-*

URBAN CRUISER HYRYDER

Price Starts @ ₹ 11.14 Lakhs* | Benefits upto ₹ 1,01,000 /-
EMI Starts at ₹ 21,222/-*

- Offers upto 1,81,000 /-*
- Finance upto 10 year
- Ext. Warranty upto 5 year
- Free 5 year Roadside Assistance
- EMI Starts From 1,620 /- per lac*
- Express Service in 60 minutes.

Terms & Conditions Apply*

RAJENDRA TOYOTA | Contact : +91 73111-48515

उदयपुर, शोभागपुरा, राजसमंद, भीलवाड़ा, गुलाबपुरा, चित्तौड़, प्रतापगढ़, बांसवाड़ा, डूंगरपुर, सागवाड़ा

SEEDLING
GROUP OF SCHOOLS
WE GROW TO BLOOM

World Class Education, Right here in Udaipur.

ARAVALI
GROUP - INDIA

AN ISO 9001:2008
Certified co.

Aravali Minerals & Chemical Industries Pvt. Ltd.

Quarry Owner, Processor, Exporter and Supplier of Indian Onyx, Marbles, Granites & other Natural Stones from Udaipur

MINERAL STONE CONSTRUCTION

- A wonder of nature- the Onyx Marble of Aravali, is most sought after by Architects and Master builders from all over the world for its distinct creamy white and subtle pink colors embellished with nature's own patterns.
- Aravali Onyx, with its fine grain texture and translucency, symbolises supreme luxury, extreme sensitivity and a high degree of aesthetics.
- Aravali Minerals & Chemical Industries is proud to uncover and present before connoisseurs across the globe, this dplendour of nature.

6 Continents 36 Countries, More then 400 Customers

B-132, Mewar Industrial Area, Madri, Udaipur-313003
Tel: 2490675, 2491357, 2491675
OFFICE:SP-1, Udhyog Vihar, Sukher, Udaipur-313003
E-mail: aravali.sunil@yahoo.com, aravali1975@gmail.com
Website: www.aravalionyx.com

MARUTI SUZUKI

25 Million Cars
Sold & Counting

Celebrating the incredible journey of
Maruti Suzuki

TECHNOY MOTORS INDIA PVT LTD
(SINCE 1996)

UDAIPUR I SAGWARA I FATAHNAGAR I BHINDER I REODAR I KHERWARA I CHITTORGARH I JHADOL I
JAWAL I SABLA I RAJSAMAND I GOGUNDA

For Any Query of New Car Pls call Mo.: 9414156569, 7568736764

MARUTI SUZUKI ARENA NEXA MARUTI SUZUKI COMMERCIAL TRUE VALUE

प्रकाशन की तिथि प्रत्येक माह की 23 तारीख वर्ष 22 अंक 11, Postal Registration No. RJ/UD/29-62/2024-26 Posting Date: 27th-28th of Every Month RNI No. RAJHIN/2003/9297 Posting Office: Chetak Circle, Udaipur
'प्रत्यूष' पत्रिका डिलिवर्ड न होने की स्थिति में इस पते पर लौटाएं: पंकज कुमार शर्मा, 2, रक्षाबंधन, मेहतों का पाड़ा, धानमण्डी, उदयपुर (राज.) 313 001